@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 22 नवंबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 12 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अदाणी विवाद के बाद संजय सिंह भाजपा पर हमलावर

नई दिल्ली, 21 नवंबर। अदाणी विवाद के सहारे आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की राजनीति को भी हैंडल करने की रणनीति बना ली है। भाजपा दिल्ली में बिजली महंगी होने का आरोप लगाते हुए अरविंद केजरीवाल पर हमलावर थी। उसका आरोप है कि दिल्ली में पीपीएसी बढ़ाकर उपभोक्ताओं को महंगी बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन

अब अदाणी विवाद सामने आने के बाद आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार के दबाव में एमपी और यूपी जैसे राज्यों को महंगी बिजली खरीदनी पड़ रही है। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने दिल्ली पर भी उक्त कंपनी से बिजली लेने का दबाव बनाया था, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने इसे स्वीकार नहीं किया। हालांकि, भाजपा ने इसे आम आदमी पार्टी की गलत बयानी करार दिया है। भाजपा का कहना है कि पूरी दिल्ली में उपभोक्ताओं को पीपीएसी के रूप में महंगा सरचार्ज चुकाना पड़ रहा है जिससे लोगों को बिजली महंगी मिल रही है। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह सड़क से लेकर संसद तक हमेशा से अदाणी विवाद पर हमलावर रहे हैं। इस बार जब उद्योगपति गौतम अदाणी का नाम अमेरिका के एक विवाद में सामने आया है, संजय सिंह दोबारा हमलावर हो गए हैं। वर्तमान विवाद सामने आने के बाद उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार अदाणी समूह को लाभ पहुंचाने के लिए राज्य सरकारों पर दबाव बनाती रही है। उन्होंने अमेरिका की तरह भारत में भी इस विवाद की जांच की मांग की है। संजय सिंह ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान की तरह दिल्ली में भी महंगी बिजली बेचने की कोशिश की गई थी, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने इसकी अनुमति नहीं दी।

गौतम अदाणी पर भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने व धोखाधड़ी के आरोप

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 21 नवंबर। अदाणी समूह के मुखिया उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए अपने पक्ष में शर्तें रखने के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर (करीब 21 अरब रुपये) की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। पिछले साल हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से शुरू हुए विवाद के बाद अदाणी समूह पर नए आरोप क्या हैं? सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने का ताजा मामला क्या है? सबकुछ यहां जानें अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी (62), उनके भतीजे सागर अदाणी और अन्य पर सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 2020 से 2024 के बीच भारतीय सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने का आरोप लगाया। एक अनुमान के अनुसार इससे समूह को संभावित रूप से दो अरब डॉलर से अधिक का लाभ हो सकता है। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया कि यह सब उन अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छुपाया गया, जिनसे अदाणी समूह ने इस परियोजना के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। अमेरिकी कानून अपने निवेशकों या बाजारों से जुड़े विदेशों में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है। अदाणी समूह से इस संबंध में जानकारी हासिल करने के लिए संपर्क किया गया, लेकिन फिलहाल उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी ब्रायन पीस ने बयान में कहा, ''प्रतिवादियों ने अरबों डॉलर के अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की एक विस्तृत साजिश रची।'' विभिन्न कारोबारों से जुड़े अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी, उनके भतीजे एवं अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी और कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रहे विनीत जैन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी, प्रतिभूति धोखाधड़ी साजिश और वायर धोखाधड़ी की साजिश का आरोप लगाया गया है। अदाणी पर अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के एक दीवानी मामले में भी आरोप लगाए गए हैं। अभियोग में सागर और जैन पर संघीय कानून तोड़ने के भी आरोप लगाये गये हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कथित साजिश के संबंध में कनाडाई पेंशन फंड सीडीपीक्यू के तीन पूर्व कर्मचारियों पर भी आरोप लगाए हैं। इसमें कहा गया कि उन्होंने ई-मेल 'डिलीट' कर और अमेरिकी सरकार को गलत जानकारी देने के लिए सहमत होकर रिश्वत के मामले की जांच में बाधा डाली। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने वाला सीडीपीक्यू अदाणी समूह की कंपनियों में शेयरधारक है। अदाणी समूह पर ये आरोप उसे फिर से समस्याओं में डाल सकता है। इससे पहले, अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने समूह पर धोखाधड़ी के आरोप लगाये थे, जिससे वह अभी उबरा ही था। हिंडनबर्ग ने जनवरी 2023 में शेयरों में हेराफेरी और लेखा के स्तर पर गड़बड़ी करने के आरोप लगाये थे। अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इसे बेबुनियाद बताया था। इन आरोपों के कारण समूह के बाजार मूल्यांकन में 150 अरब डालर का नुकसान हुआ था। हालांकि समूह उससे उबर गया और कंपनियों के शेयरों में जो नुकसान हुआ था, उसकी काफी हद तक भरपाई कर ली गयी। अदालत के दस्तावेज के अनुसार, ''विशेष रूप से 17 मार्च 2023 को या उसके आसपास एफबीआई (संघीय जांच ब्यूरो) के अधिकारियों ने अमेरिका में सागर अदाणी से संपर्क किया और तलाशी वारंट के तहत उनके पास मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अपने कब्जे में ले लिया।''

बंधुआ मजदूरों की अंतर-राज्यीय तस्करी से निपटने के लिए बनाएं प्रस्ताव: सुप्रीम कोर्ट

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 21 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एक बैठक करें और बंधुआ मजदूरों, खासतौर पर बच्चों की अंतरराज्यीय तस्करी की समस्या को सुलझाने के लिए एक विशेष प्रस्ताव तैयार करें इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक गंभीर समस्या है और इसे केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय से हल करना होगा। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में कहा कि, इस पर तुरंत आर्थिक मदद की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक योजना बनानी होगी। मामले में न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने उत्तर प्रदेश में रिहा कराए गए 5,264 बंधुआ मजदूरों में से केवल 1,101 को तत्काल वित्तीय सहायता मिलने संबंधी आंकड़े पेश किए जाने को चिंताजनक बताया। वहीं बाल बंधुआ मजदूरों की बात करें तो, बच्चों को उनके गृह राज्यों से तस्करी कर पड़ोसी राज्यों में बंधुआ मजदूरी के लिए मजबूर किया जाता है। शीर्ष न्यायालय ने मामले में निर्देश दिया कि, श्रम और रोजगार मंत्रालय के सचिव सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सचिवों के साथ बैठक करें। इस समस्या का समाधान खोजने के लिए एक एकीकृत प्रक्रिया तैयार करें। इसके साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को भी इस प्रक्रिया में शामिल करें।

वहीं डिजिटल समाधान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लापता बच्चों के पोर्टल की तरह ही बंधुआ मजदूरों की ट्रैकिंग के लिए भी एक पोर्टल होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने क्या की अपील, यह मामला उन लोगों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन से जुड़ा है जो बंधुआ मजदूरी के शिकार होते हैं। याचिकाकर्ताओं ने बताया कि बिहार से तस्करी कर उत्तर प्रदेश के ईंट-भट्टों में उन्हें बंधुआ मजदूरी करने पर मजबूर किया जाता है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने मामले को छह हफ्तों बाद अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह सिख समुदाय के सदस्यों पर चुटकुले दिखाने वाली वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाने के लिए आठ सप्ताह बाद सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण मामला है। याचिकाकर्ता हरविंदर चौधरी ने पीठ को बताया कि वह अपने सुझावों के साथ-साथ मामले में अन्य पक्षों के सुझावों को भी एकत्रित करेंगी और एक संक्षिप्त संकलन दाखिल करेंगी। पीठ ने उन्हें आठ सप्ताह का समय दिया और उसके बाद मामले को सूचीबद्ध किया। इस सुनवाई के दौरान हरविंदर चौधरी ने सिख समुदाय की महिलाओं की शिकायतों को उजागर किया, जिन्हें उनके पहनावे के लिए उपहास का सामना करना पड़ता है, इसके अलावा स्कूलों में तंग किए जाने वाले बच्चों की दुर्दशा को भी दर्शाया। याचिकाकर्ता ने एक घटना का हवाला दिया जिसमें स्कूल में बदमाशी के कारण कथित तौर पर एक लड़के ने आत्महत्या कर ली थी। पीठ ने टिप्पणी की, आप एक छोटा संकलन तैयार करें ताकि इसे पढ़ना आसान हो जाए।

सिख विरोधी दंगा के 47 पीड़ितों को एलजी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली, 21 नवंबर। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बृहस्पतिवार को तिलक विहार में 1984 के सिख विरोधी दंगा के 47 पीड़ितों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। अंतरिम अवधि के दौरान सेवा की आयु पार कर चुके लाभार्थियों के नामित उत्तराधिकारियों को 6 अतिरिक्त ऐसे पत्र जारी किए जाएंगे। करीब चार दशक के बाद एलजी ने 1984 के दंगों के पीड़ितों की भर्ती के लिए योग्यता में ढील दी थी। इस मौके पर एलजी ने कहा कि नियुक्तियों के लिए आवेदनों के शेष 437 मामलों का सत्यापन किया जा रहा है। राजस्व विभाग को इन आवेदनों का जल्द निपटान करने के लिए विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया है। एलजी ने कहा कि इस फैसले से पीड़ितों को न्याय मिला है। सिख दंगा पीड़ितों के आवास वाली विशेष कॉलोनी का नाम भी बदला जाएगा। इस कॉलोनियों का नाम विधवा कॉलोनी (विधवाओं की कॉलोनी) कहा जाता है। अब स्थानीय निवासियों की सिफारिशों के अनुसार नाम बदला जाएगा। इस विषय को लेकर जनप्रतिनिधियों, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति और पीड़ितों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पिछले महीने एलजी से मुलाकात की थी। एलजी से भर्ती के लिए सभी पात्र आवेदकों पर विचार करने का अनुरोध किया था। इसमें वे लोग भी

शामिल हैं जो वृद्ध हो चुके हैं या जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद एलजी ने संबंधित विभागों को इस मुद्दे पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और आगे का रास्ता सुझाने का निर्देश दिया था। इसके बाद उन्होंने भर्ती योग्यता में ढील देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

राज्यपाल बोस ने ममता के काम का मूल्यांकन करने से किया परहेज

कौमी संवाददाता

कोलकाता, 21 नवंबर। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य के उत्तरी और दक्षिणी जिलों के बीच क्षेत्रीय असंतुलन को उजागर करते हुए कहा कि उत्तरी क्षेत्र में समृद्धि की कमी के कारण राज्य सरकार और वहां के लोगों के बीच फासला बढ़ा है।अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने से कुछ दिन पहले जमीनी स्तर के अपने अनुभवों का हवाला देते हुए बोस ने यह बात कही। राज्यपाल बोस ने एक विशेष बातचीत में विभिन्न मुद्दों का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काम का मूल्यांकन करने से परहेज किया, लेकिन यह स्पष्ट तौर पर कहा कि वह एक नेता के बजाए मुख्यमंत्री के तौर पर उनके प्रदर्शन को लेकर अधिक चिंतित हैं। बोस ने अब तक के अपने कार्यकाल पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, इन दो वर्षों ने मुझे कई सकारात्मक बातें सिखाई हैं। यह एक बहुत ही

परिष्कृत राज्य है, जहां कला और संस्कृति पर बहुत जोर है, लेकिन राज्य में कुछ समस्याएं हैं। बोस ने कहा कि गंगा के उत्तर में स्थित जिलों में आर्थिक पिछड़ेपन के कारण लोगों की राज्य प्रशासन से दूरी बढ़ी। इससे पहले, राज्यपाल बोस ने बंगाल की कानून-व्यवस्था पर अहम टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से मैं उन क्षेत्र का दौरा कर चुका हूं, जहां हिंसा हुई है। इस दौरान कई पीड़ितों और उनके परिजनों से बातचीत भी की। उन्होंने सीमा पार से घुसपैठ के सवाल पर कहा कि भारत सरकार और खुफिया एजेंसियां इस पर ध्यान दे रही हैं और तुरंत कार्रवाई कर रही हैं।

सरकार बनाने के नाना पटोले के बयान पर महा विकास अघाड़ी में रार

मुंबई, 21 नवंबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में मतदान पूरा होने के बाद विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में मुख्यमंत्री पद को लेकर रार छिड़ गई है। दरअसल, यह पूरा विवाद महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले के एक बयान के बाद शुरू हुआ। एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेतृत्व महा विकास अघाड़ी की सरकार बनेगी। उनके इस बयान को लेकर शिवसेना- उद्धव बालासाहेब के नेता संजय राउत ने आपत्ति जताई है और कहा है कि कोई भी इसे नहीं मानेगा। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष ने बुधवार को कहा था, महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेतृत्व में ही महा विकास अघाडी की सरकार बनेगी। राज्य में कांग्रेस के सबसे ज्यादा विधायक चुने जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से मतदान के रुझान सामने आ रहा हैं, जिस तरह लोग कह रहे हैं, उस लिहाज से कांग्रेस के अधिकतर उम्मीदवार चुने जाएंगे। इसमें कोई शंका ही नहीं कि सरकार एमवीए की बनेगी और मुख्यमंत्री भी महा विकास अघाड़ी का ही होगा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के इसी बयान पर राउत ने कहा, मैं इसे नहीं मानता और कोई और भी इसे नहीं मानेगा।

शिया मुसलमानों पर बंदूकधारियों का घातक हमला, 50 की मौत

पेशावर, 21 नवंबर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा में शिया मुसलमानों को ले जा रहे यात्री वाहन पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें 50 लोगों की मौत हो गई। इनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। हमले में 20 लोग भी घायल हुए हैं। यह हाल के वर्षों में सबसे घातक हमला माना जा रहा है। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हमला कुर्रम जिले में हुआ है, जो खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का हिस्सा है। इस जिले में हाल ही में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक घटनाएं बढ़ी हैं। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने उन यात्री वाहनों पर गोलियां चलाईं जो परचिनार से पेशावर की ओर जा रहे थे। पुलिस अधिकारी अजमत अली ने बताया कि मरने वालों में छह महिलाएं भी शामिल हैं और दस यात्री अस्पताल में गभीर हालत में भर्ती हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमले की निंदा की और पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने आदेश दिया कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पाकिस्तान में शिया मुसलमानों की आबादी करीब 15 फीसदी है, जबकि देश में सुन्नी मुसलमान बहुसंख्यक हैं। हालांति, दोनों समुदाय आमतौर पर आपस में शांति से रहते हैं। लेकिन कुर्रम जैसे कुछ क्षेत्रों में शियाओं और सुन्नियों के बीच दशकों से तनाव रहा है। इस साल जुलाई में कुर्रम में शिया और सुन्नी समुदायों की झड़प में करीब पचास लोग मारे गए थे। पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में इस समय अलग-अलग जगहों पर सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच संघर्ष जारी है।

जिन राज्यों का दस्तावेजों में जिक्र, वहां थी विपक्ष की सरकार: संबित पात्रा

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 21 नवंबर। अदाणी मामले में कांग्रेस और राहुल गांधी की तरफ से केंद्र की भाजपा सरकार पर लगाए गए आरोपों का पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जवाब दिया। भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस मामले में कांग्रेस और विपक्ष को घेरते हुए कहा कि अमेरिकी कोर्ट में जो दस्तावेज दिए गए हैं, उनमें इन गड़बड़ियों को 2021 से 2022 के बीच के होने का आरोप लगाया गया है। इस दौरान हुई गड़बड़ियों को चार राज्यों का जिक्र किया गया है। इन राज्यों में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा शामिल हैं। पात्रा ने कहा कि बताए गए दौर में इन चारों राज्यों में न तो भाजपा की सरकार थी और न ही इन राज्यों में भाजपा समर्थित सरकार थी। चारों राज्यों में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की सरकारें थीं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, राहुल गांधी के पास वही चंद नाम हैं, वही चंद तरीका है। उन्होंने उसी तरह से फिर भाजपा पर आरोप लगाया है। मुझे याद है कि राफेल को लेकर राहुल गांधी इसी तरह खड़े हुए थे। कोरोना के समय में भी वह इसी तरह प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे। ये राहुल गांधी का तरीका है भारत पर हमला करने का और जो स्ट्रक्चर भारत को बचाते हैं, उन पर हमला करने का। अमेरिका में भारत की कंपनी को लेकर केस चल रहा है। अभी आक्षेप है। हमारा मानना है कि जब कंपनी

के केस का विषय है तो कंपनी उस पर बयान जारी करेगी। कानून अपना काम करेगा। बिजली की खरीद और राज्यों की बिजली वितरक कंपनियों (एसडीसी) के साथ जो समझौता है। यह पूरा मामला जुलाई 2021 से फरवरी 2022 के बीच का है। अमेरिकी कोर्ट के केस में जिन चार राज्यों का नाम आता है, उनमें छत्तीसगढ़ की एसडीसी का नाम आता है। तब छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की, कांग्रेस की सरकार थी। दस्तावेजों में आंध्र प्रदेश में सर्वाधिक लेन देन की बात सामने आती है। तब आंध्र प्रदेश में किसकी सरकार थी। भाजपा की नहीं थी। तब वहां वाईएसआर कांग्रेस की सरकार थी। दस्तावेज में तमिलनाडु का नाम आता है। तब वहां कांग्रेस के सहयोगी डीएमके की सरकार थी। ओडिशा में तब बीजद की सरकार थी। इन चार राज्यों का नाम अमेरिका में दायर दस्तावेजों में आया है। इन चारों ही राज्यों में भाजपा की नहीं, कांग्रेस और उनके सहयोगियों की सरकारें थीं। पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने आज बार बार कहा कि मोदी जी की क्रेडिबिलिटी समाप्त हो चुकी है। मोदी जी अदाणी के पीछे खड़े हैं, इसलिए उनकी विश्वसनीयता वैश्विक स्तर पर समाप्त हो चुकी है। राहुल जी, मोदी जी की विश्वसनीयता समाप्त करने की चेष्टा और कोशिश कोई आप पहली बार नहीं कर रहे हैं। 2002 से मोदी जी की विश्वसनीयता को समाप्त करने की कोशिश आप, आपकी माताश्री और आपकी पार्टी लगातार कर रही है।

मोदी-अदाणी एक हैं तो सेफ हैं, राहुल गांधी ने गिरफ्तारी की उठाई मांग

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 21 नवंबर। अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उद्योगपति गौतम अदाणी पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार और उद्योगपति गौतम अदाणी पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि अब ये साफ है कि अदाणी ने भारतीय और अमेरिकी कानूनों का उल्लंघन किया है। मुझे हैरानी है कि अदाणी अभी तक देश में आजाद कैसे घूम रहे हैं? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि कई देशों में अदाणी के प्रोजेक्ट की जांच चल रही है और अदाणी भ्रष्टाचार करके देश की प्रतिष्ठा को कम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी ने नारा दिया- एक हैं तो सेफ हैं। भारत में नरेंद्र मोदी और अदाणी एक हैं तो सेफ़ हैं। हिंदुस्तान में अदाणी का कुछ नहीं किया जा सकता है। यहां मुख्यमंत्री को जेल भेज दिया जाता है और अदाणी 2,000 करोड़ का घोटाला कर के आराम से बाहर घूम रहे हैं। क्योंकि नरेंद्र मोदी उनकी रक्षा कर रहे हैं। अमेरिका की जांच में कहा गया है कि अदाणी ने हिंदुस्तान और अमेरिका में अपराध किया है। मगर हिंदुस्तान में अदाणी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारी मांग

है कि अदाणी को गिरफ्तार किया जाए और सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच को पद से हटाएं और उनकी जांच करें। साथ ही उन्होंने जांच के लिए संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के गठन की भी मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष होने के नाते ये मेरी जिम्मेदारी है कि हम इस मुद्दे को देश की जनता के सामने रखें। यह व्यक्ति (अदाणी) देश के संसाधनों पर भ्रष्टाचार के जरिए कब्जा कर रहा है। वह भाजपा की मदद कर रहा है। हम जेपीसी जांच और अदाणी की गिरफ्तारी की मांग करते हैं, लेकिन हमें ये भी पता है कि वह गिरफ्तार नहीं होंगे क्योंकि देश के प्रधानमंत्री, अदाणी का समर्थन करते हैं और उनकी रक्षा करते हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि माधबी पुरी बुच गौतम अदाणी को बचा रही हैं और भारत के रिटेल निवेशकों के निवेश को खतरे में डाला जा रहा है। राहुल गांधी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री अगर चाहें भी तो कुछ नहीं कर सकते क्योंकि वे अदाणी के नियंत्रण में हैं। मेरी बात नोट कर लीजिए, अदाणी ने दो हजार करोड़ रुपये का घोटाला है, लेकिन मैं गारंटी देता हूं कि उस व्यक्ति को न गिरफ्तार किया जाएगा और न ही उसके खिलाफ कोई जांच होगी। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि अदाणी समूह के कामकाज के सभी पहलुओं, जिसमें विदेशी देशों में इसके निवेश और भारत में संस्थागत क्षरण शामिल है, की व्यापक संयुक्त संसदीय समिति से जांच करवाना समय की मांग है।

भारत की पहली डॉक्टर जो बनी विश्व सुंदरी

नई दिल्ली, 21 नवंबर। खूबसूरती के मामले में भारत की महिलाओं की सुंदरता का कोई जवाब नहीं। अपनी सादगी से दुनियाभर की सुंदर महिलाओं को टक्कर देने वाली भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी खूबसूरती को कई बार साबित कर चुकी हैं। वैश्विक स्तर पर होने वाले विश्व सुंदरी प्रतियोगिता में कई भारतीय महिलाओं ने हिस्सा लिया और जीत कर विश्व सुंदरी और ब्रह्मांड सुंदरी का खिताब हासिल किया। इस लिस्ट में सुष्मिता सेन, ऐश्वर्या राय और प्रियंका चोपड़ा जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों का नाम शामिल है। हर साल होने वाले मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में ऐश्वर्या और प्रियंका के अलावा युक्ता मुखी, डायना हेडन और मानुषी छिल्लर भी शामिल हुईं। लेकिन क्या आपको पता है कि भारत की एक ऐसी महिला ने भी अपने नाम पर विश्व सुंदरी का खिताब हासिल किया जो कि न तो पेशे से मॉडल थीं और न ही अभिनेत्री। ये भारत से निकली पहली मिस वर्ल्ड थीं जो कि पेशे से एक डॉक्टर थीं। आइए जानते हैं भारत की पहली विश्व सुंदरी के बारे में जो पेशे से हैं डॉक्टर। विश्व सुंदरी का खिताब जीतने वाली पहली महिला का नाम रीता फारिया था। रीता का जन्म 23 अगस्त, 1943 को मुंबई के माटुंगा में हुआ था। उन्होंने मुंबई के ग्रांट मेडिकल कॉलेज और सर जेजे ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल से मेडिकल की पढ़ाई की। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने लंदन के किंग्स कालेज हास्पिटल से की। मुंबई में मेडिकल की पढ़ाई के दौरान रीता के दोस्तों ने उन्हें ब्यूटी शो में हिस्सा लेने की सलाह दी। रीता ने ईव्स वीकली मैगजीन द्वारा आयोजित मिस बाम्बे प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया और इस प्रतियोगिता को चुनौती की तरह लिया। मिस बॉम्बे बनने के बाद उन्हें मिस इंडिया की प्रतियोगिता भी जीती। उन्हें मिस वर्ल्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

गुयाना में कैरेबियाई नेताओं से मिले प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति इरफान अली बोले- पीएम मोदी की यात्रा स्थायी साझेदारी का प्रमाण

एजेंसी

जॉर्जटाउन। गुयाना की ऐतिहासिक यात्रा पर गए पीएम मोदी ने (भारतीय समयानुसार) जॉर्जटाउन पहुंचने के तुरंत बाद कई कैरेबियाई कम्युनिटी (सीएआरआईसीओएम) के नेताओं से मुलाकात की। यह जानकारी गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली ने दी। बता दें यह 56 वर्षों में दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है।जी 20 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद रियो डी जेनेरियो से एयरपोर्ट पहुंचने पर पीएम मोदी का स्वागत गुयाना के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) मार्क एंथनी फिलिप्स ने एक दर्जन से अधिक कैबिनेट मंत्रियों के साथ किया।गुयाना के राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, कल शाम, मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीन दिवसीय राजकीय दौरे के लिए गुयाना में स्वागत किया। बाद में शाम को जॉर्जटाउन के गुयाना मैरियट होटल में मुझे प्रधानमंत्री मोदी को कई सीएआरआईसीओएम नेताओं से मिलवाने का सौभाग्य मिला, जो दूसरे भारत-सीएआरआईसीओएम शिखर सम्मेलन के लिए यहां आए हैं। इस बैठक ने भारत और कैरीबियाई देशों के बीच मजबूत होते संबंधों को रेखांकित किया, जो साझा मूल्यों और आपसी प्रगति के दृष्टिकोण पर आधारित है।

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर नेपाल के करीब डेढ़ सौ उद्योगपतियों-व्यापारियों को रंगदारी के लिए फोन कॉल्स

काठमांडू। भारत की जेल में बंद लॉरेंस विश्नोई के नाम पर नेपाल के करीब डेढ़ सौ उद्योगपतियों, व्यापारियों और बैंकर्स को रंगदारी के लिए फोन कॉल्स आने की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की है। शुरू में चार व्यापारियों को इस तरह की फोन कॉल्स आने की शिकायत पुलिस को की थी लेकिन जैसे जैसे जांच आगे बढ़ा तो पता लगा कि इस तरह के डेढ़ सौ लोगों को फोन आया था। नेपाल पुलिस की केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने पिछले एक हफ्ते से लारेंस विश्नोई के नाम पर आने वाले फोन कॉल्स की जांच कर रही है। सीआईबी के प्रमुख एआईजी दीपक थापा ने बताया कि अधिकांश फोन भारत और दुबई के नंबर से आने की बात बताई। थापा ने कहा कि पहल सिर्फ चार व्यापारियों ने इस तरह की रंगदारी वसूलने की शिकायत दर्ज की गई थी। पर धीरे धीरे यह आंकड़ा 150 के पार हो गया है। सीआईबी के एआईजी थापा ने कहा कि कई व्यापारियों ने इस तरह से रंगदारी वसूलने के लिए आए फोन की रिकार्डिंग पुलिस को सौंपी है। थापा के मुताबिक इन फोन कॉल्स में रंगादारी मांगने वालों ने खुद को लॉरेंस विश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए पैसों की मांग की है। इनमें बैंकर्स, उद्योगपति और व्यापारियों से 1 करोड़ से 5 करोड़ रूपये तक की रंगदारी मांगी गई है।

यूक्रेन ने रूस में मचाई तबाही, 1690 सैनिकों को मार गिराने का दावा

कीव। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ अपने अब तक के सबसे बड़े आक्रमण में बड़ा सामरिक नुकसान पहुंचाने का आज दावा किया। रूस ने यूक्रेन के हमले की पुष्टि तो की पर नुकसान पर चुप्पी साध ली। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ की रिपोर्ट में दावा किया गया कि यूक्रेन की सेना ने 19 से 20 नवंबर तक रूस के 1,690 सैनिकों को मार गिराया। इस बीच अमेरिकी ने कीव में अपने दूतावास को बंद करने का आदेश दिया है। सरकारी न्यूज एजेंसी आरबीसी यूक्रेन ने सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ की रिपोर्ट को आज साझा किया। इसमें दावा किया गया कि इसके अतिरिक्त 91 ड्रोन, सैन्य इकाइयों के 100 वाहनों और ईंधन टैंकों को नष्ट कर दिया गया। कल शाम से आज सूरज निकलने तक मोर्चे पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच 130 बार संघर्ष हुआ। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने कुर्स्क क्षेत्र में दुश्मन के 20 से अधिक प्रयासों को विफल कर दिया। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ हमले में प्रयोग के लिए अमेरिका से मिली लंबी दूरी की मिसाइलें (एटीएसीएमएस) दागकर राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की चिंता बढ़ा दी। पुतिन ने आनन-फानन में परमाणु हथियारों का प्रयोग करने की चेतावनी देकर देश की संप्रभुता की रक्षा करने का संकल्प दोहराया है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की नए मामले में गिरफ्तारी

रावलपिंडी। लगभग सालभर से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में सलाखों के पीछे कैद मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को पुलिस आज एक अदालत के समक्ष पेश करेगी। पुलिस अदालत से बर्बरता के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री के रिमांड की मांग करेगी। इमरान को रात को नए मामले में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले उन्हें तोशखाना केस के दूसरे मामले में अदालत से जमानत प्रदान की गई थी। जियो न्यूज के अनुसार, पुलिस उन्हें आज रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थापित आतंकवाद विरोधी अदालत में पेश करेगी। इसी जेल में पीटीआई संस्थापक को कैद में रखा गया है। पाकिस्तान के इतिहास में अविश्वास मत के माध्यम से अपदस्थ होने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री खान एक साल से अधिक समय से जेल में हैं। उनके साथ-साथ उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी कई मामले दर्ज किए गए हैं।

वर्ष 2024 में सीओ2 उत्सर्जन पिछले साल से अधिक होगा-जीसीबी

एजेंसी

बाकू। बाकू में चल रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन (कॉप 29) में वैश्विक कार्बन बजट (जीसीबी) ने इस साल कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में वृद्धि के बारे में आशंका जताई है जबकि देश जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने के लिए धन के लिए बातचीत कर रहे हैं। जीसीबी ने अनुमान लगाया है कि 2024 में सीओ2 उत्सर्जन 41.6 अरब टन होगा जो पिछले साल के 40.6 अरब टन के आंकड़े से अधिक है। इसमें जीवाश्म ईंधन से 37.4 अरब टन सीओ 2 उत्सर्जन और बाकी भूमि-उपयोग परिवर्तन (वनों की कटाई) से होने वाला उत्सर्जन शामिल है। वर्तमान में हर साल 40 अरब टन से अधिक उत्सर्जन के साथ, वायुमंडल में सीओ2 का स्तर बढ़ता जा रहा है और ग्लोबल वार्मिंग में और योगदान दे रहा है। विश्व मौसम विज्ञान

संगठन (डब्ल्यूएमओ) के नवीनतम अपडेट ने संकेत दिया कि 2024 सबसे गर्म वर्ष होगा जिसमें तापमान पूर्व-औद्योगिक युग से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होगा। डब्ल्यूएमओ ने वैश्विक जलवायु प्रणाली की स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की जिसमें 2023 में रिकॉर्ड-उच्च वायुमंडलीय ग्रीनहाउस गैस सांद्रता देखी जा रही है और 2024 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष होने की राह पर है। इस बीच 30 से अधिक देशों ने जैविक कचरे से मीथेन को कम करने पर कॉप29 घोषणा का समर्थन किया है जिसमें जैविक कचरे से मीथेन के 10 सबसे बड़े उत्सर्जकों में से आठ शामिल हैं। देशों ने जल्द ही खाद्य अपशिष्ट पर क्षेत्रीय लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। सम्मेलन के दौरान शुक्रवार को अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों ने घोषणा का समर्थन किया। यह कॉप28 के अध्यक्ष द्वारा तेल और गैस डीकार्बोनाइजेशन चार्टर लॉन्च करने के बाद आया है जिस पर पिछले साल दुबई में लगभग शून्य अपस्ट्रीम मीथेन उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए 50 उद्योगों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। अमेरिका के जलवायु के लिए उप विशेष दूत रिक ड्यूक ने दिन में पहले आयोजित अध्यक्षीय कार्यक्रम में कहा, 'कॉप28 ने जीवाश्म ईंधन क्षेत्र से मीथेन उत्सर्जन पर ध्यान केंद्रित किया और कॉप29 अपशिष्ट पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।'

गाजा में युद्धविराम की मांग वाले यूएन प्रस्ताव पर अमेरिका का वीटो, फिलीस्तीन ने की वाशिंगटन की आलोचना

एजेंसी

रामल्लाह । फिलिस्तीनी राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव पर वीटो लगाने के लिए अमेरिका की निंदा की है, जिसमें युद्ध विराम और गाजा पट्टी में इजरायली आक्रमण को समाप्त करने का आह्वान किया गया था। आधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वाफा द्वारा प्रकाशित एक वक्तव्य के अनुसार राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि अमेरिका ने चौथी बार अपने वीटो का इस्तेमाल किया, जिससे इजरायल को अंतरराष्ट्री कानून और वैधता की अवहेलना करते हुए फिलिस्तीनी और लेबनानी लोगों के खिलाफ अपने अपराधों को जारी रखने का प्रोत्साहन मिला। समाचार एजेंसी के मुताबिक वक्तव्य में इस बात पर विशेष रूप से जोर दिया गया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से फिलिस्तीन की मांगें स्पष्ट हैं। इन मांगों में आक्रामकता को रोकना, युद्धविराम लागू करना और रक्षाहीन फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ इजरायल के युद्ध अपराधों पर कार्रवाई करना शामिल है। वक्तव्य में अंतराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आग्रह किया गया कि वह गाजा में हमलों, मानवीय संकट और भूखमरी को समाप्त कर फिलिस्तीनी लोगों की जिम्मेदारी संभाले। फिलिस्तीनी प्राधिकरण के विदेश मामलों और प्रवासियों की राज्य मंत्री फार्सिन शाहीन ने अमेरिकी वीटो को अनुचित और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक चुनौती माना। शाहीन ने कहा कि क्षेत्र और दुनिया में शांति, सुरक्षा और स्थिरता लाना, अंतरराष्ट्रीय वैधता प्रस्तावों को लागू करने, फिलिस्तीनी क्षेत्र पर इजरायल के कब्जे को समाप्त करने और फिलिस्तीनी लोगों के वैध अधिकारों को मान्यता देने पर निर्भर है।

सूडान में 'अर्धसैन्य हमलों और महामारी' से 46 लोगों की मौत

एजेंसी

पोर्ट सूडान । अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के कथित हमलों और बीमारियों के कारण सूडान के एक गांव में करीब 46 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी एक चिकित्सा सूत्र और एक स्वयंसेवी समूह ने दी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार गीजीरा राज्य के वाड आशिब गांव के पास स्थित एक अस्पताल के मेडिकल सोर्स ने बताया कि ÷मंगलवार और बुधवार के दौरान अस्पताल को 21 लोगों के शव मिले है। इन सभी की मौत गांव पर आरएसएफ के हमले के कारण हुई।इस बीच, मध्य सूडान में मानवाधिकार उल्लंघनों पर नजर रखने वाले स्वयंसेवी समूह निदा अल-वसत प्लेटफार्म ने एक बयान में कहा कि गांव को आरएसएफ ने घेर लिया है, जिससे चिकित्सा और खाद्य आपूर्ति बाधित हो गई है, जिसके कारण अब तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं आरएसएफ ने कथित हमलों को लेकर किसी भी तरह की कोई टिप्पणी नहीं की है। कार्यकर्ता और स्वयंसेवी समूह 20 अक्टूबर को सूडान में अपने कमांडर अबू अकला कीकेल द्वारा सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद से गीजीरा पर कई हमलों को अंजाम देने का आरोप आरएसएफ पर लगा रहे हैं। एक स्थानीय गैर-सरकारी समूह गीजीरा सम्मेलन ने अपने नवीनतम रिपोर्ट में कहा कि गीजीरा के अल-हिलालिया शहर में मरने वालों की संख्या बढ़कर 537 हो गई है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ माइग्रेशन द्वारा 14 नवंबर को प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 20 अक्टूबर से 13 नवंबर तक गीजीरा राज्य के विभिन्न स्थानों से लगभग 343,473 व्यक्ति या 68,801 परिवार विस्थापित हुए।

पाकिस्तान में आत्मघाती बम विस्फोट में 12 सैनिकों की मौत, छह आतंकवादी ढेर

एजेंसी

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बन्नू जिले के माली खेल इलाके में एक जांच चौकी को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 सैनिकों की मौत हो गयी और छह आतंकवादी मारे गये।

डॉन अखबार ने सेना की मीडिया मामलों की शाखा के हवाले से यह जानकारी दी। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों, अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सुरक्षा चौकियों को निशाना बनाकर किए जाने वाले हमलों की संख्या में तेजी देखी गयी है। अशांत बन्नू जिले में हाल ही में आतंकवादी हिंसा में वृद्धि देखी गई है, जिसमें पुलिसकर्मियों का अपहरण, छात्राओं के स्कूल पर हमला और गोलीबारी शामिल है जिसमें तीन सुरक्षाकर्मी मारे गये थे।

पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज

पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ÷मंगलवार को खवारिज ने बन्नू जिले के मालीखेल क्षेत्र में एक संयुक्त जांच चौकी पर हमला करने का प्रयास किया। आईएसपीआर ने कहा कि हमले को विफल कर दिया गया, लेकिन एक आत्मघाती विस्फोट के कारण जांच चौकी की दीवार और आसपास का बुनियादी ढांचा ध्वस्त हो गया, जिसके कारण 10 सैनिक और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के दो जवान मारे गये। उन्होंने बताया कि इसके बाद हुई गोलीबारी में छह आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 12 जवानों की शहादत पर दुख व्यक्त किया है। श्री जरदारी और श्री शरीफ ने अपने-अपने बयान में देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सशस्त्र बलों के जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि जवानों ने अपनी जान की परवाह किये बिना छह आतंकवादियों को मार गिराया।श्री जरदारी ने कहा, पूरा देश अपने वतन की हिफाजत के लिए जान देने वाले सैनिकों को सलाम करता है। उन्होंने देश से आतंकवाद को मिटाने के राष्ट्र के संकल्प को दोहराया। इस बीच, श्री शरीफ ने कहा, देश के सैनिकों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। लोगों की जान और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले फितना अल ख़वारिज को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

सीरिया में इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 49 हुयी

एजेंसी

दमिश्क। मध्य सीरिया के पलमायरा शहर और उसके आसपास हुए इजरायली मिसाइल हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है, जबकि 50 से अधिक अन्य घायल हो गए हैं। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

ब्रिटेन स्थित निगरानी समूह ने बताया कि मरने वालों में ईरानी मिलिशिया से जुड़े 24 सीरियाई नागरिक थे, जिनमें सीरियाई सरकारी बलों के अधिकारी भी शामिल थे। इनमें से एक लेबनान के हिजबुल्लाह के प्रति वफादार ब्रिगेडियर जनरल था। इस बीच, 22 गैर-सीरियाई लड़ाके, ज्यादातर इराकी 'हरकत अल-नुजाबा' (अल-नुजाबा आंदोलन) से, और तीन अज्ञात व्यक्ति मारे गए।हमले में 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं लेकिन गंभीर रूप से घायलों की मौजूदगी के कारण हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। इनमें

सात नागरिक शामिल हैं।सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इजरायली दुश्मन ने बुधवार दोपहर करीब 01:30 बजे अल-तनफ क्षेत्र की दिशा से हवाई हमला किया और सीरियाई रेगिस्तान के पलमायरा शहर में कई इमारतों को निशाना बनाया गया। ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, 2024 की शुरुआत से, इजरायल ने सीरियाई क्षेत्र पर 152 हमले किए हैं। इनमें से 126 हवाई हमले और 26 जमीनी हमले शामिल हैं। इस दौरान, हथियार और गोला-बारूद डिपो, मुख्यालय, केंद्र और वाहनों सहित लगभग 273 सार्वजनिक जगहों को निशाना बनाकर हमले किये गये। हमले में 352 सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और 305 अन्य घायल हो गए।

गाजा में इज़रायली हमलों में पन्द्रह फ़िलिस्तीनी मारे गए

एजेंसी

गाजा । दक्षिणी और मध्य गाजा पट्टी में दो इज़रायली हवाई हमलों में कम से कम 15 फ़िलिस्तीनी मारे गए। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इज़रायली विमानों ने दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के लिए बने एक शिविर को निशाना बनाया।

गाजा में नागरिक सुरक्षा ने एक प्रेस बयान में बताया कि उसके कर्मचारियों ने चिकित्सा टीमों के साथ मिलकर बच्चों सहित सात पीड़ितों के शव बरामद किए और कई घायलों को अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया।

मध्य गाजा में अल-नुसेरात शरणार्थी शिविर में अल-अवदा अस्पताल ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि खालिद बिन अल-वालिद स्कूल पर इज़रायली हमले में आठ लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हवाई हमले के कारण स्कूल के लक्षित

क्षेत्र में आग लग गई और व्यापक विनाश हुआ। यह शिविर निकट पूर्व में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी से संबंधित है।इजरायली सेना और संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने स्कूल पर हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उत्तरी गाजा पट्टी में बेत लाहिया में सुबह से ही गोलाबारी हो रही है जिससे काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी बेत लाहिया से घना धुआं उठ रहा था, आवासीय इमारतें जल रही थीं। उन्होंने कहा कि इजरायली वाहन क्षेत्र और शहर के अन्य हिस्सों से हट गए थे।

उल्लेखनीय है कि इजरायल सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का जवाब देने के लिए गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण कर रहा है। हमलों के दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 बंधक बनाए गए। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 43,985 हो गई है।

रूस के खिलाफ यूक्रेन ने इस्तेमाल की 'स्टॉर्म शैडो' मिसाइल

एजेंसी

कीव। यूक्रेन ने रूस के साथ करीब एक हजार दिनों से चल संघर्ष में अमेरिकन मिसाइलों के बाद अब ब्रिटेन की 'स्टॉर्म शैडो' मिसाइल दागी है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती की खबरों के बीच 'स्टॉर्म शैडो' मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। सैन्य मामलों के जानकार इसे एक अहम कदम के रूप में देख रहे है। बताया गया है कि स्टॉर्म शैडो का मलबा यूक्रेन के उत्तर में रूस के कुर्स्क क्षेत्र में पाया गया।इस मामले से परिचित एक अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने पहली बार रूस के अंदर सैन्य ठिकानों पर ब्रिटिश क्रूज मिसाइलें दागी हैं, जिससे एक हजार दिनों से चल रहा संघर्ष एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। बताया जाता है कि रूस द्वारा

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों को तैनात करने के जवाब में ब्रिटेन ने स्टॉर्म शैडो मिसाइलों के इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है, इस कदम को ब्रिटिश सरकार ने 'वृद्धि ' माना है। इस व्यक्ति के अनुसार, जिसने मामले की संवेदनशीलता के कारण नाम न बताने की शर्त पर बात की।इस सप्ताह ब्राजील में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में यह मुद्दा छाया रहा, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूसी लक्ष्यों पर लंबी दूरी की एटीएसीएमएस मिसाइलें दागने की अनुमति दी। लेकिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टारमर ने सार्वजनिक रूप से इस कदम का समर्थन नहीं किया, जबकि उन्हें लंबे समय से एक समर्थक के रूप में देखा जाता रहा है, जिससे यह सवाल उठने लगा कि क्या उनकी सरकार ब्रिटिश निर्मित स्टॉर्म शैडो के इस्तेमाल की अनुमति देगी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने लंबे समय से पश्चिमी सरकारों से सैन्य समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया है, जिसमें रूस में उन लक्ष्यों को भेदने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल की अनुमति देना शामिल है जो रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के युद्ध प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बाइडेन का यूक्रेन के लिए एक और बड़ा कदम, 4.7 बिलियन डॉलर का ऋण किया माफ

एजेंसी

वाशिंगटन । बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन को दिए लगभग 4.7 अरब डॉलर के अमेरिकी कर्ज को माफ करने का फैसला किया है। यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल की अनुमति देने के बाद कीव के लिए अमेरिका राष्ट्रपति का यह एक और बड़ा कदम है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अधिकारियों को 20 जनवरी को पद छोड़ने से पहले यूक्रेन को यथासंभव सहायता पहुंचाने का आदेश दिया है। यह आदेश इस चिंता के बीच दिया गया कि डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद अमेरिकी समर्थन को सीमित कर सकते हैं। अप्रैल में अमेरिकी कांग्रेस की ओर से पारित एक फंडिंग बिल में यूक्रेनी सरकार को आर्थिक और बजटीय सहायता के लिए 9.4 बिलियन डॉलर से अधिक के माफ करने योग्य ऋण शामिल थे। इनमें से आधे को

राष्ट्रपति 15 नवंबर के बाद रद्द कर सकते थे।बिल ने फरवरी 2022 में रूस के खिलाफ लड़ाई यूक्रेन की मदद के लिए कुल 61 बिलियन डॉलर को विनियोजित किया।विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, हमने उन ऋणों को रद्द करने के लिए कानून में उल्लिखित कदम उठाया है, हालांकि, कांग्रेस अभी भी इस कदम को रोक सकती है। इससे पहले राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की हरी झंडी दी।

कैरेबियन की गार्डन सिटी जॉर्जटाउन से प्रधानमंत्री मोदी की आवाज से सजी वीडियो क्लिप...'गुयाना यात्रा माइलस्टोन'

जॉर्जटाउन (गुयाना)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अब से कुछ देर पहले अपनी गुयाना यात्रा के कार्यक्रमों की कुछ खास झलकियां अपनी आवाज में एक वीडियो क्लिप में साझा की हैं। एक्स हैंडल पर प्रस्तुत इस वीडियो क्लिप में प्रधानमंत्री ने अपने मन के उद्गार व्यक्त करते हुए लिखा, 'यहां गुयाना में कार्यक्रमों के मुख्य अंश दिए गए

स्पेसएक्स ने स्टारशिप की छठी परीक्षण उड़ान लॉच की

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। स्पेसएक्स ने अपने विशाल स्टारशिप रॉकेट की छठी परीक्षण उड़ान लॉंच की है। स्टारशिप ने अमेरिका के राज्य टेक्सास में ब्राउन्सविले के पास कंपनी की स्टारबेस सुविधा से मंगलवार को 04:01 बजे केंद्रीय समय पर उड़ान भरी।स्टारशिप के रैप्टर इंजन हॉट-स्टेजिंग सेपरेशन के दौरान प्रज्वलित हुए। लिफ्टऑफ के कई मिनट बाद सुपर हैवी बूस्टर ने अपनी लैंडिंग बर्न शुरू की और मैक्सिको की खाड़ी में धीरे-धीरे नीचे गिरा।स्टारशिप रॉकेट ने पहली बार अंतरिक्ष में रहते हुए अपने रैप्टर इंजनों में से एक को सफलतापूर्वक प्रज्वलित किया। लॉन्च के लगभग एक घंटे और पांच मिनट बाद रॉकेट हिंद महासागर में उतरा। स्पेसएक्स के अनुसार नए परीक्षण के उद्देश्यों में सुपर हैवी बूस्टर को एक बार फिर से पकड़ने के लिए लॉन्च स्थल पर वापस लौटना, अंतरिक्ष में रहते हुए जहाज के रैप्टर इंजन को फिर से चालू करना और हीट शील्ड प्रयोगों के एक सेट का परीक्षण करना और जहाज के पुनः प्रवेश और हिंद

महासागर के ऊपर उतरने के लिए पैंतरेबाज़ी में बदलाव करना शामिल है। स्पेसएक्स ने हालांकि योजना के अनुसार बूस्टर को लॉन्च साइट पर वापस नहीं लाया। इसके बजाय स्पेसएक्स ने जहाज के सुपर हैवी बूस्टर को मैक्सिको की खाड़ी में उतारने का विकल्प चुना। इसका कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है। स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट एक पूरी तरह से पुनः प्रयोज्य परिवहन प्रणाली का प्रतिनिधित्व करता है जिसे चालक दल और कार्गो दोनों को पृथ्वी की कक्षा, चंद्रमा, मंगल और उससे आगे ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।स्पेसएक्स ने 13 अक्टूबर को अपने विशाल स्टारशिप रॉकेट की पांचवीं परीक्षण उड़ान पूरी की जिससे पहली बार लॉन्च पैड पर अपने बूस्टर को वापस लाया जा सका। विशाल धातु के पिंसर्स की एक जोड़ी जिसे स्पेसएक्स 'चॉपस्टिक्स' कहता है ने सुपर हैवी बूस्टर को हवा में सफलतापूर्वक पकड़ लिया।स्पेसएक्स का लक्ष्य विभिन्न परीक्षण उड़ानों के माध्यम से भविष्य के मिशनों के लिए सुपर हैवी बूस्टर और स्टारशिप अंतरिक्ष यान को पुनः प्राप्त करना और तेजी से पुनः उड़ाना है। कार्गो या मानवयुक्त जहाजों को अंतरिक्ष में ले जाने के समय और लागत को काफी कम करने के लिए रॉकेट के पुर्जों का शीघ्रता से पुनः उपयोग करना आवश्यक माना जाता है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

प्रदूषण के मद्देनजर दिल्ली सरकार का बड़ा कदम, 50 फीसदी कर्मचारी घर से करेंगे काम

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इसकी जानकारी साझा करते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पत्रकारों को बताया कि प्रदूषण कम करने के लिए ग्रैप-4 के प्रावधानों के तहत सरकार ने कई कदम उठाये हैं। उसी क्रम में दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि अब 50 फीसदी कर्मचारी फिलहाल घर से काम करेंगे।

गोपाल राय ने बताया कि अब दिल्ली सरकार के कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारी क्षमता से खुलेंगे जबकि 50 प्रतिशत कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेगें। आवश्यक सेवाओं वाले 18 विभागों में वर्क फ्रॉम होम लागू नहीं होगा। इसके इम्प्लीमेंटेशन के लिए पर्यावरण विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग और औद्योगिक संघ फिक्की , एसोचैम और सीआईआई के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली सचिवालय में हुई। उन्होंने बताया कि प्राइवेट संस्थानों के लिए भी 50 प्रतिशत वर्क फ्रॉम होम करने के लिए निर्देश जारी किया जा रहा है। प्राइवेट संस्थान अपना कार्यालय खोलने का समय 10.30 बजे या 11 बजे रखेंगे। साथ ही अधिक स्टॉफ संख्या वाली प्राइवेट कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए शटल बस सेवा शुरू करें तो अच्छा रहेगा। इसके लिए भी एडवाइजरी जारी की जा रही है। दिल्ली नगर निगम के कार्यालय सुबह 8ः30 बजे से शाम 5 बजे तक और दिल्ली सरकार के दफ्तर सुबह 10 बजे से शाम 6ः30 बजे तक खुलेंगे जबकि केंद्र सरकार के कार्यालय अपने पूर्ववत समय के अनुसार ही खुलेंगे। पर्यवरण मंत्री ने कहा कि पूरे उत्तर भारत में बदलते मौसम में प्रदूषण का प्रभाव मारक होता जा रहा है। पूरा उत्तर भारत गंभीर प्रदूषण की चपेट में है। दिल्ली सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए कई अभियान चला रही है, जैसे एंटी डस्ट अभियान, बायो डीकम्पोज़र का छिड़काव, पौधरोपण अभियान और जागरूकता अभियान आदि। पूरे दिल्ली में सड़कों पर 200 मोबाइल एंटी स्मॉग गन से पानी के छिड़काव का अभियान शुरू किया गया है।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से महिला की मौतच

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के सफदरजंग एनक्लेव नौरोजी नगर बस स्टॉप के पास बुधवार शाम एक ट्रक ने महिला को कुचल दिया। घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसके पति को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने मृतका हरदेवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पीड़ित स्कूटी चालक श्यामा चरण ने बताया कि वह श्रीनिवासपुरी इलाके में परिवार के साथ रहते हैं। बुधवार शाम वह अपनी पत्नी हरदेवी के साथ स्कूटी से मुद्रिका मार्ग से होकर नांगलोई की ओर निकले थे। वह नौरोजी नगर बस स्टॉप के पास पहुंचे ही थे कि उसी समय पीछे से आए एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद पीड़ित अपनी पत्नी के साथ स्कूटी समेत सड़क पर ही गिर गए। वह उठ पाते, उससे पहले ही पीछे से आ रहे तेज रफ्तार एमसीडी के ट्रक ने उनकी पत्नी को कुचल दिया। पुलिस का कहना है कि उक्त मामले में केस दर्ज कर ट्रक ड्राइवर जान मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

आनंद विहार में नाबालिग की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। आनंद विहार इलाके में मामूली कहासुनी के दौरान एक नाबालिग लड़के की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस हत्या का केस दर्ज कर आरोपित की तलाश कर रही है। मृतक लड़के की उम्र 15 साल है। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि मंगलवार दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि आनंद विहार नाले के पास एक लड़के के साथ मारपीट की गई है। पुलिस को मौके पर पता चला कि बच्चे को परिवार वाले नजदीकी अस्पताल लेकर गए हैं। पुलिस अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार जांच में पता चला कि मंगलवार दोपहर को मरने वाला बच्चा अपने चाचा के लड़के के साथ आनंद विहार जा रहा था। रास्ते में एक लड़के से उनकी कहासुनी हो गई। मृतक के भाई ने बताया कि आरोपित लड़के ने उनके भाई के ऊपर पीछे से डंडे से कई वार किये और मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि उक्त मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर हमलावर की पहचान करने में जुटी हुई है।

रानी गार्डन में आग लगने से एक दर्जन झुग्गियां राख

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली की गीता कॉलोनी के रानी गार्डन इलाके की झुग्गी बस्ती में बीती देर रात अचानक आग लग गई। आग ने झुग्गी के साथ ही एक कबाड़ गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची आठ दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार बीती आधी रात 12.06 बजे फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल अधिकारी यशवन्त सिंह मीना टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए 7-8 गाड़ियां मौके पर भेजी गई। झुग्गियों के साथ ही कबाड़ गोदाम तक आग पहुंच गई। इस घटना में 10 से 12 झुग्गियां जल कर राख हो गई।

सुंदर नगरी में युवक की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार से मिलीं सीएम आतिशी, 10 लाख की मदद का किया ऐलान

नई दिल्ली। सुंदर नगरी में पिछले दिनों दिनदहाड़े 28 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मृतक के परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार की ओर से मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये की सहायता राशि देने का ऐलान किया। परिवार से मिलने के बाद आतिशी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि भाजपा शासित केंद्र सरकार के पास दिल्ली में सिर्फ एक काम है - दिल्ली के लॉ एंड ऑर्डर को संभालना। वो इसमें पूरी तरह से फेल है। शहर में सरेआम गोलियां चलना, उगाही और हत्या रोजमर्रा की बात हो गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चुनावी रैलियों में व्यस्त हैं। अमित शाह को राजनीति करने की बजाय दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को सम्भालने की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। दिल्ली क्राइम कैपिटल बन चुकी है। उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर को नंदनगरी के सुंदर नगरी इलाके में अल्पसंख्यक समुदाय के दो लड़कों ने एक लड़की से छेड़छाड़ की थी। उस वक्त वहां पर मौजूद मनीष उर्फ राहुल (28) नामक युवक ने इसका विरोध किया तो छेड़छाड़ कर रहे युवकों ने उस पर गुप्ती से ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया था।

शराब घोटाले की रिश्वत से सजाया गया शीश महलः विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के तत्कालीन आधिकारिक आवास 6, फ्लैग स्टाफ रोड में लगवाए गए आरामदायक संसाधनों की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग करते हुए उपराज्यपाल को पत्र लिखा है । पत्र में कहा गया है कि केजरीवाल को 2022 में दोबारा मुख्यमंत्री बनने पर लोक निर्माण विभाग ने जो फर्नीचर आदि संसाधन उपलब्ध करवाये और 2024 में उनके पद से हटने के बाद केजरीवाल ने जो सामान छोड़ा, दोनों में भारी असमानता है।विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पीडब्ल्यूडी द्वारा 2022 में जो सामान बंगले में उपलब्ध करवाया था और 2024 में केजरीवाल द्वारा बंगला खाली किये जाने के बाद पीडब्ल्यूडी ने जब इन्वेंटरी की लिस्ट बनाई तो पाया कि वहां उपलब्ध सामान उनके द्वारा उपलब्ध करवाये गए सामान से बहुत ज्यादा था। लग्जरी और महंगी टायलेट सीट्स से लेकर महंगे वाश बेसिन तक, रेकलाइनिंग सोफों से लेकर महंगे पर्दों तक, महंगे गलीचों से लेकर बेशकीमती टीवी सेट्स और रेफ्रिजरेटर तक जैसी आइटम्स एक्स्ट्रा थीं, जिन्हें पीडब्ल्यूडी ने उपलब्ध नहीं करवाया था। गुप्ता ने कहा कि ऐसे में सवाल उठता है कि यदि पीडब्ल्यूडी ने यह सामान नहीं दिया तो फिर वो कौन-कौन लोग थे, जिन्होंने भ्रष्टाचार की नींव पर खड़े किये गए केजरीवाल के इस शीश महल को इन भव्य आइटम्स से नवाजा। जाहिर है केजरीवाल द्वारा शराब घोटाले में दिये गये फायदे के बदले शराब माफिया ने केजरीवाल को भव्य विलासिता के तमाम संसाधन उपलब्ध करवा कर उनकी शान में अपने पलक पांवड़े बिछा दिए।

एग्जिट पोलः महाराष्ट्र और झारखंड में भाजपा के नेतृत्व में सरकारें बनने का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव से जुड़ी मतदान प्रक्रिया आज पूरी हो गई। इसके बाद विभिन्न सर्वे एजेंसियों के एग्जिट पोल सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की महाराष्ट्र और भाजपा के ही नेतृत्व वाले एनडीए की झारखंड में जीत के दावे कर रहे हैं। एग्जिट पोल के महाराष्ट्र से जुड़े सर्वे बता रहे हैं कि 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 150 के करीब सीटें मिल सकती हैं। झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को बहुमत से जुड़ा 41 का आंकड़ा प्राप्त करने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। न्यूज़ 18-मैट्रिक्स के अनुसार महाराष्ट्र में महायुति को 150 से 170, कांग्रेस के नेतृत्व वाले महाविकास आघाड़ी को 110 से 130 और अन्य को 8 से 10 सीटें मिल सकती हैं। न्यूज़-24-चाणक्य के सर्वे के अनुसार महायुति

को 150 से 160, आघाड़ी को 130 से 138 और अन्य को 6 से 8 सीटें मिल सकती हैं। पीपुल्स-पल्स के मुताबिक महायुति 175 से 195, आघाड़ी 85 से 112 और अन्य 7 से 12 सीटें ले सकते हैं। इलेक्टोरल-एज के सर्वे में महायुति को 118 और आघाड़ी को 150 तथा अन्य को 20 सीटें दी गई हैं। पी-मार्क ने महायुति को 137-157, आघाड़ी को 126-146, अन्य को दो से आठ वहीं पोल डायरी के मुताबिक क्रमशः 122 से 186, 59 से 121 और 12 से 29 सीटें मिल सकती हैं। झारखंड में न्यूज़ 18-मैट्रिज के मुताबिक एनडीए को 42-47, इंडी एलायंस को 25 से 30 और अन्य को 1 से 4 सीटें मिल सकती हैं। पीपल-पल्स के मुताबिक एनडीए को 44 से 53, इंडी एलायंस को 25 से 37 और अन्य को 5 से 9 सीटें मिल सकती हैं। जेवीसी के सर्वे के मुताबिक एनडीए को 40 से 44, इंडी एलायंस को 30 से 40 और अन्य को एक सीट मिल सकती है।

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में भारत 10वें स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा से जुड़ी तैयारियों और प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन के मामले में भारत शीर्ष 63 देशों की रैंकिंग में 10वें स्थान पर रहा है। हालांकि है पिछले वर्ष के मुकाबले उसकी रैंकिंग में दो स्थानों की गिरावट हुई है। इस रैंकिंग में शीर्ष तीन स्थान रिक्त हैं। जर्मन वॉच नामक थिंक टैंक की ओर से प्रकाशित जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 'द क्लाइमेट चेंज परफॉर्मेंस इंडिक्ट' (सीसीपीआई)-2025 ने इन देशों के प्रदर्शन को रिकॉर्ड किया है। भारत प्रगति आधारित इस रैंकिंग में दसवें स्थान पर है। इस रिपोर्ट में शीर्ष तीन स्थान रिक्त हैं। रिपोर्ट का कहना है कि कोई भी देश हर इंडेक्स में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाया है। रिपोर्ट का कहना है कि भारत जलवायु कर्रवाई के मामले में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता रहा है। साथ ही भारत की जलवायु नीति में आने

वाले समय में खास बदलाव नहीं होने वाला है। भारत लगातार अक्षय ऊर्जा के दिशा में प्रयास जारी रखेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अप्रैल से जून तक आम चुनाव हुए, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुने गए। इसका मतलब है कि भारत की जलवायु नीति में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। भारत का जलवायु संरक्षण की वर्तमान नीति के साथ अपने विकास-उन्मुख दृष्टिकोण को जारी रखेगा।

चाकू घोंपकर युवक की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। छावला इलाके में दोपहर कहासुनी के दौरान आरोपित ने एक युवक के चाकू से तबाड़तोड़ वार किया। आरोपित ने वारदात को अपने ही घर में अंजाम दिया। शोर शराबा होने पर आसपास के लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। खबर मिलने ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

कमरे के अंदर जाने पर पुलिस को एक युवक खून से लथपथ हालत में मिला। पुलिस ने युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। छावला थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपित शिव राम (35) को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपित नशे में धुत है। वहीं अभी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। मरने वाले की उम्र करीब 30 साल है।

चीनी रक्षा मंत्री से राजनाथ ने कहा, संघर्ष के बजाय सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष से वार्ता में भारत-चीन के बीच सीमा पर सैनिकों की अग्रिम तैनाती को खत्म किए जाने के बाद अब आपसी तनाव को भी कम करने पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों पक्षों के बीच जरूरी विश्वास और समझ बनेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस के मौके पर वियनतियाने, लाओस में चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्ष आपसी विश्वास और समझ के पुनर्निर्माण के लिए एक रोडमैप की दिशा में मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार राजनाथ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दुनिया के दो सबसे बड़े देशों भारत और चीन के बीच सौहार्द्रपूर्ण संबंधों से वैश्विक शांति और समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह मानते हुए कि दोनों देश पड़ोसी हैं और रहेंगे, उन्होंने उल्लेख किया कि

हमें संघर्ष के बजाय सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। राजनाथ सिंह ने 2020 की दुर्भाग्यपूर्ण सीमा झड़पों से सीखे गए सबक पर विचार करने, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उपाय करने और भारत-चीन सीमा पर शांति की रक्षा करने का आह्वान किया। इससे पहले दिन में रक्षा मंत्री तीन दिवसीय यात्रा पर वियनतियाने पहुंचे। वह 21 नवंबर को 11वें एडीएमएम-प्लस में भाग लेंगे और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर मंच को संबोधित करेंगे।

55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का रंगारंग शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। संगीत की तरह सिनेमा में भी सीमाओं को पार करने और भावनाओं की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से आत्माओं को जोड़ने की अद्वितीय क्षमता है। इस परिवर्तनकारी कला के उत्सव में गोवा की जीवंत संस्कृति के बीच आयोजित 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) की शुरुआत माइकल ग्रेसी द्वारा निर्देशित 'बेटर मैन' से हुई। यह फिल्म ब्रिटिश पॉप लीजेंड रॉबी विलियम्स के लचीलेपन, प्रसिद्धि और असाधारण जीवन को एक सिनेमाई श्रद्धांजलि है। फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले फिल्म के कलाकार और क्रू ने आईएफएफआई रेड कार्पेट पर वॉक किया। आईएफएफआई में भव्य उद्घाटनः फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले, कलाकारों और क्रू ने रेड कार्पेट वॉक किया और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की संयुक्त सचिव वृंदा मनोहर देसाई, आईएफएफआई के महोत्सव निदेशक शेखर कपूर और एंटरटेनमेंट सोसाइटी ऑफ गोवा (ईएसजी) की उपाध्यक्ष डेलिला एम. लोबो ने फिल्म के निर्माता पॉल करी और अभिनेत्री रेचेल बन्नो को सम्मानित किया। स्क्रीनिंग से पहले अपने संबोधन में पॉल करी ने कहा, यह फिल्म इस बारे में नहीं है कि दुनिया रॉबी को कैसे देखती है, बल्कि इस बारे में है कि रॉबी खुद को कैसे देखता है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित मंच पर फिल्म को प्रस्तुत करने के लिए अपना उत्साह भी व्यक्त किया। रेचेल बन्नो ने साझा किया, आईएफएफआई मेरे लिए बहुत महत्व रखता है, और मैं इस फिल्म को आप सभी के सामने प्रस्तुत करने के लिए रोमांचित हूं। फिल्म के निर्देशक माइकल ग्रेसी ने वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़ते हुए कहा कि बॉलीवुड सिनेमा का मेरे काम पर गहरा प्रभाव पड़ा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव संजय जाजू ने आईएफएफआई में फिल्म बाजार का उद्घाटन करते हुए रिकॉर्डतोड़ पंजीकरण (1500 से अधिक) और 10 से अधिक देश-विशिष्ट मंडपों की उपस्थिति पर प्रकाश डाला।

एआईआईए में नए शैक्षणिक सत्र के लिए 15 दिन तक चलने वाले ओरिएंटेशन प्रोग्राम की शुरुआत

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में नए शैक्षणिक सत्र के लिए सोमवार को परास्नातक छात्रों का पारंपरिक तरीके से स्वागत समारोह कार्यक्रम %संस्कार 2024% का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान सभी नवागंतुक 85 छात्रों ने शपथ ली। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ तनुजा मनोज नेसारी ने सभी नये छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए छात्रों से भविष्य में इतिहास रचने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की दो प्रमुख बातें हैं, जिसमें सर्वोत्तम शिक्षा और परिवर्तनकारी यात्राओं को महत्व देना शामिल है। उन्होंने कहा कि छात्रों को ईश्वर ने इस महान काम के लिए चुना है और हमारी दृष्टि समाज की भलाई के लिए काम करने की होनी चाहिए। इस दौरान कार्यक्रम के दौरान संस्थान की निदेशक (इंचार्ज) प्रोफेसर डॉ सुजाता कदम ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सोना बनने के लिए उसे कई परीक्षणों से गुजरना पड़ता है। उसी तरह ये तीन साल आपके लिए परिवर्तनकारी होंगे और आपकी यात्रा को असाधारण बनाएंगे। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) की पूर्व निदेशक प्रोफेसर डॉ तनुजा मनोज नेसारी री मुख्य अतिथि थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान की निदेशक (इंचार्ज) प्रोफेसर डॉ सुजाता कदम ने की और उनके साथ डीन, पीएचडी प्रोफेसर डॉ. महेश व्यास और डीन पीजी प्रोफेसर डॉ योगेश बडवे, सलाहकार शैक्षणिक गतिविधि आनंद मोरे एवं अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे। बतादें कि इस 9वें बैच के शैक्षणिक सत्र के लिए देशभर से 85 छात्रों का चयन किया गया। संस्थान में प्रवेश के लिए छात्रों को अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (एआईएपीजीईटी) पास करनी होती है, जिसे नेशनल काउंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन आयोजित करती है। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) की स्थापना वर्ष 2017 में की गई। अभी तक संस्थान 27 लाख से ज्यादा मरीजों का इलाज कर चुका है और रोजाना करीब 2000 से अधिक मरीज इलाज के लिए संस्थान में आते हैं।

NAME CHANGE
I, MAHEK D/O ASHISH KUMAR residing at C-32, RMA GALI, NANAK CHAND BASTI, KOTLA MUBARAKPUR, DELHI-110003 have changed my name to MAHEK KOLI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SAURABH SINGH S/O PARAMJEET SINGH R/O F-149, VISHNU GARDEN, NEW DELHI - 110018, have changed my name from SAURABH TO SAURABH SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Manish Sachdeva S/o Vishesinar Kumar Sachdev R/o A2-1002, Uniworld City, Sector -30, Gurgaon (Haryana), have changed my name to Manish Sachdev for all Purposes.

NAME CHANGE
I, Anangpal Singh / Anakpal / Agenpal / Anangpal S/o Om Pal Singh R/o VPO Palra,Gurgaon,Haryana-122001,Have Changed My Name To Anang Pal Singh For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, LIEUTENANT COLONEL GIRISH TANDON CM S/o SHRI (LATE) CM TANDON R/o 4/38, ARJUN VIHAR, DELHI CANTONMENT-110010, have changed my name from TANDON GIRISH CM to GIRISH TANDON for all future purposes vide Affidavit dated 21/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-471469N Rank-SUB/HONY LT Name-GOPAL JEE SINGH father of AYUSH KUMAR R/O VILL-ITALLY, PO-RATANPURA, TEH-MAU, DIST-MAU, UTTAR PRADESH-221706, have changed my minor son's name from AYUSH KUMAR to AYUSH KUMAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 21/11/2024 Before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, Rank-HAV Name- ANIL KUMAR K S R/O # 11558, 2ND PHASE, NEAR SANKALPA APARTMENT, VIJAYNAGAR, 4TH STAGE MYSORE, KARNATAKA-570032 in my service record my mother's (MANJULA) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1968 instead of her correct date of birth as 01/01/1972, vide Affidavit dated 21/11/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUKHDEV S/o CHARU MANDAL R/o N-203, Jhuggi No. 99/100, 20 Futa Road, Batla House, Jamia Nagar, PO: New Friends Colony, Dist.: South Delhi, Delhi-110025 declare that name of my father has been wrongly written as ASHOK in my CBSE 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father is CHARU MANDAL which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
My clients Mukesh and his wife Namely Poonam both R/o House NO 19, Golf links, Lodi Road H.O South Delhi New Delhi-110003. Have severed all relations and disowned their son Sohit and his wife Kajal from their all movable-immovable property due to disobedience. My clients shall not be responsible for his any civil and criminal liabilities.
ANJALI KUMARI ADVOCATE
CHEMBER NO. 601, SAKET COURT, NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I, SADIA RIAZ W/O SAMIUDDIN residing at HOUSE NO-63, MASJID LANE, JOHRI FARM, JAMIA NAGAR OKHLA, SOUTH EAST DELHI-110025 have changed my name to SADIA KHURRAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RAKHI wife of NO-14663356W Rank-HAV Name-NANDSEN MESHRAM R/o LIG-362, JUNWANI, BHILAI, MOTI LAL NEHRU NAGAR, DURG, CHHATTISGARH-490020, have changed my name from RAKHI to RAKHI MESHRAM for all future purposes vide Affidavit Dated 21/11/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, Rank-HAV Name- ANIL KUMAR K S R/O # 11558, 2ND PHASE, NEAR SANKALPA APARTMENT, VIJAYNAGAR, 4TH STAGE MYSORE, KARNATAKA-570032 have changed my father's name from SIDDALINGA K T to SIDDALINGA for all future purposes and in my service record my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1956 instead of his correct date of birth as 01/01/1960, vide Affidavit dated 21/11/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANTOSH MANDAL S/o CHULAHAI MANDAL R/o A-71, Gali No-7, Near Jain Dharam Sala, Kaithwara, Garhi Mendu, North East Delhi-110053 declare that name of mine and my minor son have been wrongly written as SANTOSH KUMAR and ASHISH in my minor son namely ASHISH MANDAL aged 17 year in his 10th class educational documents. The actual name of mine and my minor son are SANTOSH MANDAL and ASHISH MANDAL respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as JHAMAI KASHYAP S/O RAM DAYAL KASHYAP R/O 280, Gali No.- 2, Sewa Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as GAJADHAR.

NAME CHANGE
I, MAHARASIMAHARAJA wife of NO-15808744N, Rank-SEP, Name-MAHARAJA C residing at 63/3 PILLYAR KOVIL STREET PANNIRKULAM, KAYATHAR TAMILNADU-628952 have changed my name from MAHARASIMAHARAJA to MAHARASI P for all future purposes vide Affidavit Dated 21/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Neha Sharma W/O: Anup Sharma, R/O S-104, School Block, Shakarpur, East Delhi,Delhi-110092, have changed the name of my minor daughter Khushboo aged 7 years and she shall hereafter be known as MALVI SHARMA.

NAME CHANGE
I, JC-343745A Rank-NB/SUB Name-AJIT SINGH father of SNEHA KUMARI NIRVAN R/O VILL-BAS BIJOLI, PO-SURAJGARH, DIST-JHUNJHUNUN, RAJASTHAN-333029, have changed my minor daughter's name from SNEHA KUMARI NIRVAN to SNEHA KANWAR for all future purposes vide Affidavit dated 21/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NOTICE
Public at large is hereby informed that our client Mrs. Krishna Devi is the owner of Plot no. B-26 (FIRST FLOOR) Plot NO.26, area measuring 126 sq. yds., khasra No.28/24/2, khewat No.14, Khatoni No.18, Situated in the area of village Khyala colony known as Sham Nagar (VISHNU GARDEN) DELHI - 110018 vide Relinquishment Deed dated 13/09/2000 executed by (1) Mr. Sanjay Sachdeva (2) Mr. Sanjeev Sachgdeva (3) Mr. Sidhir Sachdeva and (4) Km. Prabha Sachdeva in her favour (Doc No. 9203, Vol No. 9080, Page No.61-63, SR-). Initially, Sale Deed dated 31/08/1955 executed by (1) Mr. Lal Chand and (2) Mohinder Partap in favour of (1) Mr. Nihal Chand and (2) Mr. Sunder Lal in respect of said Property (Doc No. 540), Thereafter, Sale Deed dated 29/11/1969 executed by (1) Mr. Nihal Chand and (2) Mr. Sunder Lal in favour of Mr. Jaswant Rai in respect of Plot NO.26, area measuring 126 sq. yds. (Doc NO.5360),Thereafter, Sale Deed dated executed by Mr. Jaswant Rai in favour of Mr. Parkash S/o Mr. Ram Narain in respect of Plot NO.26, area measuring 126 sq. yds. (Doc No.1569, Vol NO.2501, Page nO.195-196, SR-Delhi),Unfortunately Mr. Parkash died on 20/05/2000 leaving behind legal heirs (1) Mr. Sanjay Sachdeva (2) Mr. Sanjeev Sachgdeva (3) Mr. Sidhir Sachdeva and (4) Km. Prabha Sachdeva and (5) Mrs. Krishna Devi, Finally, Relinquishment Deed dated 13/09/2000 executed in favour of our abovementioned client who intends to mortgage the said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI **PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE**
DATE: 21/11/2024 Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE
I, SHARAWAN DIXIT S/O BHOPAL DIXIT residing at B-10, EAST BALDEV PARK, DELHI-110051 have changed my name to SHARVAN DIXIT for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
मै, किरन पाण्डेय पत्नी श्री विनोद कुमार बेल्वाल निवासी मकान नंबर -1893/26, गली नंबर-54-I, मोलर बंद एक्सटेंशन, बदरपुर मोलर बंद , दक्षिण दिल्ली, दिल्ली -110044, मैंने सभी उद्देश्य के लिए अपना नाम बदल कर किरन बेल्वाल से किरन पाण्डेय रख लिया है, भविष्य में मुझे नये नाम किरन पाण्डेय नाम से जाना जाये।

PUBLIC NOTICE
General Public to inform that My Client, Mr. Sagar son of Lt Mr. Mahaveer, R/o Village Kheda, Pargana Dasna, Tehsil Dholana, District Hapur, U.P. is the absolute owner of House / Plot of land area measuring 60 Sq.Yds. i.e. 50.16 Sq.Mtrs., Part of Khasra No.750KA, Situated at Village Khera Gaon Dasna, Tehsil Dhaulana, Distt. Hapur, U.P via Gift Deed dt. 24.10.2024 executed by his mother Mrs. Nirmala which is duly regd. As Doc. No. 16912, Book No. 1, Vol. No. 6832 on Pages 01-14 on Dt. 24.10.2024 regd. in SRO-Dholana and Now he is mortgaging the said property with Vastu Housing Finance Corporation Limited. If Any person/bank/financial institution having any claim/right, lien any objection whatsoever in regard to above property, should notify to the undersigned/Adv. Aditya Verma, E-16, 1st & 2nd Floor, Mansarovar Park, Shahdara, Delhi-110053. along with documentary evidence under address through registered A/D within 7 days from the date of publication of this notice, failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.
ADITYA VERMA, ADV.
E-16, 1st & 2nd Floor, Mansarovar Park, Shahdara, Delhi-110053.
MOBILE NO. 9999042521.

गन्नौर के विकास कार्यों का रोड मैप तैयार :विधायक देवेंद्र कादियान

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान ने चुनाव जीतने के बाद जनता का आभार जताने के लिए धन्यवाद यात्रा शुरू की। इसकी शुरुआत पांची गुजरान गांव से हुई और इसके बाद गढ़ी कलां, भाखरपुर, चिरस्मी, व लल्हेड़ी गांवों में पहुंचे। हर जगह विधायक का फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर एसडीएम डॉ. निर्मल नागर, नायब तहसीलदार गजे सिंह, बीडीपीओ पूनम चंदा समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि क्षेत्र गन्नौर के विकास कार्यो का रौड मैप तैयार हो गया है। 36 बिरादरी ने उन्हें भारी रिकार्ड मतों के विजयी बनाकर चंडीगढ़ भेजा है। उन्होंने वादा किया कि जनता की सेवा के लिए दिन-रात एक करेंगे। उन्होंने कहा कि अधूरे कार्योंको पूरा करने और नए विकास कार्य शुरू करने के लिए वह प्रतिबद्ध हैं। ग्रामीणों ने विधायक के सामने अपनी समस्याएं और विकास से जुड़ी मांगें रखीं। कादियान ने अधिकारियों को समस्याएं नोट करने और शीघ्र समाधान का निर्देश दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गांव और शहर दोनों में समान रूप से विकास होगा। विधायक ने कहा कि विधान सभा सत्र में प्रमुख विकास योजनाएं रखी गई है इसमें शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए बाईपास और अनाज मंडी को बाहर शिफ्ट करने की योजना। पीने के पानी की समस्या हल करने के लिए नया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जा रहा है।

जाम की समस्या का प्रशासन और व्यापारियों मिलकर करेंगे समाधान

सोनीपत। गन्नौर बाजार में लंबे समय से जाम की समस्या से जूझ रहे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। नगर पालिका गन्नौर अध्यक्ष अरुण त्यागी, थाना प्रभारी जसपाल सिंह और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जाम की समस्या और उसके समाधान पर गहन विचार-विमर्श किया गया। रेलवेस्टेशन से देवीलाल चौक तक पहुंचने में लोगों को काफी समय लग रहा है। सड़कों पर अनधिकृतगाड़ियों की पार्किंग और दुकानों का सामान नाले की सीमा से बाहर रखने की वजह से बाजार में आवाजाही बाधित हो रही है। नगर पालिका और पुलिस प्रशासन ने मिलकर इस समस्या को सुलझाने के लिए कई कदम उठाए हैं। सामानव्यवस्थित करने की अपील की गई कि व्यापारी अपनी दुकानों का सामान नाले की सीमा तक ही रखें। अनधिकृत पार्किंग को लेकर सड़कों पर खड़ी अनधिकृत गाड़ियों पर चालान किया जाएगा। रेहड़ी वालों को सड़क किनारे उचित स्थान पर व्यवस्थित किया जाएगा। व्यापार मंडल के प्रधानशेखरचंद जैन ने प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि निर्देशों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बहादुरगढ़ देश का सर्वाधिक प्रदूषित शहर रहा

झज्जर। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट) (सीएक्यूएम) की ओर से ग्रैप का चौथा चरण लागू किए तीन दिन हो गए हैं, लेकिन फिर से बहादुरगढ़ देश का सर्वाधिक प्रदूषित शहर बना। सुबह 7 बजे बहादुरगढ़ का एक्यूआई रेड जोन में तो शाम को गहरे लाल रंग में दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह 393 और शाम 4 बजे 423 दर्ज किया गया। हालांकि सूर्य देव भी दिनभर आसमान में चमके और हवा भी चली, लेकिन प्रदूषण कम नहीं हुआ। वहीं प्रदूषण के सीजन में एयर प्यूरीफायर, मास्क के साथ नेबुलाइजर में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की बिक्री बढ़ गई है। दस दिनों के भीतर तीसरी बार बहादुरगढ़ क्षेत्र देश भर में प्रदूषण के मामले में नंबर एक पहुंचा। जबकि दिल्ली तीसरे नंबर पर रही। यहां की हवा देश भर में सबसे ज्यादा जहरीली है। लोगों के लिए खुले में सांस लेना आफत बनता जा रहा है। प्रदूषण के चलते लोगों को आंखों में जलन, थकावट, सांस लेने में परेशानियां कहीं ज्यादा हो रही हैं। हवा की गति सुबह के समय 8 से 10 किलोमीटर की रही।

मंडल आयुक्त ने समाधान शिविर का किया औचक निरीक्षण

रोहतक। मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने समाधान शिविर का दौरा किया तथा समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों के निपटारे की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविरों में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का यथासंभव त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित किए गए समाधान शिविर का औचक निरीक्षण किया तथा मौके पर शिकायतकर्ताओं की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के निपटारे बारे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता के लिए हरियाणा सरकार की नई पहल के तहत निरंतर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। इन समाधान शिविरों में प्राप्त होने वाली हर शिकायत का यथाशीघ्र निदान किया जा रहा है। उन्होंने मौके पर विधवा पेंशन तथा परिवार पहचान पत्र में त्रुटि से संबंधित शिकायत लेकर पहुंचे शिकायतकर्ताओं से बातचीत की तथा अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत का यथाशीघ्र निपटारा किया जा रहा है।

सभी निगमों व परिषदों में चुनाव जीतेगी भाजपा, तैयारी पूरी : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नगर निगम चुनाव का ऐलान अब किसी भी समय हो सकता है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने कोर ग्रुप, छोटी टोली व अलग-अलग प्रकोष्ठों की मंथन बैठक में निगम चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है।

भाजपा ने मंगलवार को देर रात तक विधायक दल की बैठक बुलाई थी। इसके बाद हरियाणा कोर ग्रुप व सांसदों की बैठक हुई। इस बैठक का मुख्य एजेंडा हरियाणा में होने वाले नगर निगम व नगर परिषद के चुनाव था। प्रदेश में आठ नगर निगमों, चार नगर परिषदों और 22 नगरपालिकाओं के चुनाव होने हैं। राज्य चुनाव आयोग की ओर से चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू की जा चुकी हैं। अगले साल जनवरी में चुनाव करवाए जाने की संभावना है। पंचकूला में कोर ग्रुप की बैठक के

बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि चुनाव में कार्यकताओं ने मेहनत की थी इसके बाद सभी के साथ बैठक करके चर्चा की है। पार्टी का सदस्यता अभियान बड़े स्तर पर चल रहा है उसको लेकर अलग-अलग जिम्मेदारी पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों की दी गई है। भाजपा ने सदस्यता अभियान में 50 लाख नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य रखा है,उसको लेकर योजना और रणनीति बनी है। निकाय चुनाव को लेकर कार्यकर्ता पूरी तरह से तैयार हैं। प्रदेश की सभी निकायों में भाजपा जीत दर्ज करेगी। प्रदेश में शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव को लेकर भाजपा काफी गंभीर है। इससे पहले हुए तीन नगर निगमों- अंबाला सिटी, पंचकूला व सोनीपत नगर निगम के चुनाव में भाजपा को झटका लग चुका है।

केवल पंचकूला नगर निगम में भाजपा का मेयर बन पाया था। अब चूंकि प्रदेश में तीसरी बार 48 विधायकों के साथ भाजपा ने सरकार बनाई है। ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है। भाजपा की शहरों में वैसे भी पुरानी पकड़ है। इसे और मजबूत करने के लिए पार्टी निकायों के चुनाव में भी जीत दर्ज करवाना चाहती है।

ग्रेप चार की पांबदियों की अवहेलना करने पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में प्रदूषण नियंत्रण पाबंदियों का उल्लंघन करने वालों पर जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बुधवार को जारी एक जानकारी में बताया कि अब तक 98 लाख 73 हजार 750 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। 13 उद्योगों को सील कर 50 लाख 28 हजार 750 रुपये का पर्यावरणीय जुर्माना वसूला गया है। 148 निर्माण और गतिविधियों की जांच के दौरान 21 मामलों में 48 लाख45 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। 192 डीजी सेटों की जांच में 10 सील किए गए और 32 को नोटिस जारी हुआ। प्रदूषण रोकने और एयर क्वालिटी इंडेक्स सुधारने के लिए जिला, उपमंडल, शहरी, ग्रामीण और औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष टीमें बनाई गई हैं। सीएक्यूएम के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारियों को सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए हैं। सड़क धूल कम करने के लिए तीन स्वीपिंग मशीनें, 18 पानी के टैंकर और दो एंटी-स्मॉग गन तैनात की गई हैं।

ये प्रमुख चौराहों और सड़कों पर पानी का छिड़काव कर रही हैं। उपायुक्त के निर्देश पर वायु प्रदूषण नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। शिकायतें टोल-फ्री नंबर 0130-2221590, 311 ऐप, समीर ऐप, और ईमेल के माध्यम से दर्ज की जा सकती हैं। ग्रेप-4 की सख्ती के लिए जिला, उपमंडल, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर समितियां बनाई गई हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी निगरानी के लिए नगर निगम और पंचायत अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। मुख्य सचिव विवेक जोशी ने वीसी के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

सरकारी कर्मचारियों के घर पर भी लगेंगे बिजली के प्रीपेड मीटर: मनोहर लाल

एजेंसी

चंडीगढ़।केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि स्मार्ट मीटर को लेकर पहले से विवाद चल रहा है। प्रीपेड मीटर लगाने की योजना में बदलाव करते हुए सरकारी दफ्तरों व इमारतों के अलावा सरकारी कर्मचारियों के घरों में भी प्रीपेड मीटर लगाए जाएंगे। इसके बाद इसे आम जनता के लिए लागू किया जाएगा।

पंचकूला में भाजपा कोर ग्रुप व सांसदों की बैठक के बाद केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस योजना का पहला चरण जल्द शुरू किया जा रहा है। सरकारी इमारतों व कर्मचारियों के आवास के बड़े लोड के मीटरों को प्रीपेड मीटरों में कनवर्ट किया जाएगा। इसके बाद जो राज्य अपने स्तर पर सामान्य बिजली के मीटर भी प्रीपेड में लगाएंगे, उनके लिए अतिरिक्त छूट देने की बात अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग राशि के हिसाब से चल रही है। इससे देशभर में एल एंड टी लॉस काम होगा और विभाग को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि देश के सभी प्रदेशों में पहले से ही तीन महीनों से ऊर्जा विभाग और शहरी आवास को लेकर चर्चाएं की जा रही है। पहले से चल

रही योजनाओं की समीक्षा की जा रही है और उनको लेकर जो दिक्कतें हैं, उस पर बातचीत की जा रही है। भाजपा कोर ग्रुप व सांसदों की बैठक के संबंध में केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बैठक में संगठन और सरकार से जुड़े तमाम विषयों पर चर्चा हुई है और संगठन की आगामी रणनीति पर मंथन किया गया है। संगठन के चुनाव, निकाय के चुनाव समेत और सदस्यता अभियान समेत तमाम मुद्दों पर सुझाव लिए गए हैं। पार्टी ने चुनावी में जो वादे किए उन्हें सरकार बनने के बाद पूरा होने से कार्यकर्ता खुश हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी और उनका मंत्रिमंडल पांच साल में संकल्प पत्र के तमाम वादे को पूरा करेगा। चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के नए भवन को लेकर चल रहे विवाद पर केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा विधानसभा का नया भवन बनना है, उसमें किसी तरीके के टकराव की बात नहीं होगी। यूटी के साथ एक प्रक्रिया को अपनाकर नियमानुसार जमीन ली जा रही है।

निर्धारित समय सीमा में शिकायतों का समाधान करें अधिकारी: अशोक कुमार गर्ग

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने सेक्टर-34 कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों को सुना। समाधान शिविरों में 26 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके समाधान की समय सीमा निर्धारित करके संबंधित अधिकारियों को निगमायुक्त द्वारा निर्देश दिए गए हैं।

शिविर में प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार संबंधी शिकायतों का समाधान मौके पर ही किया जा रहा है, जबकि जिन शिकायतों में कुछ समय लगना है। उनकी समयसीमा निर्धारित करके अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायत का समाधान सुनिश्चित करें तथा शिकायतकर्ता को भी समय-समय पर अवगत कराते रहें। हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना में नगर निगम गुरुग्राम द्वारा चारों जोन में प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह बजे से 11 बजे तक समाधान शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है।

निगमायुक्त की नागरिकों से अपील

निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने गुरुग्राम के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि शहर में ग्रेडेड

रिस्पांस एक्शन प्लान का चौथा चरण लागू हो गया है। ऐसे में हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि हम प्रदूषण के स्तर को कम करने में अपना योगदान दें। इसके तहत केन्द्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा लागू किए गए प्रतिबंधों की पालना सभी सुनिश्चित करें और कोई भी ऐसी गतिविधि ना करें जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़े। आयोग द्वारा सभी प्रकार के निर्माण एवं तोड़फ़ोड़ कार्यों पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया गया है। इसके साथ ही कचरे में आग लगाना, बिना ढके निर्माण सामग्री व मलबे को रखना या परिवहन करना, सार्वजनिक स्थान पर कचरा या मलबा फैंकना तथा कोयला या लकड़ी जलाना पूरी तरह से बैन है। अगर कोई व्यक्ति इस प्रकार की गतिविधियां करता है, जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़े, उसके बारे में नगर निगम को सूचित जरूर करें।

कृषि कार्यों संबंधी सलाह लगातार किसानों तक पहुंचा रहा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय: बीआर कम्बोज

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि विश्वविद्यालय लगातार कृषि कार्यों संबंधी सलाह किसानों तक पहुंचा रहा है। इसी कारण किसानों को कृषि कार्यों से संबंधित फैसले लेने मदद मिल रही है।कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज कृषि महाविद्यालय सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) 2024 का शुभारंभ अवसर पर संबोधन दे रहे थे। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्रदेश के कृषि और किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों से कृषि अधिकारी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में नई किस्मों, नई तकनीकों, और नई सिफारिशों के साथ-साथ भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की

जाएगी। कुलपति ने आह्वान किया कि कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को पारंपरिक फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया करें। किसानों को उन फसलों की काश्त करने के लिए जागरूक किया जाए जिन फसलों में पोषक तत्व एवं पानी की कम मात्रा के साथ-साथ उत्पादन लागत कम आए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म है तथा कृषि उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय में बढ़ोतरी तथा प्राकृतिक संसाधनों का सीमित मात्रा में प्रयोग करना हमारा सर्वोपरि उद्देश्य है। प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जा रहा है। किसानों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक निरंतर अनुसंधान एवं नई तकनीक पर काम कर रहे हैं व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में हरियाणा में खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 332 लाख मीट्रिक टन हो गया है जिसके कारण देश के केंद्रीय पूल में हरियाणा दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो डाली तो होगी कार्रवाई: हेमेन्द्र मीणा

एजेंसी

हिसार। हांसी के पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा है कि एक दूसरे के देखादेखी कई युवा हथियार लेकर उसे लहराते हुए अलग-अलग पोज में फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर देते हैं। इससे समाज में बहुत गलत संदेश जाता है तथा समाज में आपराधिक प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। इस प्रकार का गैर-कानूनी कार्य करने में जिस व्यक्ति का हथियार होता है और जो फोटो अपलोड करता है वह दोनों ही दोषी होंगे और इसमें अधिकतर मामले हर्ष फायरिंग से जुड़े होते हैं जो कि गैर कानूनी है। पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने कहा कि इस वर्ष दौरान हांसी पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो अपलोड करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक ने बताया पुलिस कि सोशल मीडिया पर पैनी नजर है, क्योंकि कोई भी लाइसेंसी हथियार धारक व्यक्ति अपना हथियार किसी भी अन्य व्यक्ति को नहीं सौंप सकता और ना ही वह हथियारों के साथ सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फोटो अपलोड कर सकता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि किसी भी व्यक्ति के द्वारा सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन नहीं किया जा सकता, यदि कोई भी व्यक्ति ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उसके हथियार का लाइसेंस रद्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही गलत प्रवृत्ति है। हथियारों के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने से युवा वर्ग के पथभ्रष्ट होने की संभावना बनी रहती है।

ग्रेप-4 चरण की हिदायतों को सख्ती से करवाएं लागू , मुख्य सचिव ने उपायुक्त को दिए निर्देश

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के मुख्य सचिव विवेक जोशी ने वीडियो कांफ्रैंस के माध्यम से वायु गुणवत्ता के दृष्टिगत लागू किए गए ग्रेप-4 चरण की हिदायतों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने जिलावार समीक्षा करते हुए उपायुक्तों को इन हिदायतों की सख्ती से अनुपालना सुनिश्चित करवाने को कहा।

मुख्य सचिव विवेक जोशी ने वीडियो कांफ्रैंस के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल जिलों के उपायुक्तों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ ग्रेप-4 चरण की हिदायतों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्माण एवं डिमोलिशन गतिविधियों, सडक़ों पर धूल प्रबंधन, शहरी क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन वाहनों की स्थिति शिक्षण संस्थाओं में ऑनलाइन कक्षाएं व औद्योगिक ईकाइयों से संबंधित गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा ग्रेप-4 चरण की हिदायतों का सख्ती से क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिला में ग्रेप-एक से चार चरणों की हिदायतों के अनुसार संबंधित निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया गया है तथा अब तक

23 लाख रुपए के चालान किए गए है। संबंधित उपमंडलाधीशों की अध्यक्षता में निगरानी टीमें गठित की गई है। शहरी क्षेत्रों में भी निगरानी टीमें निरंतर निगरानी कर रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे शहर में हिदायतों अनुसार निर्माणाधीन स्थलों को तुरंत बंद करवाएं तथा नियमानुसार चालान करें। नगर निगम द्वारा कचरा को जलाने की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया, अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, सहायक आयुक्त प्रशिक्षु अभिनव सिवाच, उपमंडलाधीश आशीष कुमार, प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण की सचिव मेजर गायत्री अहलावत सहित हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, एचएसआईआईडीसी, लोक निर्माण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

औद्योगिक संस्थानों की सुरक्षा करेगी सीआईएसएफ की महिला बटालियन

एजेंसी

यमुनानगर। औद्योगिक व अन्य संस्थानों को सुरक्षा दायरा प्रदान करने वाले केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में महिला रिजर्व बटालियन को केन्द्र सरकार ने मंजूरी दे दी है।

यह जानकारी यमुनानगर स्थित दीनबंधु सर छोटूराम थर्मल पावर प्लांट में सीआईएसएफ यूनिट में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर तैनात टिक्कम सिंह चौहान ने देते हुए बताया कि अब महिला बटालियन औद्योगिक संस्थानों को सुरक्षा प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सीआईएसएफ ही एक ऐसा बल है, जिसमें पहली केवल महिला सीआईएसएफ रिजर्व बटालियन को मंजूरी मिली है। केन्द्रीय मंत्रालय ने इसका आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि यमुनानगर में भी सीआईएसएफ यूनिट की जवानों की मीटिंग ली गई और उन्हें सीआईएसएफ में पहली महिला सीआईएसएफ रिजर्व बटालियन को मंजूरी मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सीआईएसएफ में जवानों की संख्या लगभग 1 लाख 88 हजार के लगभग हैं। उन्होंने कहा कि एक कमांडेंट के नेतृत्व में कुल 1025 महिला सिपाही तैनात होंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सुरक्षा बल एक अर्धसैनिक बल है, जिसका मुख्य कार्य सरकारी कारखानों एवं अन्य सरकारी उपक्रमों को सुरक्षा प्रदान करना है। सीआईएसएफ सार्वजनिक एवं कुछ निजी उपक्रमों की सुरक्षा के अलावा देश के आंतरिक सुरक्षा, मेट्रो, परमाणु संस्थान व ऐतिहासिक धरोहरों को भी सुरक्षा प्रदान करने में अपनी भूमिका निभा रहा है।

जींद के जुलाना में लगे विनेश फोगाट के गुमशुदगी पोस्टर,सोशल मीडिया पर वायरल

एजेंसी

जींद। जुलाना हलके से कांग्रेस की विधायक और ओलंपियन विनेश फोगाट के गुमशुदगी के पोस्टर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। विपक्ष के लोग पोस्टर पर जमकर चुटकियां भी ले रहे हैं। विनेश फोगाट को चुनाव जीते अभी एक माह ही हुआ है। वह एक माह से हलके से गायब हैं। यही नहीं हालही में हुए विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी विनेश फोगाट ने भाग नहीं लिया था। जुलाना में लगाए गए पोस्टरों में लिखा गया है कि लापता विधायक की तलाश। पूरा विधानसभा सत्र निकल गया लेकिन विधायक मैडम पूरे सत्र लापता रही। अगर किसी को दिखें तो जुलाना वालों को सूचित करें। यह पोस्टर जमकर वायरल हो रहा है। अगर अलग सोशल मीडिया पर इसे वायरल किया जा रहा है। ओलंपियन और कांग्रेस की प्रत्याशी विनेश फोगाट ने कुश्ती के बाद अब राजनीति में कदम रखते ही विरोधियों को दांव के जरिए पटकनी देने का काम किया है। विनेश फोगाट ने भाजपा प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी को 6015 वोटों से हराया। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी विनेश फोगाट को 65080 वोट मिले। कैप्टन योगेश बैरागी को 59065 वोट मिले। इनेलो बसपा के प्रत्याशी डा. सुरेंद्र लाठर को 10158 वोट मिले। निवर्तमान विधायक अमरजीत ढांडा को 2477 वोट मिले। आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी डब्लुडब्लुई रेसलर कविता दलाल को 1280 वोट मिले। निर्दलीय बिजेंद्र कुमार को 164 वोट, निर्दलीय प्रेम को 117 वोट, निर्दलीय जसबीर सिंह अहलावत को 90 वोट, निर्दलीय अमित शर्मा को 76 वोट, निर्दलीय रामरत्न को 69 वोट, राष्ट्रीय गरीब दल के जोगी सुनील को 47

वोट, निर्दलीय इंद्रजीत को 46 वोट मिले।

विनेश फोगाट के नंबर पर जब संपर्क किया गया तो उनके निजी सचिव सोनू ने बताया कि विनेश फोगाट को कांग्रेस ने स्टार प्रचारक बनाया है और उनकी चुनाव में ड्युटी लगाई गई है। चुनाव में व्यस्त होने के कारण विधानसभा सत्र में नही जा पाई। जुलाना हलके की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

जींद। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन (एचीसएमएस) के आह्वान पर चिकित्सकों ने जियोफेंसिंग अटेंडेंस सिस्टम को लेकर विरोध जताया है। इसे लेकर एसोसिएशन के सदस्य सीएमओ डा. गोपाल गोयल से मिले और जियोफेंसिंग अटेंडेंस सिस्टम शुरू न किए जाने को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने से पहले प्रदेशभर के चिकित्सकों की वीडियो कान्फ्रेंसिंग हुई। जिसमें सभी चिकित्सकों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। खासकर महिला चिकित्सकों ने जियोफेंसिंग अटेंडेंस सिस्टम को लेकर अपनी सुरक्षा के सवाल उठाए। सीएमओ ने एसोसिएशन सदस्यों को आश्वासन दिया कि ज्ञापन को उच्च अधिकारियों को भेज दिया जाएगा। इस मौके पर डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल, डा. नवनीत नैन सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। एचीसएमएस प्रधान डा. विजेंद्र ढांडा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जियोफेंसिंग अटेंडेंस सिस्टम को लाया जा रहा है। जियोफेंसिंग सिस्टम सैटेलाइट पर आधारित होता है। इसके तहत किसी इलाके के लिए जियोफेंसिंग बनाई जाती है। यह किसी बाउंड्री की तरह होती है। इस बाउंड्री के अंदर जितने भी डिवाइस मौजूद होंगे, उनका रिकॉर्ड बन जाएगा अस्पताल में अटेंडेंस मार्क करने के लिए चिकित्सकों को इसकी परिधि में आना होगा। इसे मोबाइल में डाउनलोड करवाया जाएगा। जैसे ही वह इस दायरे में आएंगे, उनकी अटेंडेंस मार्क करने के लिए बनाया गया यह मोबाइल ऐप काम करने लगेगा। जोकि सही नही है। सभी चिकित्सक बायोमेट्रिक सिस्टम से अपनी हाजिरी लगा रहे हैं।

अब अगर जियोफेंसिंग अटेंडेंस सिस्टम लागू होता है तो चिकित्सक अपनी हाजिरी के स्वायत्त नही रहेंगे। वहीं इससे साइबर फ्रॉड होने की हमेशा संभावना बनी रहेगी। जो चिकित्सक हित में नही है। डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि जियोफेंसिंग अटेंडेंस सिस्टम सुरक्षा पर भी सवाल खड़े करता है। यह एप हर पुरूष व महिला चिकित्सक के मोबाइल में डाउनलोड होगा। जोकि जीपीएस आधारित है। ऐसे में कोई भी लोकेशन का गलत प्रयोग कर सकता है।

NAME CHANGE

I hitherto known as SUDESH KUMAR YADAV alias SUDESH KUKMAR S/o SUMER SINGH, R/o House Number-35, Ward No.-1, Village Ramgarh, Rewari, Haryana-123401, have changed my name and shall hereafter be known as SUDESH KUKMAR for all future purposes.

देश की सबसे स्मार्ट टाउनशिप में घर का सपना अब होगा पूरा

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर के अंतर्गत देश की सबसे स्मार्ट टाउनशिप में से एक इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में रहने का सपना अब जल्द पूरा हो सकेगा। आईआईटीजीएनएल की ग्रुप हाउसिंग भूखंड योजना अब जल्द लांच हो सकेगी। आईआईटीजीएनएल की सोमवार को हुई बोर्ड बैठक में 2024-25 की भू आवंटन की दरें तय हो हो चुकी हैं और अब स्कीम लांच करने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, आईटीजीएनएल की तरफ से बिल्डर भूखंडों की स्कीम लांच करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन ई-ऑक्शन के लिए रिजर्व प्राइस तय न होने के कारण रुकी हुई थी। आईटीजीएनएल की बोर्ड बैठक सोमवार को संपन्न हुई, जिसमें रेट पर मुहर लग गई। इस टाउनशिप में 44,400 रुपये प्रति वर्ग मीटर रिजर्व प्राइस तय किया गया है। इसके साथ ही अब यह स्कीम भी शीघ्र लांच होने जा रही है। देश की सबसे स्मार्ट टाउनशिप होने के चलते पहले से ही एनसीआर में देश के कई बड़े बिल्डर ग्रुप हाउसिंग में निवेश करने की इच्छा जता चुके हैं। ऐसे में आईआईटीजीएनएल में ग्रुप हाउसिंग के ऑक्शन की स्कीम में बड़ी संख्या के बिल्डरों के भाग लेने की संभावना है।

कोरियाई हाउसिंग बिल्डर्स एसोसिएशन ने ग्रेटर नोएडा में जताई निवेश की इच्छा

गौतमबुद्ध नगर। दक्षिण कोरिया के 30 सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का दौरा किया। कोरियाई हाउसिंग बिल्डर्स एसोसिएशन के इस प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ और आईआईटीजीएनएल के प्रबंध निदेशक एनजी रवि कुमार और एसीईओ प्रेरणा सिंह मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने ग्रेटर नोएडा और इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया। कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भारत में हाउसिंग सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जबकि दक्षिण कोरिया में आबादी का अनुपात घटने की वजह से हाउसिंग सेक्टर की मांग भी घट रही है। दक्षिण कोरिया के रियल एस्टेट कारोबारी भारत में रियल एस्टेट कारोबारियों के साथ साझीदार बनना चाहते हैं। सीईओ रवि कुमार ने हाउसिंग बिल्डर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ इसको लेकर आगे बैठक की इच्छा जतायी। कोरियाई हाउसिंग बिल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जुंग वॉन जु ने कहा कि वे भारत में न सिर्फ रियल एस्टेट में साझीदार बनना चाह रहे हैं बल्कि दोनों देशों की सांस्कृतिक विरासत को भी नये आयाम देकर ऊंचाइयों पर लेकर जाना चाह रहे हैं।

ट्रंप की जीत से क्रिप्टो करेंसी मार्केट में तेजी जारी, 94 हजार डॉलर के पार पहुंचा बिटकॉइन

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन ने आज मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया। ये क्रिप्टो करेंसी आज के कारोबार में एक बार 94 हजार डॉलर के स्तर को भी पार कर गई। हालांकि बाद में इसका कीमत में गिरावट आई, जिसके कारण ये आभासी मुद्रा फिसल कर 92,569.35 डॉलर के स्तर पर आ गई। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद से ही बिटकॉइन लगातार मजबूत हो रहा है। अमेरिका में चुनाव के बाद 6 नवंबर को जब डोनाल्ड ट्रंप की जीत पक्की हो गई थी, उसी दिन बिटकॉइन ने पहली बार 75 हजार डॉलर के स्तर को पार करने में सफलता पाई थी। उसके बाद से 2 सप्ताह के अंदर ही इस क्रिप्टो करेंसी की कीमत में करीब 19 हजार डॉलर की मजबूती आ चुकी है। भारतीय समय के मुताबिक आज सुबह 6¬40 बजे क्रिप्टो मार्केट में बिटकॉइन 94,002.87 के रिकॉर्ड हाई लेवल तक पहुंचा हुआ था। हालांकि इसके बाद बिटकॉइन के भाव में तेज गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक शाम 4 बजे ये क्रिप्टो करेंसी 92,569.35 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रही थी। क्रिप्टो करेंसी मार्केट के एक्सपर्ट्स का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप के शपथ लेने के बाद बिटकॉइन 1 लाख डॉलर के स्तर को भी पार कर सकता है। इस साल इस क्रिप्टो करेंसी की कीमत में लगभग 55,500 डॉलर की तेजी आ चुकी है। जनवरी में ये क्रिप्टो करेंसी 38,500 डॉलर के स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी, लेकिन आज इसने 94 हजार डॉलर के स्तर को भी टच कर लिया।

इक्रा ने दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का जताया अनुमान

नई दिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर के लिए देश की सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) दर के अनुमान को घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। हालांकि, चालू वित्त के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 7 फीसदी पर बरकरार रखा है।रेटिंग एजेंसी ने जारी एक बयान में कहा कि भारी बारिश और कमजोर कॉर्पोरेट प्रदर्शन के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि घटकर 6.5 फीसदी रहने के आसार हैं। हालांकि एजेंसी ने दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद के बीच समूचे वित?त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान सात फीसदी पर बरकरार रखा है।

उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के लिए आर्थिक वृद्धि दर के आधिकारिक आंकड़े 30 नवंबर को आने की उम्मीद है। पहली तिमाही में देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.7 फीसदी रही थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

बिटकॉइन घोटाले मामले में ईडी की रायपुर में बड़ी में कार्रवाई, गौरव मेहता के ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी

रायपुर। करोड़ों के बिटकॉइन घोटाले मामले में ईडी बुधवार को यहां बड़ी कार्रवाई की। ईडी की टीम ने रायपुर के गौरव मेहता के आम्रपाली सोसाइटी स्थित घर में दबिश दी है। उद्योगपति गौरव मेहता सारथी एसोसिएट्स ऑडिट फर्म से जुड़े हुए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मेहता के ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। ईडी के अधिकारियों ने गौरव मेहता के घर में दस्तावेजों की जांच की और पूरे घर की तलाशी ली है। उद्योगपति गौरव मेहता के घर में एक लैपटॉप और कई हार्डडिस्क मिली हैं। अधिकारी मेहता और उनके परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र और

पंजाब में इस बिटकॉइन घोटाले को लेकर 40 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इस मामले में 2018 में जांच शुरू हुई थी। अमित भारद्वाज इस मामले का मास्टरमाइंड था। उसने बिटकॉइन में निवेश करने के लिए कहकर लोगों को धोखा दिया था, जिसके बाद निवेशकों का पैसा डूब गया। घोटाले के बाद भारद्वाज दुबई भाग गया था, जिसके बाद उसे वहां से निर्वासित किया गया। अमित भारद्वाज की जनवरी 2022 में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

अमित भारद्वाज और उसके परिवार के खिलाफ ईडी 2024 में कोर्ट में चार्जशीट भी दायर कर चुकी है। इस मामले में 2018 में जांच शुरू हुई थी। आरोप है कि आरोपित अमित अपनी कंपनी वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड के जरिए मल्टी लेवल मार्केटिंग के नाम पर लोगों से बिटकॉइन में निवेश कराया करता था। 2018 में महाराष्ट्र में इस मामले में जांच के लिए आईपीएस रविंद्रनाथ पाटिल को जोड़ा गया और साल 2022 में वो इसी घोटाले में खुद गिरफ्तार हो गए। आरोप है कि इस क्रिप्टोकरेंसी साइबर फ्रॉड में बिटकॉइन भी गायब किए गए। बाद में 2018 में पता चला कि जो क्रिप्टोकरेंसी का वॉयलेट मिला था, उसमें करोड़ों के बिटकॉइन मिले थे। इन करोड़ों रुपये के बिटकॉइन को दो आईपीएस अधिकारियों भाग्यश्री और अमिताभ गुप्ता ने हथिया लिया था और वहां नकली वॉलेट रखा, जिसमें पैसे नहीं थे। रविंद्रनाथ के जेल जाने पर गौरव मेहता ने गवाही दी थी। गौरव मेहता ने रवींद्र नाथ पाटिल को फोन पर बताया कि आपको अमिताभ गुप्ता और भाग्यश्री ने फंसाया है। बिटकॉइन का असली वॉयलेट उनके पास है और उनके ऊपर भी एक लेयर है जिसमें नेता हैं।

नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है 'उड़ान', लाखों लोगों की पहुंच बना रही आसान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की उड़ान योजना ने नागरिक उड्डयन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। देश का विमानन क्षेत्र 17 नवंबर को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ, जब एक ही दिन में 5,05,412 घरेलू यात्रियों ने उड़ान भरी। पहली बार दैनिक यात्रियों की संख्या 5 लाख के आंकड़े को पार कर गई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि देश में जहां आकाश आशा और आकांक्षा का प्रतीक है, 21 अक्टूबर, 2016 को उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के शुभारंभ के साथ किफायती उड़ान का सपना सच हो गया। देशभर में 3,100 से अधिक उड़ानों के संचालन के साथ यह उपलब्धि वैश्विक विमानन परिदृश्य में भारत की बढ़ती प्रमुखता को उजागर करती है। उड़ान योजना इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिसने हेलीकॉप्टर सेवाओं सहित 609 मार्गों को चालू किया है और देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्बाध रूप से जोड़ा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की अगुआई में शुरू की गई इस योजना ने क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाकर इसे लाखों लोगों के लिए सुलभ बनाकर हवाई यात्रा को बदल दिया है। हेलीकॉप्टर मार्गों और अंतिम मील संपर्क जैसी निरंतर प्रगति के साथ उड़ान ने आकांक्षाओं और पहुंच के बीच की खाई को पाट दिया है, जिससे भारत के विमानन परिदृश्य में नया बदलाव आया है। यह निरंतर प्रगति अब एक ऐतिहासिक मील के पत्थर में परिणत हो गई है, जो इस योजना के दूरगामी प्रभाव को प्रदर्शित करती है।

यूआईटीपी ट्रांसपोर्ट इक्नोमिक्स और फ़ाइनेंस कमेटी बैठक की पब्लिक ट्रांसपोर्ट फ़ाइनेंस और सस्टेनेबिलिटी के लिए इनोवेशन का प्रदर्शन

एजेंसी

गाजियाबाद। अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक परिवहन संघ (यूआईटीपी) की ट्रांसपोर्ट, इक्नोमिक्स एंड फ़ाइनेंस कमेटी (टीईएफसी) की बैठकों का उद्घाटन नई दिल्ली में किया गया, जिसमें यूआईटीपी ट्रांसपोर्ट इक्नोमिक्स और फ़ाइनेंस कमेटी बैठक की पब्लिक ट्रांसपोर्ट फ़ाइनेंस और सस्टेनेबिलिटी के लिए इनोवेशन प्रदर्शित किया गया। बैठक की मेजबानी एनसीआरटीसी ने की। इस हाइब्रिड कार्यक्रम में सार्वजनिक परिवहन संचालकों, अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और दुनियाभर के विशेषज्ञों के 40 से अधिक वरिष्ठ प्रतिनिधि दो दिवसीय बैठक में शामिल हुए और सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में सतत गतिशीलता, किफ़ायती किराए, नवीन वित्तपोषण और परिचालन दक्षता पर विचार-विमर्श किया गया।

एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि दुनिया भर के शहर बढ़ती आबादी और पर्यावरण संबंधी चिंताओं की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में यह स्पष्ट है कि शहरी परिवहन का भविष्य हर प्रकार से सतत, आर्थिक रूप से व्यवहार्य, पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार और

बदलती परिस्थितियों के लिए दीर्घकालिक रूप से अनुकूल होना चाहिए। हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए समावेशी और कुशल परिवहन प्रणाली बनाने की दिशा में प्रभावशाली बदलाव लाने के लिए यूआईटीपी जैसे मंचों का उपयोग करना चाहिए। यह मंच हमें रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) की परिवर्तनकारी क्षमता का प्रदर्शन करने और विश्व की सर्वोच्च प्रथाओं से प्रेरणा लेने का एक अमूल्य अवसर भी प्रदान करता है। प्रबंध निदेशक ने यह भी साझा किया कि टीईएफसी के एक दीर्घकालिक सदस्य के रूप में एनसीआरटीसी को खुशी है कि इसने समिति की कई पहलुओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जैसे वैल्यू-ऐडेड इनपुट प्रदान करने मे, विभिन्न वर्किंग-पेपर पर चर्चाएँ और विचार-विमर्श करने तथा कार्य समूहों में भाग लेने में।

इन सहयोगों ने आरआरटीएस जैसी विश्व स्तरीय परियोजनाओं को लागू करने के लिए एनसीआरटीसी की क्षमता को स्थापित किया है और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के साथ मूल्यवान साझेदारी को बढ़ावा दिया है।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना आज लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में आज 500 रुपये से लेकर 800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये से लेकर 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये से लेकर 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट

सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार को दिसंबर तिमाही के नतीजे और ट्रंप प्रशासन की नीतियों का इंतजार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में 30 सितंबर से शुरू हुई गिरावट पर मंगलवार को ब्रेक लगता हुआ नजर आया। हालांकि मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि बाजार की एक दिन की मजबूती से आने वाले दिनों की चाल का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। घरेलू शेयर बाजार में एक महीने से अधिक समय से जारी गिरावट पर रोक लगने का रास्ता तभी साफ होगा, जब विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाली की जगह लिवाली शुरू करेंगे।मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि सितंबर में खत्म हुई तिमाही के दौरान घरेलू शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों ने मार्केट सेंटिमेंट पर काफी बुरा असर डाला। ऐसे में अब दिसंबर में खत्म होने वाली तिमाही के नतीजे का घरेलू शेयर बाजार को इंतजार है। इन नतीजे का बाजार पर काफी असर पड़ेगा। अगर तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे सकारात्मक रहे, तो शेयर बाजार जोरदार वापसी कर सकता है। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद नई सरकार की नीतियों से भी विदेशी निवेशकों की लिवाली या बिकवाली पर असर पड़ेगा। आहूजा कमोडिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ मनीष आहूजा का कहना है कि मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार वापसी करता हुआ नजर आ रहा था। दिन के पहले सत्र में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक में 1.3 प्रतिशत से अधिक की तेजी आ गई थी, लेकिन यूक्रेन द्वारा रूस पर हमला करने की वजह से आखिरी घंटे में ही विदेशी निवेशकों ने चौतरफा बिकवाली करके मार्केट सेंटिमेंट को बिगाड़ दिया।

सरकार कुशल और पारदर्शी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध : खाद्य मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में सुधार के कई अहम कदम उठाए हैं। देशभर में सभी उचित मूल्य की दुकानों द्वारा 5.33 लाख ई-पीओएस उपकरणों के जरिए खाद्यान्न का वितरण हो रहा है। इनमें डिजिटलीकरण, पारदर्शिता और प्रभावी वितरण तंत्र पर ध्यान दिया गया है।

इन प्रयासों से वितरण हेर-फेर में काफी कमी आई है और लाभार्थी बढ़ाने में मदद मिली है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने सभी 20.4 करोड़ घरेलू राशन कार्डों की संपूर्ण वितरण प्रक्रिया को कम्प्यूटरीकृत कर दिया है, जिससे 80.6 करोड़ लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं। इन राशन कार्डों का डिजिटलीकरण

किया गया है, जिसमें 99.8 फीसदी राशन कार्डों और 98.7 फीसदी व्यक्तिगत लाभार्थियों के राशन कार्ड आधार से जोड़े गए है। मंत्रालय ने कहा कि देश की लगभग सभी उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न वितरण 5.33 लाख ई-पीओएस उपकरणों के जरिए संचालित किया जाता है। ये ई-पीओएस उपकरण से सही लाभार्थियों को राशन पहुंचाना संभव होता है। आधार प्रमाणीकरण का उपयोग अभी कुल खाद्यान्न के करीब 98 फीसदी वितरण के लिए हो रहा है, जिससे अपात्र लाभार्थियों को हटा कर हेरा-फेरी की आशंका कम कर दी गई है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक नो योर कस्टमर सत्यापन प्रक्रिया से सही लाभार्थी लक्ष्यीकरण सुनिश्चित करने के भी कई कदम उठाए हैं। सभी सार्वजनिक वितरण प्रणाली लाभार्थियों में से 64 फीसदी का ईकेवाईसी किया जा चुका है, जबकि शेष लाभार्थियों के ईकेवाईसी पूरा करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। डिजिटलीकरण और आधार से जोड़े जाने से राशन कार्डों का दोहराव समाप्त हो गया है और लगभग 5.8 करोड़ राशन कार्ड जन वितरण प्रणाली प्रणाली से हटा दिए गए हैं।

20.4 करोड़ घरेलू राशन कार्डों का हुआ डिजिटलीकरण : केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने हाल ही में जानकारी दी कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 80.6 करोड़ लाभार्थियों को कवर करने वाले सभी 20.4 करोड़ परिवारों के राशन कार्ड डिजिटल कर दिए गए हैं। इसमें 99.8 प्रतिशत राशन कार्ड और 98.7 प्रतिशत व्यक्तिगत लाभार्थियों को आधार से जोड़ा गया है, ताकि डिलिवरी सिस्टम में मौजूद खामियों को दूर किया जा सके।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि वन नेशन वन राशन कार्ड पहल के तहत राशन कार्ड की राष्ट्रीय पोर्टेबिलिटी ने देश के किसी भी हिस्से में मौजूद सभी लाभार्थियों को उसी मौजूदा राशन कार्ड के जरिए मुफ्त खाद्यान्न की नियमित उपलब्धता और पहुंच सुनिश्चित की है। देश में लगभग सभी उचित मूल्य की दुकानों को कवर करते हुए 5.33 लाख ई-पीओएस डिवाइस के जरिए खाद्यान्न वितरण हो रहा है।

ये ई-पीओएस डिवाइस वितरण

प्रक्रिया के दौरान लाभार्थियों के आधार प्रमाणीकरण को सक्षम करते हैं।आज आधार प्रमाणीकरण का उपयोग कुल खाद्यान्न के लगभग 98 प्रतिशत को वितरित करने, अयोग्य लाभार्थियों को हटाने और चोरी के किसी भी जोखिम को कम करने के लिए किया जाता है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) संगठन के सभी स्तरों पर एंड-टू-एंड ऑपरेशन और सर्विस, सेंट्रल फूड प्रोक्योरमेंट पोर्टल के विकास, मिलों को डिपो के साथ टैग करने के लिए वेयरहाउस इन्वेंट्री नेटवर्क और गवर्निंग सिस्टम एप्लिकेशन का कार्यान्वयन, एफसीआई में स्टैक स्पेस का आवंटन, खाद्य खेप की ऑनलाइन रियल-टाइम ट्रैकिंग के लिए व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम का रेलवे के साथ इंटीग्रेशन और सभी एफसीआई गोदामों का वेयरहाउसिंग डेवलपमेंट एंड रेगुलेटरी अथॉरिटी रजिस्ट्रेशन के लिए सप्लाई चेन मैनेजमेंट सिस्टम को भी अपनाया और इंटीग्रेट किया गया है। सरकार ने ईकेवाईसी की प्रक्रिया के माध्यम से सही लक्ष्य सुनिश्चित करने के लिए भी व्यापक कदम उठाए हैं, जो लाभार्थियों की पहचान उनके आधार और राशन कार्ड विवरण के साथ सत्यापित होता है जिससे अपात्र लाभार्थी बाहर हो जाते हैं।

सभी सार्वजनिक वितरण प्रणाली लाभार्थियों में से 64 प्रतिशत का ईकेवाईसी किया गया है जबकि शेष लाभार्थियों के ईकेवाईसी पूरा करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। लाभार्थियों की सुविधा के लिए विभाग ने देश भर में किसी भी उचित मूल्य की दुकान (राशन की दुकान) पर लाभार्थी के ईकेवाईसी की सुविधा प्रदान की है।डिजिटलीकरण और आधार सीडिंग के कारण राशन कार्डों की डुप्लीकेशन खत्म हो गई है और लगभग 5.8 करोड़ राशन कार्ड पीडीएस सिस्टम से हटा दिए गए हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि केवल पात्र व्यक्ति ही पीएमजीकेएवाई/एनएफएसए में शामिल हों। बयान में कहा गया है, डिजिटलीकरण, सही लक्ष्य निर्धारण और आपूर्ति श्रृंखला के नवीन उपायों द्वारा भारत सरकार ने राज्य प्रायोजित खाद्य सुरक्षा पहल के लिए वैश्विक मानदंड स्थापित किए है। भारत सरकार के ये उपाय खाद्यान्न हेरा-फेरी रोकने और प्रणाली के कुशल संचालन प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं ।

पीएम गतिशक्ति के तहत 15.89 लाख करोड़ रुपये की 228 ढांचागत प्रोजेक्ट्स को मंजूरी की सिफारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम गतिशक्ति पहल के तहत सड़क और रेलवे सहित विभिन्न मंत्रालयों की 15.89 लाख करोड़ रुपये की कुल 228 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को अबतक मंजूरी देने के लिए सिफारिश की गई है। इन परियोजनाओं की सिफारिश 13 अक्टूबर, 2021 को शुरू की गई पीएम गतिशक्ति पहल के तहत गठित नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) ने की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि नेटवर्क प्लानिंग समूह (एनपीजी) में विभिन्न बुनियादी ढांचा मंत्रालयों के नियोजन प्रभागों के प्रमुख शामिल हैं। समूह की सिफारिश वाली परियोजनाओं की अधिकतम संख्या सड़क (108) क्षेत्र में है। इसके अलावा रेलवे (85), शहरी विकास (12) और चार तेल और गैस मंत्रालय से संबंधित हैं। एनपीजी की अबतक 83 बैठकें हो चुकी हैं, जिनमें 15.89 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित संचयी लागत 15.89

लाख करोड़ की 228 परियोजनाएं शामिल हैं। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में अतिरिक्त सचिव राजीव सिंह ठाकुर ने कहा कि पीएम गतिशक्ति पहल के तहत अबतक 1,588,919 लाख करोड़ रुपये की 228 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया जा चुका है। इसमें इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना के लिए समय और लागत में कमी करना शामिल है। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स लागत कम करने के लिए राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के तहत उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर योजना की सुविधा के लिए जिला मास्टर प्लान पर भी काम चल रहा है।

सेबी ने एसएमई सेगमेंट के लिए 6 नए नियम लाने का रखा प्रस्ताव, आम लोग 4 दिसंबर तक दे सकते हैं सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। एसएमई सेगमेंट में लॉन्च वाले आईपीओ को और अधिक पारदर्शी बनाने और इनके जोखिम से छोटे निवेशकों को बचाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) ने 6 नए नियम लागू करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इन प्रस्तावों पर आम लोगों से 4 दिसंबर तक राय मांगी गई है। लोगों की राय मिलने और स्टेकहोल्डर्स से बातचीत करने के बाद सेबी इन पर आखिरी फैसला लेगा।इन प्रस्तावों में सेबी ने सबसे पहले एसएमई सेगमेंट के आईपीओ में निवेशकों द्वारा लगाई जाने वाली बोली के लिए न्यूनतम आवेदन राशि को मौजूदा 1 लाख रुपये से बढ़ा कर 2 लाख रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। ऐसा करने से इन आईपीओ में पैसा लगाने वाले छोटे निवेशकों की संख्या कम हो जाएगी। इसके साथ ही इन आईपीओ में वही निवेशक पैसा लगाएंगे, जिनकी जोखिम उठाने की क्षमता अधिक होगी। ये प्रस्ताव इसलिए भी दिया गया है, क्योंकि पिछले कुछ सालों के दौरान एसएमई सेगमेंट के आईपीओ में बोली लगाने वाले छोटे निवेशकों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है। एसएमई सेगमेंट में जोखिम अधिक होने की वजह से छोटे निवेशकों को यहां अधिक नुकसान होने का डर बना रहता है। यही कारण है कि सेबी न्यूनतम निवेश की राशि को बढ़ा कर छोटे निवेशकों की संख्या को इस सेगमेंट में सीमित करना चाहता है। सेबी के प्रस्ताव में बताया गया है कि 2021-22 में एसएमई सेगमेंट के आईपीओ को औसतन 4 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था, लेकिन अब कई कंपनियों को 245 गुना तक सब्सक्रिप्शन भी मिलने लगा है। एसएमई सेगमेंट की कंपनियों को अधिक रिस्की इसलिए भी माना जाता है, क्योंकि इनके बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं होती है। ऐसे में मार्केट सेंटीमेंट में बदलाव होने की स्थिति में छोटे निवेशकों का पैसा डूबने का खतरा भी बना रहता है। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने अपने प्रस्तावों में एसएमई सेगमेंट के आईपीओ के साइज को भी न्यूनतम 10 करोड़ करने की बात कही है। इसके साथ ही आईपीओ लाने के लिए इच्छुक कंपनियों के लिए पिछले तीन में से कम से कम दो वित्त वर्ष के दौरान न्यूनतम 3 करोड़ रुपये का संचालन लाभ (ऑपरेटिंग प्रॉफिट) हासिल करने की बाध्यता को भी एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया में शामिल करने की बात कही गई है। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है, तो एसएमई सेगमेंट में मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियां ही अपना आईपीओ लॉन्च कर सकेंगी, जिससे निवेशकों के लिए जोखिम तुलनात्मक तौर पर कम हो सकेगा। मार्केट रेगुलेटर ने एसएमई सेगमेंट के आईपीओ में नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए प्रोपोर्शनेट अलॉटमेंट की जगह लॉटरी सिस्टम लागू करने का भी प्रस्ताव दिया है। मेनबोर्ड आईपीओ में ये सिस्टम पहले से ही लागू है। कहा जा रहा है कि इससे शेयर के अलॉटमेंट में निष्पक्षता आएगी। इसी तरह सेबी ने एसएमई सेगमेंट के आईपीओ में ऑफर फॉर सेल का साइज आईपीओ के कुल साइज के 20 प्रतिशत तक सीमित करने का प्रस्ताव दिया है। अभी इस सेगमेंट में ऑफर फॉर सेल के लिए कोई लिमिट तय नहीं है।सेबी ने अपने प्रस्तावों में प्रमोटर्स के लिए लॉक इन पीरियड को मौजूदा 3 साल से बढ़कर 5 साल करने का प्रस्ताव भी रखा है। ऐसा होने से प्रमोटर्स आईपीओ लॉन्च होने के बाद अगले 5 साल तक अपनी हिस्सेदारी बेच नहीं सकेंगे। सेबी का मानना है कि ऐसा होने से कंपनी की लॉन्ग टर्म स्टेबिलिटी सुनिश्चित की जा सकेगी। अपने प्रस्तावों में सेबी ने 20 करोड़ रुपये से अधिक इश्यू साइज वाले एसएमई सेगमेंट के आईपीओ के लिए एक मॉनिटरिंग एजेंसी को अनिवार्य रूप से नियुक्त करने की बात कही है।

बिना सर्जरी के भी चेहरे की त्वचा रहेगी टाइट, यहां देखिए स्किन टाइटनिंग के नॉन सर्जिकल ऑप्शन

अगर आप भी चाहती हैं कि स्किन टाइट लगे और आप लंबे समय तक यंग दिखती रहें, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको स्किन टाइट रखने के लिए कुछ नॉन-सर्जिकल उपायों के बारे में बता रहे हैं।

बढ़ती उम्र के साथ ही चेहरे पर झुर्रियां आना और त्वचा का ढीला पड़ना आम बात है। त्वचा ढीली पड़ने पर चेहरे की सुंदरता कम होने लगती है। ऐसे में महिलाएं स्किन को टाइट रखने के लिए कई तरह के उपाय अपनाती हैं। हालांकि कई बार सही जानकारी न होने पर लोग ऐसे टिप्स भी अपनाने लगते हैं, जिनके काफी ज्यादा साइड इफेक्ट्स होते हैं। तो वहीं बहुत सारे लोगों को लगता है कि स्किन टाइट रखने के लिए सर्जरी ही एकमात्र ऑप्शन है, जबकि ऐसा नहीं है।बता दें कि त्वचा से फाइन लाइन्स को दूर रखने और स्किन को टाइट रखने के कई नॉन सर्जिकल ऑप्शन भी मौजूद हैं। इन ट्रीटमेंट्स की मदद से चेहरे की स्किन यंग नजर आने लगती है। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि स्किन टाइट लगे और आप लंबे समय तक यंग दिखती रहें, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको स्किन टाइट रखने के लिए कुछ नॉन-सर्जिकल उपायों के बारे में बता रहे हैं।

अल्ट्रासाउंड थेरेपी

अल्ट्रासाउंड थेरेपी स्किन की डीपर लेयर्स में किया जाता है।यह कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाता है और त्वचा को टाइट रखता है।यह थेरेपी समय के साथ त्वचा को ढीली नहीं पड़ने देती है। त्वचा को टाइट रखने का यह नॉन-इनवेसिव ट्रीटमेंट काफी लोकप्रिय है।

रेडियोफ्रीक्वेंसी ट्रीटमेंट

स्किन की गहरी परतों में एनर्जी पहुंचाकर यह ट्रीटमेंट किया जाता है। बता दें कि यह ट्रीटमेंट कोलेजन के प्रोडक्शन और इलास्टिन को बढ़ाता है। वहीं थर्मेज का इस्तेमाल सैगिंग को कम करने और स्किन टेक्स्चर को सही करने के लिए किया जाता है।यह ट्रीटमेंट उन लोगों के लिए अच्छा माना जाता है, जो बिना किसी सर्जरी के अपनी स्किन को टाइट करना चाहते हैं।

लेजर ट्रीटमेंट

फ्रैक्शनल लेजर थेरेपी भी कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाता है, जिससे स्किन टाइट होती है। इसमें छ्व2 और एर्बियम लेजर काफी पॉपुलर हैं। यह दोनों स्किन को टाइट रखने के अलावा अपियरेंस को भी ठीक करने में मदद करते हैं।

माइक्रोनीडलिंग

माइक्रोनीडलिंग में स्किन में छोटे-छोटे नीडल्स से माइक्रो-इंजरी की जाती है। इस प्रक्रिया से कोलेजन और इलास्टिन प्रोडक्शन बढ़ता है, जिसकी वजह से आपकी स्किन टाइट और स्मूद होती है। इसके साथ ही यह प्रोसेस सीरम के अवशोषण को बढ़ाता है और उसको अधिक प्रभावी बनाता है।

केमिकल पील

केमिकल पील त्वचा की बाहरी परत को एक्सफोलिएट करने के साथ टेक्चर में सुधार करता है, जिससे त्वचा टाइट होता है। इसमें लाइट पील से लेकर डीप पील तक का ऑप्शन उपलब्ध होता है। जहां लाइट पील स्किन को रिफ्रेश करता है, तो वहीं डीप पील स्किन की गहरी परतों पर बेहतर तरीके से काम करता है।

क्रायोलिपोलिसिस

यह आमतौर पर फैट को कम करता है। इसका ब्रांड नाम कूलस्कल्प्टिंग है। क्रायोलिपोलिसिस ट्रीटेड एरिया में स्किन को टाइट करता है। साथ ही प्रोसिजर फैट सेल्स को ठंडा करता है और फैट कम करके त्वचा को टाइट बनाता है।

क्रीम और सीरम

अगर आप अपने फेस पर दुनियाभर का ट्रीटमेंट नहीं करवाना चाहती हैं, तो आप स?किन पर क्रीम और सीरम का यूज कर सकती हैं। इसमें टिनॉइड्स, पेप्टाइड्स और ग्रोथ फैक्टर्स होते हैं।

पश्चिमी एजेंसियां पूर्वोत्तर भारत में अलगाववाद को हवा देने में सक्रिय

वाशिंगटन के लिए यह मायने नहीं रखता कि बांग्लादेश में अवामी लीग का शासन है या उसके विरोधियों का, जब तक कि अमेरिका के प्रमुख रणनीतिक हित सधते रहें। शेख हसीना ने पहले से ही तनावपूर्ण क्षेत्र में अमेरिका द्वारा सैन्य पैर जमाने के परिणामों के डर से इनकार कर दिया, जहां बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता जीवन की एक सच्चाई थी।भारतीय विदेश नीति के वे बाज़, जो दुनिया को खुशी-खुशी याद दिलाते हैं कि दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका तेजी से प्रगति कर रहे भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना रणनीतिक रक्षा साझेदार मानता है, जल्द ही एक अग्नि परीक्षा का सामना कर सकता है। उनकी बयानबाजी झूठी निकली जब वाशिंगटन-दिल्ली की दोस्ती अमेरिका को भारत के मित्र बांग्लादेश में सत्तारूढ़ शासन को गिराने नहीं रोक पाई, जो ताजा उदाहरण है।इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि मणिपुर, नागालैंड और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के आस-पास के इलाकों में जल्द ही अस्थिरता की एक नयी लहर आने के संकेत मिल रहे हैं, भले ही सत्तारूढ़ मोदी 3.0 सरकार भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षा रखती हो। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित ताकतों ने भारत, म्यांमार और बांग्लादेश से अलग होकर एक स्वतंत्र ईसाई राज्य की अपनी पुरानी मांग को फिर से दोहराया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सबसे पहले इस बारे में चेतावनी दी, हालांकि बाद में अमेरिकी राजनयिकों ने उनका खंडन किया।

जब तक भारत और दक्षिण एशिया की अन्य संबंधित सरकारें इस क्षेत्र के लिए अपनी नीति निर्माण में अत्यधिक सावधानी नहीं बरतती हैं, तब तक वे मध्यम अवधि में खुद को म्यांमार-प्रकार के असंख्य सशस्त्र नागरिक संघर्षों में उलझा हुआ पा सकते हैं। बड़ी शक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता की परेशान करने वाली प्रवृत्ति एक और जटिल कारक है।

अभी दुनिया का ध्यान बांग्लादेश में हाल ही में बड़े पैमाने पर हिंसा के प्रकोप पर केंद्रित है, जो पश्चिम द्वारा प्रायोजित शासन परिवर्तन के परिणामस्वरूप हुआ है, जिसके कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया, पर कुछ विश्लेषकों ने अमेरिकी राजनीतिक चालों के बारे में उनकी गंभीर चेतावनी पर अधिक ध्यान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया था कि बांग्लादेश में लोकतंत्र और विपक्ष को दबाने के लिए सार्वजनिक रूप से उन पर हमला करने के बावजूद अमेरिका ने सेंट मार्टिन द्वीप पर कब्ज़ा करने की कोशिश की थी और वहां सैन्य अड्डा बनाने की कोशिश की थी। अमेरिकी राजनयिकों ने संकेत दिया था कि अगर ढाका सहमत हो जाता है, तो अमेरिका इस साल जनवरी में होने वाले रार्ष्ट्रीय चुनावों में भी ज्यादा दिलचस्पी नहीं लेगा।जाहिर है, वाशिंगटन के लिए यह मायने नहीं रखता कि बांग्लादेश में अवामी लीग का शासन है या उसके विरोधियों का, जब तक कि अमेरिका के प्रमुख रणनीतिक हित सधते रहें। शेख हसीना ने पहले से ही तनावपूर्ण क्षेत्र में अमेरिका द्वारा सैन्य पैर जमाने के परिणामों के डर से इनकार कर दिया, जहां बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता जीवन की एक सच्चाई थी। अमेरिका के साथ एक समझौते ने तुरंत चीन, भारत और रूस को नाराज़ कर दिया होता, जो उसके तत्काल पड़ोस के तीन शक्तिशाली देश हैं जिन्होंने आर्थिक और अन्य क्षेत्रों में वर्षों से बांग्लादेश की लगातार मदद की थी।इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश में आम चुनाव हुए। विपक्षी दलों के बहिष्कार के कारण अवामी लीग ने बेशक चुनाव में जीत हासिल की, लेकिन जैसा कि आशंका थी, अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम ने परिणाम को स्वीकार नहीं किया। सावधानीपूर्वक आयोजित हिंसा के एक तांडव के माध्यम से उन्हें राजनीतिक निर्वासन में धकेल दिया गया, जबकि उनकी पार्टी और उसके हजारों समर्थकों पर कार्रवाई की घोषणा की गयी!भविष्य के विश्लेषकों/इतिहासकारों को, नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के बारे में उनका अंतिम मूल्यांकन जो भी हो, हसीना के निष्कासन के बाद अमेरिका में एक स्पष्ट स्वीकारोक्ति के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, अमेरिकी अधिकारियों और एनजीओ संचालकों की उपस्थिति में, यूनुस ने एक बंगाली कार्यकर्ता, एक ज्ञात कट्टरपंथी को, सबसे सावधानीपूर्वक संगठित (उनके सटीक शब्द) अभियान के पीछे के दिमाग के रूप में, एक उत्सव समारोह में पेश किया।दूसरे शब्दों में, बांग्लादेश में नये राजनीतिक विजेताओं को आत्म-बलिदान करने वाले स्वयंसेवकों, छात्रों या आम लोगों के संघर्षशील लोगों की एक सहज लहर द्वारा सत्ता में नहीं लाया गया था, जैसा कि शुरू में बीएनपी के नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टियों या अन्य लोगों द्वारा दावा किया गया था। शक्तिशाली समर्थक क्लिंटन लॉबी ने हमेशा विपक्षी बीएनपी नेताओं और हसीना के विरोधी समूहों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाये रखे थे। हसीना का अंतिम निष्कासन उनके लिए एक तरह से केक पर आइसिंग की तरह था, जिसका उन्होंने भरपूर आनंद लिया, क्योंकि बांग्लादेश के भावी नेता के रूप में उनके द्वारा चुने गये यूनुस ने उन्हें निराश नहीं किया। बांग्लादेश की पटकथा ने लीबिया के नेता मुअम्मर गद्दाफी के खिलाफ इसी तरह के सफल अमेरिकी हमले की यादों को फिर से ताजा कर दिया, जिसे संगठित हिंसा के दौर के बाद अमेरिका का विरोध करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी थी।बांग्लादेश में जो हुआ था वह यह कि अवामी लीग या एएल के नेतृत्व वाली एक विधिवत निर्वाचित सरकार को पश्चिम द्वारा प्रायोजित राजनीतिक हस्तक्षेप द्वारा तोड़ दिया गया जिसमें बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी और लोगों की जान और संपत्ति का बहुत नुकसान हुआ था। यह एक सफल शासन परिवर्तन अभियान था, जैसा कि यूक्रेन और लीबिया में पहले देखा गया था।

यह निष्कर्ष निकालने के लिए किसी बड़ी राजनीतिक विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है कि भारत सरकार को पूर्व में विकसित हो रहे हालात के मद्देनजर पश्चिमी ब्लॉक के साथ राजनीतिक जुड़ाव के अपने नियमों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है- यदि आवश्यक हो तो पुनर्विचार करने की भी।पश्चिम प्रायोजित हस्तक्षेपों के बाद यूक्रेन और लीबिया का क्या हुआ? यूक्रेन से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की खबरें आई थीं, जहां दक्षिणपंथी नाजी ताकतें, जो हमेशा यूक्रेन में मजबूत रही हैं, ने वापसी की थी। इसके अलावा डोनबास और लुगांस्क जैसे क्षेत्रों में भी एक व्यवस्थित पश्चिम-प्रेरित रूसी विरोधी अभियान शुरू किया गया था, जहां आबादी काफी हद तक रूस समर्थक थी।उनकी भाषा, चर्च, सांस्कृतिक संस्थानों और उनके मौलिक अधिकारों पर हमले किये गये। बार-बार रूस के विरोध प्रदर्शन काम नहीं आये। दुर्भाग्य से यूक्रेन या उसके उग्र नाटो समर्थकों के लिए, राष्ट्रपति पुतिन की अन्य समस्याओं ने यह दिखा दिया कि पश्चिम के साथ अपने व्यवहार में वे बोरिस येल्तसिन की तरह आसान नहीं हैं।

मोदी सरकार को इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या इसी तरह के राजनीतिक परिणाम मध्यम अवधि में बांग्लादेश और उसकी राजनीति को परेशान नहीं कर सकते हैं? यह एक ऐसा देश है जिसकी आबादी बहुत बड़ी है और इसके प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित हैं, इसके दोनों ओर म्यांमार जैसा अस्थिर देश हैं और तीन तरफ इसकी सीमा भारत से लगती है, जिसे वह वास्तव में नापसंद नहीं कर सकता।क्या यह आश्चर्य की बात है कि बांग्लादेश से अलग होने की मांग पहले से ही आदिवासियों और अन्य लोगों के वर्गों से सुनी जा रही है, जो चटगांव पहाड़ी इलाकों और आस-पास के इलाकों में मुस्लिम पुलिस और सेना द्वारा लंबे समय से प्रताड़ित हैं?

इसके अलावा मिजोरम के ईसाई मुख्यमंत्री लालदोहोमा ने ईसाइयों के लिए खुले तौर पर एक अलग राज्य का आह्वान किया है, जिसमें भारत, बांग्लादेश और म्यांमार को मिलाकर एक स्वतंत्र ईसाई नया राज्य बनाने का प्रस्ताव है, खास तौर पर बड़े पैमाने पर ईसाई कुकी/ज़ो आबादी के लिए। उन्होंने हाल ही में अमेरिका की यात्रा के दौरान अपने प्रस्ताव की रूपरेखा भी बताई, जहां उन्होंने चुनिंदा सभाओं में भाषण दिये।भारत जैसे बड़े देश को इस तरह के घटनाक्रम से अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए।

हालांकि, भविष्य में अमेरिका में कुछ लॉबी इस तरह के कदमों का समर्थन करेंगे या नहीं, यह देखना बाकी है। भारत सरकार को हमेशा सतर्क रहना चाहिए और पूर्वोत्तर या उसके निकटतम पड़ोस में सोते हुए नहीं पकड़ा जाना चाहिए। उत्तर पूर्व और बांग्लादेश में विकास को लेकर नई दिल्ली के पास चिंतित होने के सभी कारण हैं, जहां विदेशी एजेंसियां प्रमुख भूमिका निभा रही हैं।

संपादकीय

दिल्ली प्रदूषण : भारत की फजीहत

पिछले कई वर्षों से दिल्ली एवं एनआरसी में हर साल की सर्दियों में होने वाला स्मॉग (धुंध व धुंआ) लोगों के लिये अनेक तरह की समस्याएं लेकर आता है। इसके कारण दृश्यता इतनी कम हो जाती है कि कुछ ही मीटर की दूरी तक भी दिखाई देना बन्द हो जाता है। राष्ट्रीय महामार्ग पर अनेक हादसे होते हैं, ट्रेनें व जहाजों की उड़ाने या तो रद्द होती हैं या फिर विलम्ब से उनका परिचालन होता है। स्कूलों में अक्सर छुट्टियां दे दी जाती हैं। लोगों के स्वास्थ्य पर बहुत ही गम्भीर परिणाम पड़ते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की शिकायतें मिलती हैं। मौसम के ठंडा होने के साथ ही पूरे क्षेत्र में पराली जलाने के कारण गाढ़े धुंए की मोटी परत पूरे इलाके पर छा जाती है।विभिन्न तरह की परेशानियों और समस्याओं को लेकर आने वाले प्रदूषण का असरकारक तोड़ अब तक न दिल्ली सरकार ढूंढ़ पाई है और न ही केन्द्र सरकार। पराली जलाने के आरोप में हरियाणा, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के कुछ किसानों के खिलाफ मामले दर्ज करने के अलावा अब तक ठोस कार्रवाई होती नहीं दिखी है। अब यह मामला अजरबैजान की राजधानी बाकू में जलवायु परिवर्तन पर चल रहे वैश्विक सम्मेलन सीओपी 29 में गूंज गया है जिसमें इस पर प्रदीर्घ मंथन तो हुआ ही, भारतकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेइज्जती भी हो गयी। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 24 घंटे का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 294 पहुंच गया जो गम्भीर से अधिक माना जाता है। कुछ इलाकों में यह 500 के ऊपर चला गया। पार्टिकूलेट पॉल्यूशन 1000 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से भी ज्यादा रहा। यह प्रदूषण ब्लैक कार्बन, ओज़ोन, जीवाश्म ईंधन और पराली के जलाने से होता है जो स्वास्थ्य के लिये बेहद खतरनाक है। इसमें सांस लेना मानों कई दर्जन सिगरेटें पीना है। इसका प्रतिकूल असर लाखों लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञ इस दिशा में तत्काल और दीर्घकालिक उपाय अपनाने की ज़रूरत बतला रहे हैं। पिछले कुछ साल से ठंड के मौसम में इस प्रकार का स्मॉग इस पूरे क्षेत्र के वायुमंडल को चपेट में लेता है और इस पर हाय-तौबा मचती है। एक बार यह मौसम खत्म होने तथा स्मॉग साफ हो जाने के बाद लोग इसे भूल जाते हैं और सरकारें भी। क्लाइमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला ने स्थिति की भयावहता पर तो प्रकाश डाला ही है, उन्होंने तंज कसा कि हम वैश्विक मुद्दों पर तो बात करते हैं लेकिन लाखों लोगों के स्वास्थ्य सम्बन्धी खतरों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सम्भवतः उनका इशारा बाकू में भारत के प्रतिनिधित्व एवं वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों की ओर उसकी चिंताओं की ओर था, जबकि भारत की राजधानी में लाखों लोगों के स्वास्थ्य को गम्भीर खतरा है। दमा, फेफड़े में संक्रमण, एलर्जी आदि से पीड़ित लोगों के लिये यह मरण काल है।दिल्ली-एनसीआर के इस मामले की अनुगूंज सीओपी 29 में जिस तरीके से सुनाई दी वह भारत के लिये पर्याप्त अपमानजनक थी। बहुत सी ऐसी बातें कही गयीं जो कई देशों के साथ सीधे भारत की ओर इशारा करती हुई उसे चोट पहुंचाने वाली रहीं। ग्लोबल क्लाइमेट एंड हेल्थ एलायंस के उपाध्यक्ष कर्टनी हार्वर्ड ने कनाडा के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि %पिछले वर्ष वहां के जंगलों में लगी आग ने 70 प्रतिशत आबादी के जीवन को खतरे में डाल दिया था और उस त्रासदी से निपटने में उस देश को निपटने में वित्तीय समस्या आई थी।% उनका कहना था कि %जब एक समृद्ध देश को इतनी परेशानी हो सकती है तो गरीब देशों के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। इस स्थिति से निपटने के लिये गरीब देशों को वित्तीय मदद की ज़रूरत है।% पर्यावरणविद भावरीन कंधारी का कहना है कि %सीओपी 29 को अपने दूसरे हफ्ते में शहरी जलवायु की ओर ध्यान देना होगा।% उन्होंने इस स्थिति को %सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल बतलाया।दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण पर सीओपी-29 में मुद्दा गरीब देशों के हवाले से उठा, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कई दावे हवा में उड़ गये। पहला यह कि मोदी भारत को एक बड़ी आर्थिक ताकत बतलाकर खुद की पीठ ठोंकते रहे हैं। साफ है कि अगुवा देश अब भी भारत को गरीब देशों की पंक्ति में ही खड़ा करते हैं। दूसरे, पीएम यह भी बताते रहे हैं .

महाराष्ट्र-झारखंड चुनावों में मोदी से ज्यादा अदानी का स्टेक

विधानसभा चुनावों की वर्तमान में जारी श्रृंखला के अंतर्गत झारखंड के दूसरे व अंतिम तथा महाराष्ट्र के एकमेव चरण के लिये बुधवार को जो मतदान होने जा रहा है उसमें केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ही स्टेक नहीं है। कहें तो मोदी के सबसे करीबी कारोबारी मित्र गौतम अदानी का कहीं अधिक दांव पर लगा हुआ है। मोदी इस वक्त चाहे विदेश की यात्रा पर हों और पिछले कुछ दिनों से वे दोनों राज्यों के चुनावी परिदृश्य में वैसे नहीं दिखाई दिये जैसे कि वे अमूनन चुनावों के दौरान उपस्थित रहा करते हैं, तो कोई यह न समझे कि वे इन चुनावों से निराश हो चुके हैं या फिर वहां पराजय का खतरा महसूस करते हुए खुद को अलग कर लिया, जैसा उन्होंने विगत में पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक, तेलंगाना आदि राज्यों में किया था जिनमें भारतीय जनता पार्टी को हार मिली थी।

झारखंड और महाराष्ट्र उपरोक्त बताये गये राज्य नहीं हैं। जगजाहिर है कि मोदी अब इन बातों का विशेष ख्याल नहीं रखते कि किस राज्य में भाजपा की जीत से उनकी छवि सुधरेगी और किन राज्यों में पराजयों से गिरेगी। उन्होंने भाजपा को ऐसे रंग में रंग दिया है कि किसी भी प्रदेश का चुनाव जीतने पर उन्हीं के माथे सेहरा सजता है और हारने पर पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा या स्थानीय इकाई प्रमुख के सिर होते ही हैं- ठीकरे फोड़ने के लिये। मोदी का प्रचार तंत्र साबित कर देता है कि जीत का कारण मोदी का चेहरा है और पराजय के वे बिलकुल जिम्मेदार नहीं हैं। अब अपने 3‑0 के कार्यकाल में मोदी ने यह लिहाज भी छोड़ दिया है कि उनके नाम को अदानी या रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी के साथ जोड़ा जाता है। छत्तीसगढ़ का चुनाव याद करें तो वह मोदी के लिये जितना अहम था उतना ही महत्वपूर्ण अदानी के लिये भी था। उस रौ में मध्यप्रदेश तथा राजस्थान भी बह निकले और कहने को हो गया कि यदि अदानी के लिये ही मोदी चुनाव लड़ते हैं तो बाकी दोनों राज्य (मप्र-राज.) कैसे भाजपा ने जीत लिये जहां अदानी की कोई दिलचस्पी नहीं थी तो उसके दूसरे रणनीतिक कारण थे जो कांग्रेस की अंदरूनी कलह और मैनेजमेंट की असफलताओं से जुड़े हुए हैं। उस पर पहले से पर्याप्त चर्चा हो चुकी है।इस मुद्दे को यदि विपरीत दिशा से बढ़ते हुए समझा जाये तो स्थिति और भी साफ हो जाती है। हाल ही में हरियाणा में जीत की दूर-दूर तक सम्भावना नहीं थी। वहां जिस बड़े पैमाने पर चुनाव के ठीक पहले भाजपा नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों और पूर्व या तत्कालीन विधायकों का कांग्रेस या अन्य दलों की ओर प्रयाण हुआ था वह अभूतपूर्व था। वहां कांग्रेस की बड़ी सभाएं और रैलियां हुईं। इसके विपरीत भाजपा के प्रत्याशियों को कई

गांवों में घुसने तक नहीं दिया गया। किसानों की सबसे ज्यादा नाराज़गी जिन राज्यों में थी उनमें यह प्रदेश प्रमुखता से शामिल है। मतगणना में सुबह से आगे चलती कांग्रेस ने बामुश्किल आधे घंटे की अवधि में इतनी बड़ी संख्या में सीटें गंवा दी कि वह सरकार बनाने वाले आंकड़े से दूर हो गयी। उधर जम्मू-कश्मीर में कई कारणों से भाजपा की दिलचस्पी खत्म हो गयी थी इसलिये उसने सघनता से चुनाव नहीं लड़ा जैसा कि उसने हरियाणा का लड़ा था। दोनों के चुनाव लगभग एक साथ हुए थे और परिणाम भी एक ही दिन आये थे। फिर, अनुच्छेद 370 हटाने का जो राजनीतिक लाभ भाजपा को उठाना था, वह उसने देश भर में उठा लिया था। सच तो यह है कि जम्मू-कश्मीर में सरकार चलाने से कहीं अधिक फायदेमंद है उस पर सियासत करना। वहां सरकार चलाना अपनी उंगलियां जलाना है। वैसे भी वहां न तो आतंकवादी गतिविधियां रूकीं और न ही भाजपा को कश्मीरी पंडितों को बसाने में सफलता मिल पाई। सम्भवतः भाजपा को यह बात भी समझ में आ गयी होगी कि वहां उसके कारोबारी मित्र न तो उद्योग लगा सकते हैं और न ही जमीनें खरीद सकते हैं। वैसे भी जम्मू-कश्मीर इतना संवेदनशील राज्य है कि किसी न किसी बहाने से उसकी सरकार को आसानी से गिराया जा सकता है। ध्रुवीकरण की राजनीति उस राज्य में विपक्षी बेंचों पर बैठकर कहीं अधिक आसानी से की जा सकती है। इसलिये उसे छोड़ देना बेहतर समझा गया होगा।

छत्तीसगढ़-ओडिशा-झारखंड वह हरियर पट्टा है जो खनिज सम्पन्न है, खासकर इन राज्यों की जमीनों के नीचे कोयले का अकूत भंडार दबा हुआ है। देश भर में चल रहे अपने बिजली संयंत्रों के लिये अदानी को कोयले की निर्बाध और भरपूर सप्लाई चाहिये। यही वह कारण है कि इन तीनों राज्यों की विधानसभाओं को जीतना भाजपा और उससे बढ़कर मोदी के लिये जीतना बहुत ज़रूरी है। अदानी व्यवसायिक दृष्टि से मोदी पर और मोदी राजनीतिक सफलता के लिये अदानी पर निर्भर हैं। यदि मोदी को अपनी राजनीति चलानी है तो उनके लिये अदानी के कारोबारी हितों की रक्षा करनी ज़रूरी है। इसलिये झारखंड की विधानसभा में भाजपा का बहुमत मोदी के लिये अहम बन गया है। अदानी के व्यवसायिक हितों के तार धीरे-धीरे विभिन्न राज्यों के राजनीतिक क्षितिजों को छू रहे हैं। महाराष्ट्र भी ऐसा ही प्रदेश है। विशेषकर मुंबई। महानगर के बीचों-बीच बसे और दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गीबस्तियों में से एक धारावी के पुनर्निर्माण का एक बड़ा प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री कार्यालय में लम्बित बतलाया जाता है। यह अदानी की ही परियोजना है।धारावी में लोगों को मय नागरिक सुविधाओं के पक्के आवास देने वाली यह योजना पहले भी अलग-अलग रूपों एवं नामों से लाई जाती रही है। पिछली सदी के आठवें दशक में राजीव गांधी धारावी के कायाकल्प के लिये प्रधानमंत्री विकास परियोजना (पीएमडीपी) लेकर आये। यह योजना ठीक से प्रारम्भ हो पाती उसके पहले ही कांग्रेस का राज जाता रहा। फिर इसे डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा 2008 में लागू करने की बात की गयी। उसका संशोधित स्वरूप बनने के पहले यूपीए की सरकार 2014 में चली गयी। वैसे 1995 में जब महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा ने चुनाव जीता था तो उसका सबसे बड़ा कारण था चुनावी घोषणा पत्र में किया गया यह वादा कि उनकी सरकार बनने के बाद धारावी के हर परिवार को पक्का घर मिलेगा। वैसे वह योजना भी आगे नहीं बढ़ पाई लेकिन पहले की दो गारंटियों और अब भाजपा की योजना के बीच प्रमुख फर्क यह है कि शिवसेना-भाजपा तथा यूपीए सरकार ने यह योजना शासकीय स्तर पर लागू करने का तय किया था जबकि डबल इंजिन सरकार पहले दिन से साफ कर चुकी है कि यह योजना अदानी व्यवसाय समूह क्रियान्वित करेगा। अधिकतर लोगों को भरोसा नहीं है कि उनका विस्थापन और पुनर्वास ठीक से हो सकेगा। कई तो मानते हैं कि एक बार धारावी छोड़ने के बाद वे शायद ही अपनी जगहों पर लौट सकेंगे। धारावी को इतना महंगा कर दिया जायेगा कि वहां की झोपड़पट्टियों और छोटी-छोटी खोलियों में रहकर गुजारा करने वाले लोग खुद ही बेदखल हो जायेंगे।कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि मोदी का नारा एक हैं तो सेफ हैं का अर्थ है अदानी की तिजोरी में भाजपा और मोदी का सुरक्षित होना। सोमवार को उन्होंने कैमरे के सामने तिजोरी से मोदी-अदानी की तस्वीर और धारावी की सेटेलाइट इमेज निकालकर महाराष्ट्र में अदानी के हितों को सार्वजनिक कर दिया। महाराष्ट्र के गुजरातीकरण का मुद्दा शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे पहले ही उठा चुके हैं।

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है। ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश : चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

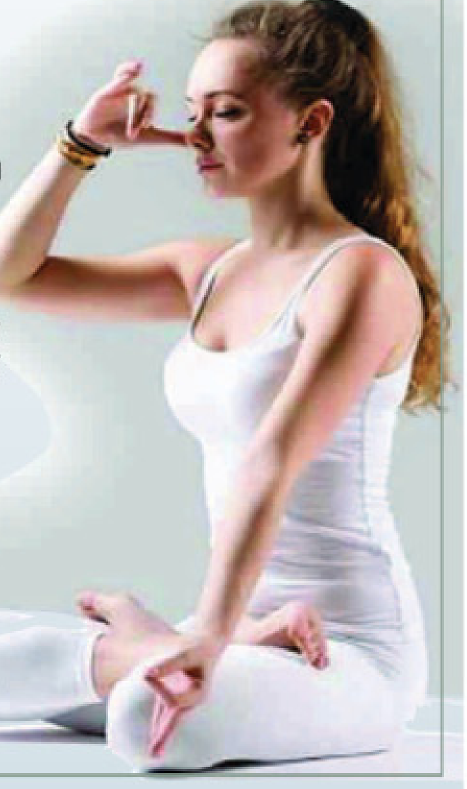

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

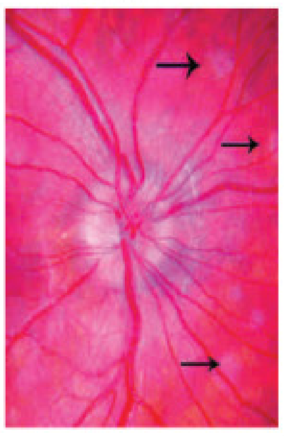

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नही खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नही होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

क्या आप भी सुबह खाली पेट पीते हैं चाय? हो जाएं सावधान

भारतीय घरों में लोग ज्यादातर अपने दिन की शुरुआत चाय के साथ करना पसंद करते हैं। शायद उनकी यह सोच बन चुकी है कि सुबह-सुबह चाय पिए बगैर उनकी आंख नहीं खुलती। मगर शायद आप नहीं जानते कि आपकी यह सोच आपको धीरे-धीरे बीमार करती जा रही है। आज हम बात करेंगे सुबह के वक्त दूध वाली चाय पीने के नुकसान और साथ ही जानेंगे दूध वाली चाय की जगह आप किस तरह से अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं...

एसिडिटी

यदि आप खाली पेट चाय पीते हैं तो आपको एसिडिटी हो सकती हैं। गर्म चाय का सेवन एसिडिटी पैदा करता है और खाने को पचाने वाले रसों पर बुरा प्रभाव डालता है।

कब्ज

कई लोग समझते हैं कि सुबह उठकर चाय पीने से पेट साफ होता है। मगर चाय पीने से पेट साफ नहीं बल्कि पेट की आंते कमजोर होती हैं, जिससे आप कब्ज के शिकार होते हैं।

कैंसर

सुबह-सुबह दूध वाली मीठी चाय पीने से आप कैंसर जैसी बीमारी की चपेट में भी आ सकते हैं।

मूड-खराब

चाय पीने से एसिडिटी बनती है, जिस वजह से आप सारा दिन गुस्से में और चिड़चिड़े बने रहते हैं।

वजन बढ़ना

खाली पेट दूध वाली मीठी चाय पीने से आपका वजन भी बढ़ता है, जिस वजह से आप एक्टिव होने की बजाय सुस्त महसूस करने लगते हैं।

अल्सर का खतरा

सुबह-सुबह चाय पीने से पेट में जख्म होने लगते हैं, जिसे डॉक्टरी भाषा में अल्सर का नाम दिया जाता है। तो ये थे सुबह खाली पेट चाय पीने के नुकसान, अब बात करेंगे सुबह उठकर आपको कौन सी चाय पीनी चाहिए।

ग्रीन-टी

सुबह के वक्त ग्रीन-टी पीने से आप दिन भर एक्टिव फील करते हैं। ग्रीन-टी आपकी बॉडी के लिए एंटी-ऑक्सीडेंट्स का काम करती है। जो आपको डायबिटीज, कैंसर और हाई बीपी जैसी बीमारियों से बचाकर रखती है।

ब्लैक-टी

जो लोग दिन-भर घर से बाहर रहते हैं, उनके अंदर काफी हद तक धुआं और प्लयूशन जा चुका होता है। ऐसे में ब्लैक-टी पीने से धुएं के संपर्क की वजह से फेफड़ों को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। यह हार्ट-स्ट्रोक के खतरे को भी कम करने का काम करती है।

लेमन-टी

दूध वाली चाय की जगह लेमन-टी पीएं। नींबू जहां आपकी बॉडी को डिटॉक्सीफाई करने का काम करता है वहीं आपको दिन भर एक्टिव रखने में भी मदद करता है। आप इसमें शहद डालकर चाय की गुणवत्ता को और भी बढ़ा सकते हैं।

सिंपल गुनगुना पानी

अगर आपको इनमें से कोई भी चाय नहीं पसंद तो आप दूध वाली चाय पीने की बजाय गुनगुने पानी में शहद मिलाकर दिन की शुरुआत करें।

जिद्दी से जिद्दी दाग-धब्बों की छुट्टी करेगा यह पैक

ब्यूटी प्रॉब्लम्स दूर करने के लिए आप बहुत कुछ करते होंगे पर क्या आपने कभी घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करके देखा है? आज हम आपको एक ऐसा ही होममेड मास्क बताएंगे जो त्वचा को निखारने के साथ-साथ काले दाग-धब्बे, ब्लैकहेड्स, झाइयां और झुर्रियों जैसी समस्याओं को दूर करने में काफी असरदार है।

जरूर लगाएं सनस्क्रीन लोशन

सर्दी हो या गर्मी, धूप हमेशा ही स्किन को नुकसान पहुंचाती है। वहीं प्रदूषण, धूल-मिट्टी के कारण भी स्किन खराब होने लगती है। ऐसे में घर से बाहर जाते समय बॉडी पर सनस्क्रीन लोशन जरूर लगाएं। इस का का ध्यान रखें कि लोशन आपकी स्किन टाइप के हिसाब से हो। साथ ही बाहर जाने से कम से कम आधा घंटा पहले सनस्क्रीन लोशन अप्लाई करें। इससे आपको इन सभी समस्याओं से बची रहेंगी।

चलिए अब हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताते हैं, जिससे आप अपनी कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकती हैं।

कितनी बार लगाएं?

हफ्ते में कम से कम 2-3 बार यह मास्क लगाएं। महीनेभर में ही आपकी झाइयों की समस्या दूर हो जाएगी। साथ ही यह मास्क जिद्दी दाग-धब्बों, पिंपल्स, झुर्रियों व डार्क सर्कल्स से भी छुटकारा दिलाएगा।

सामग्री

बेसन - 1 चम्मच

खीरे का रस - 1 चम्मच

बनाने का तरीका

बाउल में दोनों को अच्छी तरह मिक्स कर लें और ध्यान रखें कि इसमें गांठे ना बने। अगर पेस्ट गाढ़ा हो तो उसमें खीरे का रस थोड़ा-सा मिक्स कर लें।

इस्तेमाल करने का तरीका

- सबसे पहले चेहरे को अच्छी तरह फेसवॉश से क्लीन करें, ताकि सारी धूल मिट्टी निकल जाएं।
- अब इस मास्क को चेहरे पर अप्लाई करें और 30-35 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद हल्का-सा पानी लगाकर मसाज करें और पेस्ट को ताजे पानी से धो लें।
- अगर आप रात को सोने से पहले यह मास्क लगाएंगे तो आपको ज्यादा अच्छा रिजल्ट मिलेगा।
- अब चेहरे पर क्रीम, लोशन या माइश्चराइजर लगाएं, ताकि स्किन ड्राई ना हो।

रेसिपी

बेसन ब्रेड टोस्ट

सामग्री

■ 4 व्हाइट ब्रेड ■ 1 प्याज बारीक कटी हुई ■ 1 टमाटर बारीक कटा हुआ ■ 1 हरी मिर्च बारीक कटी ■ हरी धनिया बारीक कटी ■ 1/2 कप बेसन ■ 4 छोटे चम्मच तेल ■ नमक स्वादानुसार

विधि

बेसन ब्रेड टोस्ट बनाने के लिए बाउल में बेसन, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया के पत्ती, नमक और थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। तवा गर्म होने के लिए रख दें और आंच मीडियम रखें। अब ब्रेड स्लाइस लेकर इसे बेस्ट के पेस्ट में डालें और फिर तवे पर रखें। दोनों तरफ थोड़ा-थोड़ा तेल डालें जिससे ब्रेड तवे पर चिपके नहीं। बहुत ज्यादा ब्राउन न करें सुनहरा रंग का हो जाएं तो उतार लें। बाकी टोस्ट को भी ऐसे ही बना लें। हरी चटनी और चाय के साथ परोसें।

बथुए का साग

सामग्री

■ बथुआ- 500 ग्राम, टमाटर- दो (बारीक कटे हुए), हरी प्याज- 100 ग्राम बारीक कटी हुई, हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई, जीरा- ½ चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, काली मिर्च पाउडर- ½ चम्मच, नमक- स्वादानुसार

विधि

बथुए के डंठल तोड़कर साफ कर लें और अच्छे से धोकर बारीक काट लें। हरी प्याज को भी धोकर बारीक काट लें। कढ़ाई को गर्म कर इसमें तेल डालें। गर्म होने के बाद इसमें जीरा और हरी मिर्च का तड़का लगाएं। अब बारीक कटी हुई प्याज डालकर भूनें और गोल्डेन ब्राउन होने के बाद इसमें मटर, हरी प्याज भी डाल दें। 1-2 मिनट बाद काली मिर्च और स्वादानुसार नमक डाल दें। अब इसमें बथुए का साग डालकर अच्छे से चलाएं और फिर इसे ढककर पकाएं। जब साग पूरी तरह से गल जाएं तो आंच धीमी कर दें और इसका पूरा पानी सुखा लें। तैयार है बथुए का साग। जिसे आप लंच या डिनर किसी में भी सर्व कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2654

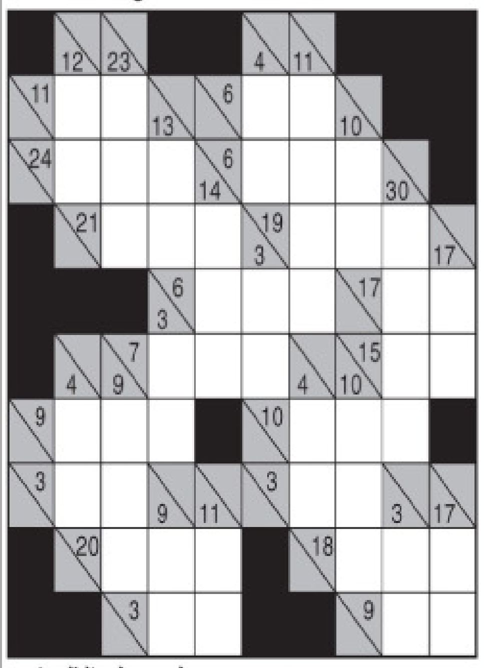

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

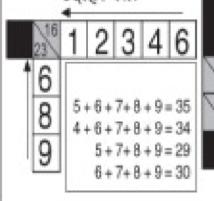

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2653 का हल

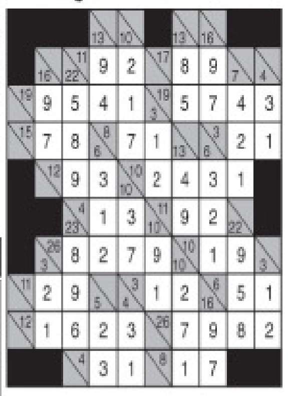

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2654

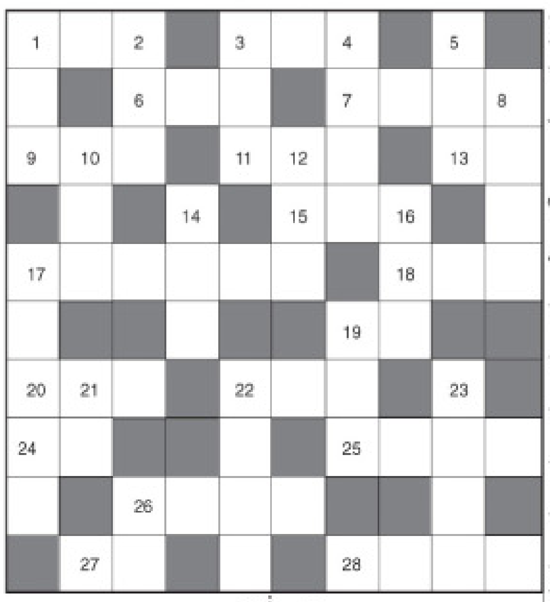

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूं प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2653

सूडोकु -2654

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2653 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 2654

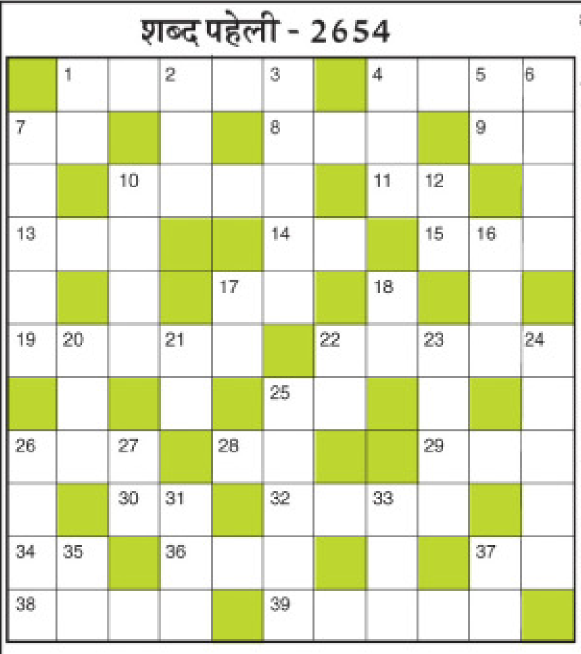

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्ट्रीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -2653 का हल

उप चुनाव : केरल की पलक्कड़ विधानसभा सीट पर 70 फीसदी से अधिक मतदान

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के पलक्कड़ विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए शाम 05 बजे तक 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। मतदान का प्रतिशत बढ़ सकता है क्योंकि मतदान के लिए निर्धारित समय के बाद भी कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गयीं। पिछली बार इस सीट पर 74 प्रतिशत मतदान हुआ था। पलक्कड़ सीट पर यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के राहुल मामकूटथिल, लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के पी. सरीन और भारतीय जनता पार्टी के सी. कृष्णकुमार के बीच मुख्य मुकाबला है। इस सीट पर कुल 10 उम्मीदवार मैदान में थे। पल्लकड़ विधानसभा क्षेत्र के कुल 1,94,706 मतदाताओं के लिए 184 मतदान केंद्र बनाए गए थे। मतों की गणना 23 नवंबर को होगी। पलक्कड़ के विधायक शफी परम्बिल ने वडकरा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीतने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इस कारण इस सीट पर उप चुनाव कराया गया।

अलवर में डकैती की दिल दहला देने वाली वारदात : बुजुर्ग दंपती की घुटन भरी रात

अलवर। शहर की शांत गलियों में रात तब खौफनाक बन गई, जब पांच नकाबपोश बदमाश एक निजी स्कूल मालिक के घर में घुस आए। ये कोई साधारण चोरी नहीं थी। ये थी एक सोची-समझी डकैती, जिसमें बदमाशों ने 80 वर्षीय हरीश चंद गर्ग और उनकी 75 वर्षीय पत्नी तारा देवी को बंधक बनाकर उन्हें मौत का खौफ महसूस कराया।घटना आधी रात के बाद करीब डेढ़ बजे की है। स्कीम-1 स्थित मकान नंबर 217 के बेसमेंट का दरवाजा खुला था। यह दरवाजा बदमाशों के लिए उस नरक का प्रवेश द्वार बना, जो उन्होंने बुजुर्ग दंपती के लिए तैयार कर रखा था। घर के मालिक हरीश चंद गर्ग को उनके कमरे से बाहर निकलते ही दबोच लिया गया। उनके हाथ-पैर बांधकर मुंह पर टेप चिपका दिया। उन्हें एक अंधेरे कमरे में पटक दिया गया। दूसरी तरफ, तारा देवी के कमरे में दो बदमाश पहुंचे। उन्होंने जब शोर मचाने की कोशिश की, तो उनके मुंह पर भी टेप लगा दिया गया। उनका हाथ पहले से फ्रैक्चर था, लेकिन बदमाशों को रहम कहां! उन्होंने उनके दोनों हाथों को पीछे की ओर कसकर बांध दिया। बदमाश घर की हर अलमारी, हर कोने को खंगाल रहे थे। तिजोरी की चाबी की तलाश में उन्होंने तारा देवी को धमकाया। जब उन्होंने मना किया, तो खुद चाबी ढूंढ ली। तिजोरी में रखी नकदी, चांदी के सिक्के और सोने के जेवर लूट लिए। यहां तक कि शादी के लिफाफे और बच्चों की गुल्लक भी नहीं छोड़ी।

बिजनौर में गन्ने से भरे ट्रैक्टर से टकराई बाइक, तीन युवकों की मौत

बिजनौर । यूपी के बिजनौर में ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत में तीन युवकों की मौत हो गई। यह हादसा 20 नवंबर की रात करीब साढ़े 8 बजे हुआ जिसमें दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि एक घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। हादसा उस समय हुआ जब बाइक सवार गन्ने से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गए, जिसके बाद बाइक सवारों ने दम तोड़ दिया। एसपी पूर्वी धर्म सिंह मारछाल ने बताया बाइक पीछे से आ रही थी और गन्ने से भरे ट्रैक्टर ट्राली से जा भिड़ी। हादसा हल्दौर नहटौर मार्ग पर हुआ। हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई थी। वहीं, एक घायल की मौत उसे इलाज के लिए ले जाने के दौरान हो गई। तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेजा गया। मृतकों के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है, आगे की कार्रवाई की जा रही है। 16 नवंबर को भी बिजनौर में एक ऐसा ही दर्दनाक हादसा हुआ था, जिसमें 7 लोगों की जान चली गई थी। तब कार और ऑटो की भिड़ंत हो गई थी। घने कोहरे के कारण धामपुर के देहरादून नैनीताल नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार ने थ्री व्हीलर वाहन को पीछे से टक्कर मार दी थी। हादसे में थ्री व्हीलर वाहन के चालक समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। सभी मृतक झारखंड से एक शादी समारोह से वापस अपने गांव तिबड़ी लौट रहे थे।

उत्तर प्रदेश उपचुनाव : चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, पांच पुलिसकर्मी निलंबित

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में नौ सीटों पर हो रहे विधानसभा उपचुनाव के बीच कई जगहों से बवाल की खबरें आ रही हैं। इसी बीच चुनाव आयोग ने अलग-अलग पांच जिलों में पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। इसमें दो कानपुर, दो मुजफ्फरनगर और एक मुरादाबाद के पुलिसकर्मी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी अधिकारियों को पुन~ निर्देश दिया गया है कि मतदाताओं की आईडी चेक की जाए। यह आईडी चेक करने का काम पोलिंग बूथ के अंदर मतदान कर्मी करेंगे। बाहर जो पुलिसकर्मी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगे हैं, उनके द्वारा किसी प्रकार की चेकिंग और किसी को रोका नहीं जाएगा। अगर ऐसी कोई शिकायत आती है और जांच में सही पाया जाएगा तो चुनाव आयोग इसे गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करेगा। बता दें कि नौ सीटों पर चल रहे मतदान के दौरान समाजवादी पार्टी लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव आयोग को शिकायत कर रही थी।

मप्र मुख्यमंत्री और जनप्रतिनिधियों ने लेक व्यू अशोका ओपन थियेटर में देखी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट'

एजेंसी

भोपाल। 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म में 22 साल पुरानी घटना की सच्चाई जनता के सामने लाने का कार्य किया गया है। पुरानी घटना की सच्चाई को दबाकर कारसेवकों के बलिदान को गलत रूप में बताकर देश-दुनिया में हमारे लोकतंत्र को अपमानित करने का कार्य किया गया था। इस फिल्म के माध्यम से घटना की सच्चाई को जनता के सामने प्रस्तुत करने का काम किया गया है। यह इतिहास के काले अध्याय को सामने लाती है। यह फिल्म वर्ष 2002 में गुजरात के गोधरा में हुई घटना की सत्यता को सामने लेकर आई है। फिल्म वास्तविक तथ्यों पर फिल्माई गई है। फिल्म, उन 59 कारसेवकों के बलिदान की जानकारी देती है जिसे उस दौर में गलत बताया गया था। उक्त बातें मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय जनता

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं मध्यप्रदेश शासन के मंत्री, सांसद, विधायक, पार्टी पदाधिकारियों के साथ लेक व्यू अशोका होटल के ओपन थियेटर में फिल्म ''द साबरमती रिपोर्ट' देखने के पूर्व पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि फिल्म द साबरमती रिपोर्ट के निर्माता साधुवाद के पात्र हैं जिन्होंने इस फिल्म का निर्माण कर आज की पीढ़ी को 22 वर्ष पुरानी घटना की सच्चाई बताने का कार्य किया । उन्होंने कहा, जब यह फिल्म की जानकारी मिली तो मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने काल के प्रवाह में वर्षों पुरानी घटना की सच्चाई जनता तक पहुंचे, इसके लिए फिल्म को टैक्स फ्री करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा प्रदेश में फिल्मांकन की दृष्टि से अनेक महत्वपूर्ण स्थान हैं। प्रदेश सरकार की नीतियां भी फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने वाली हैं। मध्यप्रदेश में फिल्मों की शूटिंग के लिए बड़ी संख्या में डेस्टिनेशन हैं। प्रदेश सरकार टूरिज्म को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। मालवा, महाकौशल, वन, खनिज, हेरिटेज स्थान फिल्मों की शूटिंग के लिए बेहतर लोकेशन हैं। मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग को बढ़ावा दे रही है। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है।

सीबीएसई ने जारी की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की डेटशीट, 15 फरवरी से शुरू होंगी परीक्षाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की तारीखों की घोषणा कर दी है। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी। 10वीं कक्षा की परीक्षा 18 मार्च और 12वीं की परीक्षा 04 अप्रैल तक चलेगी। सीबीएसई ने शेड्यूल जारी करते हुए कहा है कि छात्रों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए तिथियां तय की गई हैं। इसमें विशेषकर 12वीं के छात्रों के लिए प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन की तारीख को ध्यान में रखा गया है। वैसे कोशिश की गई है कि प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन से पहले ही परीक्षाएं पूर्ण करा ली जाएं। साथ ही दो विषयों के पेपर एक ही दिन ना पड़ें, इसको लेकर भी सजगता बरती गई है। बोर्ड की ओर से बताया गया है कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि परीक्षा शुरू होने से 12 हफ्ते (86 दिन) पहले तारीखें घोषित की गई हैं। छात्र सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in पर डेटशीट 2025 को देख सकते हैं। 10वीं की परीक्षा के कुछ पेपर को छोड़कर अन्य सभी परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से लेकर 01:30 बजे तक आयोजित होंगी। इसी प्रकार 12वीं की परीक्षाएं भी कुछ पेपर को छोड़कर सुबह 10:30 बजे से 01:30 बजे तक आयोजित की जाएंगी। 10वीं कक्षा की परीक्षा अंग्रेजी के पेपर से शुरू होगी, जो 18 मार्च को इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी की परीक्षा के साथ समाप्त होगी। वहीं, 12वीं की परीक्षा फिजिकल एजुकेशन के पेपर से शुरू होकर 04 अप्रैल को साइकोलॉजी की परीक्षा के साथ समाप्त होगी।

57.64 फीसदी मतदान के साथ केदारनाथ उप चुनाव संपन्न, 53526 मत ईवीएम में कैद

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद में 07-केदारनाथ विधानसभा सीट पर उप चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्वक एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न हो गया। सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक कुल 57.64 प्रतिशत मतदान हुआ। इस प्रकार कुल 53 हजार 526 मत ईवीएम में कैद हो गए, जो चुनाव मैदान में उतरे उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। ऐसे में लोगों को अब परिणाम आने का इंतजार है। हालांकि मतगणना 23 नवंबर को होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम व अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने सफलतापूर्वक संपन्न हुए मतदान के लिए समस्त अधिकारियों-कार्मिकों को बधाई दी है। साथ ही सभी जनपदवासियों का भी सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 07-केदारनाथ विधानसभा उप चुनाव में कुल 57.64 प्रतिशत मतदान हुआ है। विधानसभा में इस बार कुल 90 हजार 875 मतदाता थे, जिनमें 45 हजार 956 महिला मतदाता व 44 हजार 919 पुरुष मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आज हुए मतदान में कुल 53 हजार 526 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें 28 हजार 329 महिला मतदाता व 25 हजार 197 पुरुष मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्रांतर्गत सभी पोलिंग बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान हुआ है। किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना की सूचना कहीं से भी प्राप्त नहीं हुई है। मतदेय स्थलों पर तैनात अधिकतर पोलिंग पार्टियों की वापसी शुरू हो गई है। साथ ही चुनाव आयोग से मिली अनुमति के बाद सात पोलिंग पार्टियां 21 नवंबर (गुरुवार) को प्रातः लगभग 9-10 बजे तक अगस्त्यमुनि मतगणना केंद्र पर पहुंच जाएंगी। मतदान को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह दिखा। घूंघट की ओट में आधी आबादी ने घर की डेहरी लांघी और खूब वोट की चोट की। चूल्हा-चौका छोड़ कतारबद्ध महिलाएं वोट डालने के लिए उत्साहित नजर आईं। उनका कहना था कि पांच साल में एक बार सरकार चुनने के लिए वोट का मौका मिलता है। वह इस मौके को नहीं छोड़ना चाहतीं। कोई सास का हाथ पकड़कर वोट डालने आ रही थी तो कोई बच्चे को गोद में उठाकर, कहीं समूह में तो कहीं अकेले ही हाथ में पर्ची लेकर चली आ रहीं थीं। उप चुनाव में 28 हजार 329 महिलाओं ने वोट किया है। जबकि 25 हजार 197 पुरुष मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। वोट देने के बाद मतदाताओं ने सेल्फी प्वाइंट में सेल्फी ली और फोटो खिंचवाई। मतदान को लेकर जहां केदारघाटी के युवा मतदाताओं में खासा उत्साह है तो वहीं वयोवृद्ध मतदाता भी व्याकुल हैं। बुजुर्ग मतदाताओं की चेहरे पर अलग ही खुशी झलक रही थी। ये कहते हैं कि वे अब भी अपना वोट देने जाते हैं। वोट देने का अधिकार सबका है।

उप चुनावः उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर 49.3 फीसदी मतदान

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नौ विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उपचुनाव के दौरान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक 49.3 फीसदी मतदान हुआ। इस दौरान सत्ताधारी दल भाजपा और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच रसाकसी देखने को मिली। पार्टी के नेता आरोप प्रत्यारोप लगाते रहे। खास बात यह रही कि दोनों ही पक्ष निर्वाचन आयोग से निष्पक्ष मतदान की गुहार लगाते रहे। उत्तर प्रदेश की नौ सीटों पर सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ।

मतदान शुरू होते ही समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता लगभग सभी सीटों पर आमने समाने आ गए। भाजपा ने आरोप लगाया कि पर्दानशीं महिआलों के चेहरे का मिलान उनके पहचान पत्र से कराकर ही वोट डालने दिया जाए। दूसरी तरफ सपा ने आरोप लगाया कि पहचान पत्र जांचने के नाम पर वोट नहीं डालने दिया जा रहा है। ऐसे ही दोनों दल एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगते रहे। सपा से अखिलेश यादव ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर पत्रकारवार्ता कर सरकार पर सरकारी तंत्र का दुरुपयोगा करने का आरोप लगाया

और आयोग से निष्पक्ष मतदान कराने की अपील की। वहीं सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने सरकारी आवास पर पत्रकार वार्ता कर सपा पर धांधली के आरोप लगाए। हालांकि उप्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि जिन भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी की ओर से शिकायत की गयी, समय पर उसका निस्तारण किया गया और पांच पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई भी की गयी। बताया कि मतदान सम्पन्न कराने के लिए 3718 मतदेय स्थल बनाए थे। इन सभी मतदेय स्थलों हेतु मतदान के लिए आवश्यक ईवीएम एवं वीवीपैट तथा अलग-अलग जिलों में पर्याप्त मात्रा में रिजर्व ईवीएम एवं वीवीपैट की व्यवस्था की गयी थी। मतदान के दौरान जहां भी शिकायत मिली तत्काल ईवीएम एवं वीवीपैट को बदलने का कार्य किया गया।

बदलाव का सबसे बड़ा माध्यम है शिक्षा : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

झुंझुनूं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि शिक्षा समाज में बदलाव और समानता स्थापित करने का सबसे बड़ा माध्यम है। शिक्षा समाज में समानता को बढ़ावा देती है और असमानता को समाप्त करती है। शिक्षा हमें जो चरित्र प्रदान करती है, वही हमें परिभाषित करता है।झुंझुनूं जिले के काजड़ा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए विश्व बाल दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अनुशासन, संस्कार और मानव निर्माण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आपकी उम्र में संस्कारी बनना आवश्यक है। माता-पिता का सम्मान करना, गुरुजनों को प्रणाम करना, आपसी भाईचारे को बढ़ाना और अनुशासन दिखाना आपके जीवन के अभिन्न हिस्से होने चाहिए। मानव निर्माण के लिए श्रेष्ठ आदतों का संचार आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं के लिए उभरते अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की सरकारी नीतियों ने आपकी प्रतिभा

को चमकाने के लिए अनेक मंच प्रदान किए हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आप सभी ग्रामीण भारत की रीढ़ की हड्डी हैं। याद रखें भारत की आत्मा ग्रामीण अंचल में ही है। हमारी जड़ें ग्रामीण भारत में ही मजबूत होती हैं। हमारा अन्नदाता किसान भी ग्रामीण क्षेत्रों में ही रहता है। उन्होंने कहा कि पंचायत राज और नगर पालिका जैसी संस्थाओं के माध्यम से भारत ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक सशक्त किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने इसे एक 'गेम-चेंजर' बताया। उन्होंने कहा कि तीन दशकों के बाद भारत को एक नई शिक्षा नीति मिली है, जिसका उद्देश्य छात्रों को केवल पुस्तकों और डिग्रियों के बोझ से मुक्त करना और उन्हें कौशलयुक्त बनाना है। यह नीति भारत को 2047 तक विकसित भारत के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। उन्होंने छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए आग्रह किया कि वे अपने दादा-दादी और नाना-नानी के नाम पर पेड़ लगाएं। उन्होंने संस्थानों से अपील की कि वे इस नेक कार्य को 'मिशन मोड' में लेकर चलें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब आप इस विद्यालय से बाहर जाएं, तो आपको ऐसा अनुकरणीय आचरण दिखाना चाहिए, जो इस विद्यालय के गौरव को बढ़ाए। उपराष्ट्रपति ने अंत में बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और उनकी कार्यशैली की सराहना की, जिसने भारत के युवाओं को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए मंच प्रदान किया है।

मणिपुर में इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध अगले तीन दिन के लिए बढ़ा

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर सरकार ने राज्य के हिंसा प्रभावित सात जिलों में वीसैट और वीपीएन सहित सभी मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाओं के निलंबन को अगले तीन दिनों के लिए बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में जारी हिंसा के मद्देनजर शुरू में 18 नवंबर से दो दिनों के लिए इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचंदपुर जिलों में इंटरनेट सेवाओं को निलंबित किया गया था। केवल सरकारी कार्यालयों और राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित विशिष्ट मामलों के लिए इसमें छूट दी गई थी। राज्य की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने के बाद 20 नवंबर को शाम 5:15 बजे से 23 नवंबर को शाम 5:15 बजे तक इंटरनेट निलंबन को तीन दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। दूरसंचार सेवाओं के अस्थायी निलंबन (सार्वजनिक आपातकाल या सार्वजनिक सुरक्षा) नियम, 2017 के नियम 2 के तहत जारी आदेश का उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखना और अफवाहों को फैलने से रोकना है।

विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य में सिंगापुर महत्वपूर्णसाझेदारः मुख्यमंत्री

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य राजस्थान को अगले पांच वर्ष में 180 बिलियन से दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन के अनुसार हम भी विकसित राजस्थान-2047 के लिए काम कर रहे हैं और सिंगापुर इसमें हमारा बहुत महत्वपूर्ण साझेदार बन सकता है। मुख्यमंत्री शर्मा सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सिंगापुर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजस्थान की 'अतिथि देवो भवः' की संस्कृति रही है तथा राजस्थान अपने अद्वितीय संस्कृति और विरासत के लिए दुनियाभर में मशहूर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का सिंगापुर बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है तथा सिंगापुर ने अपने आर्थिक मॉडल से विश्व को प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य, जल संचय, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम हो रहा है। राज्य के लोगों को सुलभ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए हमने कुल बजट का 8.26 फीसदी बजट स्वास्थ्य क्षेत्र को दिया है। वहीं, कैच द रैन तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन 2.0 के माध्यम से राज्य में जल संचय को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान में पेयजल एवं सिंचाई के लिए हमने ईआरसीपी का ऐतिहासिक एमओयू किया है। साथ ही इसे धरातल पर उतारने का काम भी शुरू हो चुका है। शर्मा ने कहा कि राज्य में विश्वभर से निवेश के नए अवसरों को खोलने के लिए हम आगामी 9 से 11 दिसंबर

तक राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रहे हैं। इस समिट के तहत अब तक 20 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हो चुके हैं। शर्मा ने इस ऐतिहासिक आयोजन में सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल को भी आने का न्यौता दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सिंगापुर डेलिगेशन की यह यात्रा न केवल राजस्थान और सिंगापुर के संबंधों को मजबूत बनाएगी बल्कि राजस्थान के विकास और वैश्विक संपर्क में नई संभावनाएं भी खोलेगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि राजस्थान में नवीनकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं तथा राजस्थान की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा युवा है। राजस्थान विकास की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार ने अपने प्रस्तुतीकरण से राजस्थान में चल रहे मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0, इंटर लिंकिंग रिवर तथा ग्राउण्ड वॉटर रिर्चाज के बारे में जानकारी दी। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री ए. राठौड़ ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के माध्यम से राज्य की लगभग 88 प्रतिशत जनसंख्या को निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवरेज दिया जा रहा है। आयुक्त उद्योग रोहित गुप्ता ने बताया कि राजस्थान देश में रिन्यूबल एनर्जी, जेम्स एंड ज्वैलरी, टैक्सटाइल, माइन्स तथा पैट्रोकेमिकल्स में अग्रणी राज्य है।

लेफ्टिनेंट जनरल एस अहलावत ने संभाला ब्रह्मास्त्र कॉर्प्स का कार्यभार

एजेंसी

कोलकाता। लेफ्टिनेंट जनरल एस अहलावत ने 'ब्रह्मास्त्र कॉर्प्स' के नए प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने यह जिम्मेदारी लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुरी से ग्रहण की। कार्यभार संभालने के बाद जनरल अहलावत ने बलिदानी जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कॉर्प्स के सैनिकों की सराहना की। भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय की ओर से एक ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि उन्होंने जवानों से कहा, आपने देश के प्रति त्याग और समर्पण की मिसाल कायम की है। भारतीय सेना अपनी परंपरा और आदर्शों के साथ आतंकवाद से लड़ने की कोशिश जारी रखेगी।उल्लेखनीय है कि 'ब्रह्मास्त्र कॉर्प्स', भारतीय सेना के 17वें कॉर्प्स का एक नाम है,

जिसका मुख्यालय पश्चिम बंगाल के पानागढ़ में स्थित है। यह कॉर्प्स पूर्वी कमान के अंतर्गत काम करता है। ब्रह्मास्त्र कॉर्प्स के सैनिकों को स्नाइपर ट्रेनिंग, छद्मावरण (कैमोफ्लाज), जीवित रहने की तकनीक (सर्वाइवल), निगरानी (सर्विलांस) और सटीक निशानेबाजी (प्रिसीशन शूटिंग) के लिए कठोर प्रशिक्षण दिया जाता है।

इस विशेष कॉर्प्स का गठन भारतीय सेना की आतंकवाद रोधी क्षमताओं को मजबूत करने और देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव की मतगणना 25 नवंबर को

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव के नतीजे लगभग दो महीने की देरी के बाद 25 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। वहीं, कॉलेजों के प्रतिनिधि के वोटों की गिनती का कार्य 24 नवंबर को होगा। डूसू चुनाव 2024-25 के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. सत्यपाल सिंह ने एक बयान में कहा दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीयू को 26 नवंबर या उससे पहले मतगणना करने का निर्देश दिया है, बशर्ते दीवारों आदि से सभी बैनर और पोस्टर आदि हटा लिये गये हों। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण करने पर पाया गया है कि

कुछ स्थानों पर दीवारों पर पोस्टर आदि अभी पूरी तरह से हटाने का काम नहीं हुआ है।

प्रो. सत्यपाल सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने सभी स्थानों की सफाई स्वयं कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त तथ्यों पर ध्यान देते हुए डूसू चुनाव 2024-25 के लिए मतों की गिनती 25 नवंबर को होगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के लिए मतों की गिनती सुबह 8 बजे उत्तरी परिसर में वनस्पति विज्ञान विभाग के सामने, कॉन्फ्रेंस सेंटर में होगी। उन्होंने बताया कि सभी कॉलेजों, विभागों, संस्थानों और केंद्रों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने कॉलेजों, विभागों, संस्थानों और केंद्रों के मतों की गिनती 24 नवंबर को करें। सुबह के कॉलेजों, विभागों, संस्थानों और केंद्रों को सुबह 8 बजे और शाम के कॉलेजों, विभागों, संस्थानों और केंद्रों को दोपहर 2 बजे से मतगणना शुरू करने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 27 सितंबर को हुए चुनाव के अगले दिन नतीजे घोषित होने की उम्मीद थी। लेकिन, दिल्ली उच्च न्यायालय ने चुनाव प्रचार के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर, बैनर आदि से व्यापक रूप से गंदा किए जाने पर आपत्ति जताते हुए इसकी पूरी तरह सफाई होने तक मतों की गिनती पर रोक लगा दी थी।

महाराष्ट्र के धुले जिले में पुलिस ने 10 हजार किलो चांदी की ईंटें जब्त, जांच जारी

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने कड़ी चौकसी और वाहनों की जांच के दौरान को एक वाहन से 10 हजार किलोग्राम चांदी की ईंटें जब्त की हैं। इसकी कीमत 94 करोड़ रुपये से अधिक बताई गयी है। धुले की थाने की पुलिस इसकी गहन जांच में जुट गई है। राज्य के धुले जिला के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिरपुर तालुका के थारनेर गांव में आज धुले की एक पुलिस टीम

वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक कंटेनर वाहन से 10 हजार किलोग्राम चांदी की ईंटे जब्त कीं। इसकी कीमत 94 करोड़ रुपये अधिक बतायी जा रही है। पुलिस के अनुसार धुले पुलिस स्टेशन की टीम को शहर में बड़े पैमाने में चांदी आने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसके आधार पर पुलिस नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन की जांच कर रही थी। इसी जांच के बाद उस वाहन में चांदी की ईंटें मिलीं, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। इस बाबत नासिक के विशेष पुलिस महानिरीक्षक दत्तात्रेय कराले ने बताया कि पुलिस ने शिरपुर में एक बड़े कंटेनर से 94.68 करोड़ रुपये मूल्य की 10 हजार किलोग्राम की चांदी की ईंटें (सिल्लियां) बरामद की गई हैं। पुलिस की टीम बरामद हुई चांदी किस लिए लाई गई थी, इसकी जांच में जुट गई है। गौरतलब है कि आज पूरे महाराष्ट्र में राज्य की 288 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हो रहा है।

शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गई ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगी।

बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यानसबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।

दीपिका सहरावत ने रचा इतिहास, किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाली पांचवीं भारतीय बनीं

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के राजगीर में आठवीं एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में ड्रैग-फ्लिकिंग फॉरवर्ड दीपिका सहरावत के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम ने लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। 21 वर्षीय खिलाड़ी टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहीं और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में अपनी भूमिका सराहनीय ढंग से निभाते हुए 11 गोल किए। इसी के साथ वह अब किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाली भारत की पांचवीं भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी बन गई हैं। इस सूची में राजबीर कौर (16 गोल 1982 एशियन गेम्स) पहले, सुरिंदर कौर (13 गोल 2007 एशिया कप) दूसरे, वंदना कटारिया (11 गोल 2015 हॉकी वर्ल्ड लीग राउंड 2), तीसरे और गुरजीत कौर (11 गोल 2019 एफआईएच सीरीज फाइनल) चौथे स्थान पर हैं। दीपिका ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में चीन के खिलाफ फाइनल मुकाबले में पेनल्टी कॉर्नर पर सनसनीखेज स्ट्राइक के साथ टूर्नामेंट का अपना 11वां गोल दर्ज किया, जो निर्णायक साबित हुआ। दीपिका महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में अग्रणी गोल-स्कोरर भी रहीं।

बिहार सरकार ने भारतीय महिला हॉकी टीम को एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर नकद पुरस्कार से किया सम्मानित

राजगीर। महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 में भारतीय महिला हॉकी टीम की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में बिहार सरकार ने खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए बड़ी नकद पुरस्कार राशि की घोषणा की है। टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 10 लाख का पुरस्कार दिया गया। इसके साथ ही, मुख्य कोच हरेंद्र सिंह को भी 10 लाख का पुरस्कार दिया गया, जबकि सपोर्ट स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 5 लाख की राशि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय महिला हॉकी टीम की कड़ी मेहनत, अनुशासन और देश के लिए गौरव हासिल करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बिहार सरकार की इस पहल ने राज्य और देश में खेलों को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

पंड्या फिर बने नंबर वन ऑलराउंडर, तिलक और सैमसन बड़ी छलांग

दुबई । भारतीय स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या दक्षिण अफ्रीका खिलाफ हाल में हुई सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर एक बार फिर से आईसीसी टी-20 ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये है। वहीं युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने भी बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। यह दूसरी बार है जब पंड्या ने आलराउंडर्स की टी-20 रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। इससे पहले उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्वकप के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज के दौरान पंड्या ने दूसरे टी-20 में मुश्किल परिस्थितियों में 39 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने गेंद के साथ भी अच्छा प्रदर्शन किया था। चौथे टी-20 में उन्होंने अपने तीन ओवर में मात्र आठ रन देकर एक विकेट लिया था। पंड्या ने इस स्थान को हासिल करने के लिए इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ा। पंड्या के अलावा तिलक और संजू की रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। तिलक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते टी-20 बल्लेबाज़ी रैंकिंग में 69 स्थान की छलांग के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गये है। तिलक अब भारत के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव एक स्थान खिसककर चौथे स्थान पर आ गए हैं। संजू सैमसन ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों में शतक पारी की बदौलत 17 स्थान की छलांग टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हमारा ध्यान एकदिवसीय और चैंपियंस ट्रॉफी पर है: आकिब

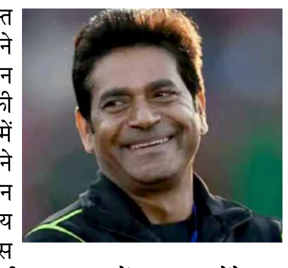

लाहौर। पाकिस्तान के नवनियुक्त अंतरिम सफेद कोच आकिब जावेद ने कहा है कि हमारा सारा ध्यान एकदिवसीय क्रिकेट और चैंपियंस ट्रॉफी पर होगा और वह सबसे छोटे प्रारूप में बदलाव करना चाहते हैं। आकिब ने कहा, फिलहाल हमारा सारा ध्यान चैंपियंस ट्रॉफी से पहले एकदिवसीय क्रिकेट पर है। उन्होंने कहा किआप इस प्रारूप में एक स्थिर टीम देखेंगे। हम टी-20 प्रारूप में बदलाव करेंगे। हम जिम्बाब्वे श्रृंखला में नए खिलाड़ियों को मौका देने की योजना बना रहे हैं। यह नए खिलाड़ियों के लिए एक संदेश और अवसर है। उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए।उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया का दौरा कभी भी आसान नहीं रहा है। जब टीम गई थी तब अगर हमने कहा होता कि हम श्रृंखला जीतने जा रहे हैं, तो लोगों को यह असंभव लगता। नए कप्तान मोहम्मद रिजवान की अगुवाई में टीम दुनिया को दिखाया कि वे 22 साल बाद ऐसा कर सकते हैं।

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

एजेंसी

राजगीर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बिहार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 का खिताब जीत लिया है। भारतीय टीम ने बुधबार को राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हरा दिया। भारतीय टीम ने तीसरी बार यह खिताब अपने नाम किया है। भारत इससे पहले 2016 और 2023 में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुका है। भारत के अलावा साउथ कोरिया भी तीन बार यह ट्रॉफी जीत चुका है। भारत की ओर से फाइनल मैच में एकमात्र गोल दीपिका ने 31वें मिनट में किया। भारतीय टीम और चीन की महिला टीम के बीच खेले गए फाइनल मैच में पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों की ओर से कोई गोल नहीं आया। हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं दाग पाई। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भारतीय टीम के लिए अच्छी रही। इस क्वार्टर के

पहले ही मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे दीपिका ने गोल में तब्दील कर दिया। इससे भारतीय टीम 1-0 से आगे हो गई। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में और कोई गोल नहीं आया। चौथे यानी अंतिम क्वार्टर में चीन ने आगे बढ़ते हुए अधिक दृढ़ संकल्प दिखाया। हालांकि, भारत ने जल्दी ही नियंत्रण हासिल कर लिया और दो मिनट के भीतर पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया लेकिन इसे गोल में तब्दील नहीं कर सका। इसके बाद चीन ने बराबरी के लिए अपनी कोशिशें तेज कर दीं, लेकिन भारतीय रक्षा अभेद्य रही, जिसने चीन के हमलों के सभी रास्ते प्रभावी रूप से बंद कर दिए। अंत में, भारतीय टीम ने कड़ी टक्कर के साथ 1-0 की जीत के साथ अपना तीसरा एशियन चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीत लिया। बिहार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 में भारतीय महिला हॉकी टीम की शानदार जीत के बाद हॉकी इंडिया ने सभी खिलाड़ियों को 3 लाख और सभी सहयोगी कर्मचारियों को 1.5 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। इस मौके को और भी खास बनाते हुए एशियाई हॉकी महासंघ ने प्रतियोगिता के इतिहास में पहली बार पोडियम फिनिशरों के लिए इनाम की घोषणा की है। भारत को 10,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जबकि चीन और जापान को क्रमशः 7,000 अमेरिकी डॉलर और 5,000 अमेरिकी डॉलर दिए जाएंगे।

सीरी ए 2024-25 : जेनोआ के मुख्य कोच नियुक्त हुए पूर्व आर्सेनल मिडफील्डर पैट्रिक विएरा

एजेंसी

रोम। पूर्व आर्सेनल मिडफील्डर और फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पैट्रिक विएरा को जेनोआ का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इतालवी सीरी ए टीम ने इसकी पुष्टि की।

जेनोआ इस सीज़न की शुरुआत से ही संघर्ष कर रहा है, पूर्व कोच अल्बर्टो गिलार्डिनो के नेतृत्व में 12 राउंड के बाद केवल 10 अंक जुटा पाया, जो कि रिलीगेशन ज़ोन से एक अंक ऊपर था, जिसके कारण ग्रिफ़ोन ने 2006 के विश्व कप विजेता को बाहर का रास्ता दिखाया।

कैन्स में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करते हुए, विएरा ने आर्सेनल में जाने से पहले एसी मिलान में एक छोटा कार्यकाल बिताया, जहाँ उन्होंने नौ साल के कार्यकाल में प्रसिद्धि हासिल की। ??मिडफील्डर ने 2011 में अपने जूते लटकाने से पहले जुवेंटस, इंटर मिलान और मैनचेस्टर सिटी के लिए भी खेला। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, फ्रांसीसी ने मैनचेस्टर सिटी में एक युवा कोच के रूप में भूमिका निभाई। 48 वर्षीय ने न्यूयॉर्क सिटी एफसी, नाइस, क्रिस्टल पैलेस और स्ट्रासबर्ग के साथ भी काम

किया।इतालवी आउटलेट्स के अनुसार, विएरा ने 2026 तक के लिए एक डील साइन की है। जेनोआ की कमान संभालने के बाद विएरा का पहला मैच शनिवार को कैग्लियारी के खिलाफ घरेलू मुकाबला होगा।

डब्ल्यूटीटी फाइनल्स 2024 : पहले दिन ही बाहर हुए चीनी पैडलर्स

एजेंसी

किताक्यूशू, जापान। जापान के फुकुओका में 2024 विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) फाइनल के पहले दिन चीनी पैडलर्स को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। पुरुषों के एकल वर्ग के मुख्य मुकाबले में लियांग जिंगकुन का सामना जापान के तोमोकाजू हरिमोटो से हुआ। हरिमोटो ने पहला सेट 11-7 से जीता और फिर 11-6 से दूसरा सेट जीतकर अपनी बढ़त को और मजबूत किया। हालांकि लियांग ने तीसरे सेट में 11-9 से वापसी की, लेकिन हरिमोटो ने चौथे सेट में 12-10 से जीत दर्ज करके अपनी जीत पक्की कर ली। जीत दर्ज करने के बाद हरिमोटो ने कहा,वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हुए, मुझे पता था कि यह कठिन होगा। शुरुआत में पिछड़ने के बाद, मैंने इसे बिंदु दर बिंदु आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। मैं इस खिताब को जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं, खासकर इसलिए क्योंकि यह साल का अंतिम टूर्नामेंट है। एक अन्य चीनी प्रतियोगी, लिन गाओयुआन को स्लोवेनिया के डार्को जोर्गिक से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनका अभियान समय से पहले ही समाप्त हो

गया। महिला एकल में चीन की कियान तियानी और वांग यिदी दोनों आगे बढ़ीं। कियान ने प्यूर्टो रिको की एड्रियाना डियाज को सीधे सेटों में हराया, जबकि वांग ने चीनी ताइपे की चेंग आई-चिंग को 3-1 से हराया।लेकिन युगल स्पर्धाओं में भी चीन को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। पुरुष युगल में चीन के जियांग पेंग और युआन लिसेन क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर के पैंग यू एन कोएन/इजाक क्वेक से 0-3 से हार गए। महिला युगल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त सुन यिंगशा और वांग यिदी को जापान की डिफेंसिव जोड़ी हितोमी सातो और होनोका हाशिमोटो ने 1-3 से हराया, जबकि कोरिया की दुनिया की नंबर 1 जोड़ी शिन यू-बिन और जियोन जी-ही भी जापान की सकुरा योकोई और सतसुकी ओडो से 0-3 से हारकर बाहर हो गई।डब्ल्यूटीटी फाइनल 20 से 24 नवंबर तक चलेगा।

अर्जेंटीना विश्व कप में जगह बनाने के करीब पहुंचा, चिली की उम्मीदें बरकरार

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। अर्जेंटीना ने 2026 फीफा विश्व कप में जगह बनाने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं, जबकि चिली ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। ब्यूनस आयर्स में, इंटर मिलान के स्ट्राइकर लुटारो मार्टिनेज के दूसरे हाफ में किए गए शानदार वॉली ने अर्जेंटीना को पेरू पर 1-0 से घरेलू जीत दिलाई। मार्टिनेज ने 55वें मिनट में गतिरोध को तोड़ा जब उन्होंने लियोनेल मेसी के क्रॉस पर एक शानदार गोल किया। इसके बाद मौजूदा विश्व चैंपियन ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा और क्वालीफाइंग अभियान में अपनी आठवीं जीत दर्ज की।

अर्जेंटीना 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि पेरू अब तक सात अंकों के साथ अंतिम स्थान पर है। मैच के बाद मार्टिनेज ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि हमने साल का अंत सकारात्मक तरीके से और लीडर के रूप में किया है। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, यह व्यक्तिगत रूप से एक शानदार साल रहा है,

लेकिन मैं हर दिन बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहता हूं।

इस बीच, चिली ने क्वालीफायर में अपनी दूसरी जीत दर्ज की और सैंटियागो में वेनेजुएला को 4-2 से हराया। चिली के लिए लुकास सेपेडा ने दो गोल किए और एक और गोल की नींव रखी। चिली नौ अंकों के साथ ग्रुप में नौवें स्थान पर है, जो आठवें स्थान पर मौजूद वेनेजुएला से तीन अंक पीछे है और सातवें स्थान पर मौजूद बोलीविया से चार अंक पीछे है। शीर्ष छह टीमें स्वतः ही संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले फुटबॉल के शोपीस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर जाएंगी, जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में आगे बढ़ेगी।

वेस्टइंडीज 2024 को जीत के साथ समाप्त करना चाहता है: आंद्रे कोली

एजेंसी

एंटीगुआ। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच आंद्रे कोली ने कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी निराशाजनक घरेलू टेस्ट सीरीज को पीछे छोड़कर साल का अंत जीत के साथ करने की जरूरत है। वेस्टइंडीज की टीम 22 नवंबर से एंटीगुआ में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश से भिड़ने के लिए तैयार है।भले ही यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हो, लेकिन दोनों टीमों के लिए यह सीरीज बहुत मायने नहीं रखती क्योंकि वर्तमान में बांग्लादेश और वेस्टइंडीज क्रमशः 27.50 और 18.52 अंक प्रतिशत के साथ डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में आठवें और नौवें स्थान पर हैं। हालांकि, मेजबान टीम साल का

समापन जीत के साथ करना चाहेगी, जिसमें उनकी एकमात्र टेस्ट सफलता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 से ड्रा हुई सीरीज है।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी लय खो दी क्योंकि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करते हुए वे शुरुआती टेस्ट को ड्रा करने में सफल रहे जबकि दूसरे टेस्ट में उन्हें 40 रन से हार का सामना करना पड़ा, जो कोली के अनुसार एक बड़ी निराशा है।कोली ने बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के पहले मैच से पहले कहा, जीत के साथ साल का अंत करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका सीरीज में हर तरफ से निराशा ही हाथ लगी थी। उन्होंने कहा, इससे पहले, पहले तीन या चार दिन बारिश के कारण बाधित रहे थे और उसके बाद से हम एंटीगुआ में मैदान पर कुछ अच्छे सत्र खेलने में सक्षम रहे और हर कोई अच्छे मूड में है और हर कोई फिट और उपलब्ध है। हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम पाकिस्तान जाने से पहले घरेलू धरती पर जीत के साथ परिणाम हासिल करें... यह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के इस संस्करण में अंतिम चार टेस्ट मैच हैं, हमारे लिए यहाँ अच्छा प्रदर्शन करना, श्रृंखला जीतना और पाकिस्तान जाने से पहले लय हासिल करना बहुत महत्वपूर्ण है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ, जिन्हें अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के लिए आराम दिया गया था।

आदि आदेश की धुआंधार बल्लेबाजी नहीं आयी काम, कड़े मुकाबले में सेंट्रल क्रिकेट क्लब ने जीता मैच

एजेंसी

लखनऊ। बाबू बनारसीदास क्रिकेट लीग के बी डीविजन में कड़े मुकाबले के बीच सेंट्रल क्रिकेट क्लब ने यंग चैलेंजर को एक रन से हरा दिया। इस मैच में यंग चैंलेंजर के कप्तान आदि आदेश शुक्ला ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 51 बाल पर 81 रन बनाये। वहीं ए डीविजन में इंडियन इलेवन ने कूह को पांच रन से मात दे दी।सेंट्रल क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 212 रन बनाये। हिमांशु शर्मा ने अपनी टीम में सर्वाधिक 65 रन का योगदान दिया। वहीं अंकित ने 51 बाल पर 61 रन बनाये। सत्यम ने 32 रन का योगदान दिया। वहीं यंग चैलेंजर की टीम 226 रन ही बना सकी और मैच एक रन से हार गयी। टीम के कप्तान आदि आदेश ने नौ चौका व दो छक्का की मदद से 51 बाल पर 81 रन बनाये। वहीं दूसरे मैच

में इंडियन इलेवन ने निर्धारित 32 ओवर में सात विकेट गवांकर 201 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज रचित मात्र 10 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं अपनी टीम में सर्वाधिक 81 रन को योगदान ब्रिजेन्द्र ने दिया। वहीं मनु राजा ने 46 रन बनाये। कूह की टीम 196 रन ही बना सकी और इंडियन इलेवन ने मैच को पांच रन से जीत लिया।

खेलों में हार-जीत से ज्यादा खेल भावना अहम : मनसुख मंडाविया

एजेंसी

गया। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने आज कहा कि खेलों में हार-जीत से ज्यादा खेल भावना अहम है। राजगीर के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में वीमेंस एशिया हॉकी फाइनल से पहले केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गया पहुंचे, जहां उन्होंने शहर के प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर में माथा टेका। उन्होंने तुलसी अर्चना कर भारत के विजयी होने की प्रार्थना की।इसके बाद दोनों ने फल्गु नदी पर बने रबर डैम का भी निरीक्षण किया। केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना है कि जब भारत 2047 में अपनी आजादी के शताब्दी वर्ष का जश्न मना रहा होगा, तब देश खेल जगत में दुनिया के शीर्ष-5 देशों में शामिल हो, इसके लिए खेलो इंडिया प्रोजेक्ट के तहत

जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को पहचान कर उन्हें विश्वस्तरीय कोचिंग दी जा रही है। दुनिया में कई बेहतर कोच है, हमलोगों का प्रयास है कि उन्हें भारत लाकर खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण दिलाया जाए ताकि वे विदेश में जाकर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। वहीं, सम्राट चौधरी ने बोधगया के विकास को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर परियोजना का काम शुरू कर दिया है।टेंडर निकाल दिए गए हैं और डीपीआर तैयार कर केंद्र को भेजी जाएगी।यह परियोजना प्रधानमंत्री की प्राथमिकता में है और इसे काशी कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1.14 लाख शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए गए। उन्होंने बताया कि राज्य के कुछ जिले में आचार संहिता लागू होने के कारण करीब 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया रुकी हुई है, जिसमे गया भी शामिल है,जिसे जल्द पूरा किया जाएगा।उन्होंने तंज किया कि अब कोई यह नहीं कहेगा कि क्वालिटी नहीं है। अब हमारे पास क्वालिटी के साथ क्वांटिटी भी है।

अंतिम रेड तक के रोमांच में दबंग दिल्ली और गुजरात जाएंट्स ने खेला सीजन का छठा टाई

एजेंसी

नोएडा। दबंग दिल्ली केसी और गुजरात जाएंट्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 65वें मैच में अंतिम रेड के रोमांच के बाद 39-39 स्कोर के साथ मुकाबला समाप्त किया। यह इस सीजन का छठा टाई है।दिल्ली ने सीजन का दूसरा टाई खेला जबकि गुजरात के हिस्से पहला आया। दिल्ली के खाते में अब 12 मैचों से पांच जीत, पांच हार और दो टाई हैं। गुजरात के खाते में 11 मैचों में 8 हार, दो जीत और एक टाई है। गुजरात ने हालांकि परतीक दहिया (20) की बदौलत अच्छा खेल दिखाया लेकिन आशू मलिक (11) के एक और सुपर-10 तथा कमबैक मैन नवीन कुमार (9) ने उन्हें अपनी टीम को जीत दिलाने से रोक दिया। चोट से उबरकर लौटे नवीन ने पहली ही रेड पर अंक लिया। उनकी वापसी का जश्न मना रही दिल्ली ने जल्द ही गुजरात को सुपर टैकल सिचुएशन में

डाला और फिर फिर आलआउट करते हुए 10-2 की लीड ले ली।आलइन के बाद संदीप ने गुमान का शिकार किया और फिर आशू ने बोनस के साथ करियर के 600 रेड प्वाइंट पूरे किए। इस बीच परतीक ने सुपर रेड के साथ गुजरात को वापसी की राह दिखाई। फिर हिमांशु ने आशू को लपक खाता खोला। 10 मिनट के बाद दिल्ली 12-7 से आगे थे लेकिन उनके लिए सुपर टैकल आन था। नवीन और फिर विनय ने ब्रेक के बाद दो मौकों पर आलआउट टाला लेकिन प्रतीक ने दो रेड में चार अंक निकालकर दिल्ली को पहली बार आलआउट कर स्कोर 14-16 कर दिया। आलइन के बाद दिल्ली के डिफेंस ने परतीक और गुमान को बाहर कर फासला 4 का कर दिया। जीतेंद्र ने आशू को लपक परतीक को रिवाइव करा लिया। फिर मोहित ने नवीन को लपक दिल्ली को बड़ा झटका दिया। परतीक हालांकि डू ओर डाई रेड पर लपके गए। इस तरह दिल्ली ने 20-17 की लीड के साथ पाला बदला। हाफटाइम के बाद दिल्ली ने हालांकि सात मिनट में फिर से गुजरात को आलआउट कर 28-21 की लीड ले ली। आलइन के बाद परतीक ने आशीष और गौरव को बाहर कर इस सीजन का पहला सुपर-10 पूरा किया और फिर नबी ने नवीन को लपक फासला पांच का कर दिया। अब दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन था। परतीक ने संदीप को आउट कर 30 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 26-29 कर दिया। ब्रेक के बाद गुजरात ने दिल्ली को दूसरी बार आलआउट कर स्कोर 31-31 कर दिया और फिर गुजरात ने लगातार दो अंक के सात 33-31 की लीड ले ली। फिर परतीक ने संदीप और गौरव का शिकार कर फासला 5 का किया लेकिन नवीन ने इसे दो का कर दिया। अब ढाई मिनट बचे थे। चार के डिफेंस में परतीक रेड ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ गुजरात को 37-33 से आगे कर दिया लेकिन नवीन ने मल्टी प्वाइंट के साथ इसका जवाब देकर फासला फिर दो का कर दिया।

पीकेएल-11: यू मुंबा को हराकर तेलुगू टाइटंस ने अंक तालिका में लगाई 2 स्थान की छलांग

एजेंसी

नोएडा। डू ओर डाई रेड पर चले रोमांचक मुकाबले में तेलुगू टाइटंस ने यू मुंबा को हराकर प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन की अंक तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया है। नोएडा इंडोर स्टेडियम में बुधवार रात खेले गए इस मुकाबले में टाइटंस ने 31-29 के अंतर से मुंबा को हराया। यह इस सीजन में 11 मैचों मे टाइटंस की सातवीं जीत है। इस जीत की मदद से उसने अंक तालिका में दो स्थान की छलांग लगाई है। दूसरी ओर, मुंबा को 12 मैचों में चौथी हार मिली है। टाइटंस के लिए आशीष नरवाल ने 8 अंक जुटाए जबकि डिफेंस से सागर ने चार अंक लिए। मुंबा के लिए रोहित ने 8 और मंजीत ने सात अंक लिए। पवन सहरावत के बगैर उतरी टाइटंस शुरुआत में आत्मविश्वास से नजर आई और मंजीत, शंकर तथा विनय की बदौलत पांच मिनट के भीतर 5-3 की लीड ले ली। चार के डिफेंस में हालांकि सुनील ने आशीष का शिकार कर स्कोर 4-5 किया और फिर जफर ने स्कोर 5-5 कर दिया। सोमवीर ने इसके बाद विजय को लपक मुंबा को पहली बार लीड दिला दी लेकिन सागर ने जफर को लपक फिर स्कोर बराबर कर दिया। 10 मिनट के बाद मुंबा हालांकि 8-7 से आगे थे। ब्रेक के बाद सागर ने जफर के खिलाफ गलती की। अब टाइटंस के लिए सुपर टैकल आन था। आशीष ने सुनील को आउट कर स्कोर 8-9 किया और फिर अजीत ने जफर को आउट कर स्कोर 9-9

कर दिया। दोनों टीमें डू ओर डाई रेड पर खेल रही थीं। 11-11 के स्कोर पर आशीष को इसी तरह की रेड में फंसाकर मुंबा ने 12-11 की लीड ली लेकिन हाफटाइम तक टाइटंस ने स्कोर फिर बराबर कर दिया। हाफटाइम के बाद भी दोनों टीमें डू ओर डाई रेड पर खेल रही थीं। सागर ने मंजीत को लपक टाइटंस को 13-12 की लीड दिलाई और अपनी इसी तरह की रेड में मंजीत ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ स्कोर 15-12 कर दिया। मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था, जिसका वह फायदा नहीं उठा सकी। टाइटंस अब 19-14 से आगे थे। मुंबा ने हालांकि आलइन के बाद तीन के मुकाबले पांच अंक लिए लेकिन बावजूद इसके 30 मिनट की समाप्ति तक टाइटंस को 22-19 की लीड मिली हुई थी। ब्रेक के बाद टाइटंस ने लगातार दो अंक लेकर फासला 5 का कर लिया। फिर टाइटंस ने डिफेंस ने फिर जफर का शिकार कर फासला 6 का कर लिया। मुंबा ने हालांकि सुपर टैकल के साथ स्कोर 22-26 कर वापसी की राह पकड़ी। फिर रोहित ने डू ओर डाई रेड पर एक अंक के साथ फासला 3 का कर दिया। रोहित यही नहीं रुके और लगातार दूसरे अंक के साथ स्कोर 26-24 कर दिया। टाइटंस ने हालांकि सुपर टैकल के साथ मुंबा की वापसी पर रोक लगा दी।रोहित लेकिन हार मानने को तैयार नहीं थे। एक मल्टी प्वाइंट रेड के साथ उन्होंने स्कोर 27-28 कर दिया। इसके बाद हालांकि उनका सुपर टैकल हो गया। आशीष ने टाइटंस को 30-27 से आगे कर दिया था। इसके बाद मुंबा के डिफेंस ने आशीष को लपक फासला 2 का कर दिया। फिर मंजीत ने फासला 1 का कर दिया। अंतिम रेड पर चेतन साहू ने एक अंक लेते हुए टाइटंस को जीत दिला दी। इस जीत के साथ टाइटंस टाप-6 में पहुंच गए हैं जबकि मुंबा को शीर्ष पर पहुंचने के लिए और इंतजार करना होगा।

विवियन डीसेना एक रेड फ्लैग हैं...सलमान के शो में एंट्री करने से पहले बोलीं

एडिन रोज

बिग बॉस 18 के घर में एडिन रोज की एंट्री हो चुकी हैं. सलमान खान के इस रियलिटी शो में एडिन के साथ 2 और एक्ट्रेस ने भी एंट्री की है. अदिति मिस्त्री और यामिनी मल्होत्रा के साथ बिग बॉस 18 में एंट्री करने करने से पहले एडिन ने टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ खास बातचीत की थी. उनका कहना था कि उनके पास वो दिमाग है, जो उन्हें कलर्स टीवी के इस रियलिटी शो के ग्रैंड फिनाले तक लेकर जा सकता है. इस दौरान बिग बॉस 18 में शामिल कंटेस्टेंट के बारे में बताते हुए एडिन ने कहा था कि विवियन डीसेना एक रेड फ्लैग हैं.रेड फ्लैग यानी खतरा, कई बार इंसान अपने बातों से या हरकतों से सामने वाले को बताता है कि वो सही इंसान नहीं है. एडिन रोज ने विवियन डीसेना को बिग बॉस 18 का रेड फ्लैग बताया है. इस बारें में बात करते हुए एडिन ने कहा,वैसे तो विवियन डीसेना मुझे अच्छा लगता है. लेकिन वो बहुत बड़ा रेड फ्लैग है. वो बहुत ज्यादा अभिमानी है. उसे लगता है कि वो बाकी सबसे अलग है, खास है. लेकिन मुझे लड़कों में यही रेड फ्लैग आकर्षित करता है. मैंने अपने आप ही ऐसे लोगों से अट्रैक्ट होती हूं.

एडिन रोज को पसंद हैं 'रेड फ्लैग'

आगे एडिन ने बताया था कि मैं ये नहीं कह रही हूं कि लड़कियों को इस तरह के रेड फ्लैग वाले लड़कों से शादी करनी चाहिए. शादी तो आप ग्रीन फ्लैग या फिर ग्रीन फॉरेस्ट (हरे जंगल) की तरह पॉजिटिव लड़के से ही करो. लेकिन पता नहीं क्यों मुझे ऐसे ही लड़के पसंद आते हैं. मेरा एक्स बॉयफ्रेंड भी बहुत बड़ा रेड फ्लैग था. विवियन डीसेना के साथ-साथ एडिन करणवीर मेहरा और रजत दलाल को भी बहुत पसंद करती हैं.

करणवीर और रजत की भी फैन हैं एडिन

एडिन का मानना कि मुझे करणवीर मेहरा भी बहुत पसंद है, पर पता नहीं क्यों वो बैकफुट पर खेल रहे हैं और उनकी ये बात मुझे अच्छी नहीं लग रही है. अगर करणवीर सामने आकर खेलते हैं तो वो बिग बॉस 18 के विनर बन सकते हैं और रजत दलाल की बात करें तो वो बिलकुल मेरी तरह ही हैं. अब क्या बिग बॉस 18 के इन तीन स्ट्रांग कंटेस्टेंट के साथ एडिन रोज दोस्ती की बॉन्डिंग होगी या झगड़े ये देखना दिलचस्प होगा.

झोली में दो ऑस्कर, हर गाने के लिए लेते हैं मोटी फीस, कितनी है AR Rahman की नेटवर्थ

फिल्म इंडस्ट्री में ए आर रहमान का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है. उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक धुने दी हैं. जो अवॉर्ड कोई ना जीत सका वो ए आर रहमान ने जीतकर दिलाया और विश्वभर में देश का नाम ऊंचा किया. अब वे तलाक लेने जा रहे हैं. वे अपना 29 सालों का शादीशुदा जीवन खत्म करने जा रहे हैं. एक्टर एक लैविश लाइफस्टाइल जीते हैं. उनकी नेटवर्थ भी तगड़ी है और अगर तुलना की जाए तो मौजूदा समय में बॉलीवुड के कई सारे लीडिंग एक्टर्स से भी ज्यादा होगी.

एक फिल्म की कितनी फीस लेते हैं ए आर रहमान ?

एआर रहमान ने 32 साल पहले मणि रत्नम की फिल्म रोजा से अपने करियर की शुरुआत की थी. इस फिलम के गाने काफी पसंद किए गए थे और आज भी इन्हें फैंस गाते-गुनगुनाते नजर आते हैं. इसके बाद से म्यूजिशियन ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपनी धुनों से लोगों को खूब बहलाया. यही नहीं उन्होंने देश को ऑस्कर्स, गोल्डन ग्लोब और ग्रैमी समेत कई सारे ऐसे अवॉर्ड्स दिलाए जिसका भारतवासी सिर्फ सपना ही देखते थे. आज उनका एंटरटेनमेंट वर्ल्ड में अलग ही रुतबा है. वे एक गाने का 3 करोड़ रुपये लेते हैं. शायद कई सारे एक्टर्स अभी भी एक फिल्म के लिए इतनी फीस नहीं लेते होंगे. इसके अलावा डीएनए की रिपोर्ट्स की मानें तो वे एक फिल्म में म्यूजिक देने के लिए करीब 10 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं.

कितनी है ए आर रहमान की नेटवर्थ ?

ए आर रहमान पिछले साढ़े तीन दशक से फिल्मों की दुनिया में सक्रिय हैं और तमाम प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुके हैं. उनके संगीत को काफी पसंद किया जाता है. इन सालों में ना सिर्फ उन्होंने शोहरत कमाई बल्कि खूब ढेर सारा धन भी कमाया. रिपोर्ट्स की मानें तो म्यूजिशियन के पास काफी दौलत है. उनकी अनुमानित कुल सम्पत्ति 1700 करोड़ से 2000 करोड़ रुपये के बीच में है. उनकी आय का मुख्य सोर्स सिंगिंग और कंपोजिंग भी है. इसके अलावा वे कंसर्ट्स और ब्रैंड प्रमोशन्स के माध्यम से भी मोटी कमाई करते हैं. फिलहाल वे अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं. रहमान और सायरा ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है.

एक्शन, इमोशन और कंटेंट यानी साउथ सिनेमाज बॉलीवुड क्यों नहीं समझ रहा दर्शकों की उम्मीद ?

आखिरी बार कब बॉलीवुड की किसी हिंदी फिल्म ने बड़े स्केल पर दर्शकों को कितना प्रभावित किया, यह एक अहम सवाल है. क्योंकि ज्यादातर हिंदी फिल्मों के दर्शक या तो ओटीटी या फिर दक्षिण भारतीय भाषाओं की फिल्मों की ओर रुख करने लगे हैं. उत्तर भारतीय दर्शकों को बाहुबली, आरआरआर, पुष्पा द राइज़ या मंजुम्मेल बॉयजजैसी दिल दहला देने वाली और हैरतअंगेज प्रभाव पैदा करने वाली फिल्में ज्यादा रास आने लगी हैं. कंटेंट के हिसाब से बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बीच खाई चौड़ी होती जा रही है. बॉलीवुड के बारे में समझा जाता है यहां अक्सर कहानी से ज्यादा चमक-दमक और ग्लैमर पर फोकस किया जाता है जबकि साउथ फिल्ममेकर्स चमक दमक को कहानी पर हावी नहीं होने देना चाहते.

साउथ की ज्यादातर फिल्में केवल चकाचौंध पैदा करने वाले नहीं बनतीं बल्कि एक्शन से भरपूर होती हैं और कहानी से कभी समझौता नहीं करतीं. साउथ में फिल्म बनाने वाले इस बात को बखूबी समझते हैं कि दर्शक एक्शन के साथ-साथ कहानी से भी जुड़ाव चाहते हैं. दक्षिण भारतीय फ़िल्म निर्माता दर्शकों की इस इच्छा को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहते, जिसका बेहतर नतीजा उन्हें बॉक्स ऑफिस पर भी देखने को मिलता है. बाहुबली से लेकर पुष्पा तक इसके सफल नजीर हैं.

महामारी के बाद दर्शकों की पसंद बदली

कोविड-19 की महामारी के बाद बहुत कुछ बदल गया है. लोगों की दिनचर्या बदल गई है, मनोरंजन का कंटेंट बदल गया. दशकों को गहरी, अधिक सार्थक कहानियों की तलाश होने लगी है. ओटीटी प्लेटफॉर्म लोगों की बोरियत दूर करने का सबसे बड़ा जरिया बना. उधर कोरियाई नाटकों ने अपना दबदबा बनाया और इधर दक्षिण भारतीय फ़िल्मों में नई-नई खोज होने लगी. यहां चमत्कृत करने वाला जादुई प्रभाव था, तो दिल और दिमाग को झकझोरने वाली कहानी भी.लोग अब ऐसी कहानियां चाहने लगे हैं जिसकी उड़ान उनके पैरों तले जमीन खिसकाने का माद्दा रखती हों, जिनके किरदारों में संघर्ष हो- कोई हैरत नहीं कि दक्षिण भारतीय सिनेमा इसे बखूबी समझता है. उदाहरण के लिए मंजुम्मेल बॉयज़ को ही लें. यह एक सर्वाइवल ड्रामा है. कहानी ज़मीन से जुड़ी है. किरदार भरोसेमंद हैं. नायक से सामने एक छोटे से गांव में बेरोजगारी और सामाजिक दबाव की चुनौतियां हैं.

बॉलीवुड में फॉर्मूला बनाम गहराई

इसके उलट बॉलीवुड आज भी पुराने फ़ॉर्मूलों पर ही ज्यादा निर्भर नजर आता है. बड़े बजट की फ़िल्में अक्सर कंटेंट की बजाय स्टाइल पर फोकस करती हैं. हां, 12वीं फेल और लापता लेडीज जैसी फिल्में बताती हैं कि बॉलीवुड गहराई तक जा सकता है, लेकिन ये फिल्में अपवाद हैं. अभी इस दिशा में और काम करके दिखाने की दरकार है.

रूपाली गांगुली

के 'अनुपमा' की मुश्किलें बढ़ीं, CM एकनाथ शिंदे तक पंहुचा कैमरा असिस्टेंट की मौत का मामला

अनुपमा सीरियल के सेट पर गुरुवार 15 नवंबर की शाम को एक कैमरा असिस्टेंट की मौत हो गई थी. इस मामले में ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने सीरियल के प्रोडक्शन हाउस को जिम्मेदार ठहराया है. इस एसोसिएशन की तरफ से महाराष्ट्र के चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे को एक लेटर लिखा गया है और इस लेटर में उन्होंने मांग की है कि अनुपमा के प्रोड्यूसर और प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ आईपीसी के सेक्शन 302 के तहत एफआईआर दर्ज की जाए और साथ ही मृत कैमरा असिस्टेंट के घरवालों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए.इस लेटर के मुताबिक, 15 नवंबर की रात 9.30 बजे बिजली का झटका लगने की वजह से कैमरा असिस्टेंट की मौत हो गई थी. मौत की वजह है सेट पर इक्विपमेंट का लापरवाही से होने वाला इस्तेमाल. चौंका देने वाली बात ये है कि एक वर्कर की मौत के बाद भी देर रात तक प्रोडक्शन ने अपना काम इस तरह से शुरू रखा कि मानों कुछ हुआ ही न हो. अगले दिन भी शूटिंग जारी रखी गई. न ही प्रोडक्शन हाउस की तरफ से मृत वर्कर के परिवार से मिलने की जहमत उठाई गई, ना ही इस बारे में कुछ स्टेटमेंट जारी किया गया.

क्या है एसोसिएशन की मांगे ?

ऑल इंडियन सिने एसोसिएशन का मानना है कि अक्सर सीरियल के सेट पर पुराने वायर प्लास्टिक टेप से जोड़े जाते हैं. इस वजह से सेट पर काम करने वाले वर्कर के लिए ये जगह डेथ ट्रैप बन जाती है. बेसिक सेफ्टी प्रोटोकॉल का भी यहां पालन नहीं होता और इस वजह से कैमरा के पीछे काम करने वाले वर्कर्स की मुश्किलें बढ़ जाती हैं. एकनाथ शिंदे को लिखे गए लेटर में एसोसिएशन ने अपनी 5 मांगे राखी हैं.1 अनुपमा के प्रोड्यूसर, प्रोडक्शन हाउस, चैनल, फिल्म सिटी के मैनेजिंग डायरेक्टर और लेबर कमिश्नर पर एफआईआर दर्ज की जाए.2 मृत वर्कर के परिवार को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए.3 जब तक इस मामले में पूरी पूछताछ न हो तब तक अनुपमा और इस प्रोडक्शन हाउस के सभी सीरियल की शूटिंग पर रोक लगा दी जाए.4 सीरियल के सारे सेट पर सेफ्टी प्रोटोकॉल की जांच की जाए और जहां उसका पालन नहीं हो रहा है, उन पर कड़ा एक्शन लेते हुए उनपर फाइन लगाई जाए.5 जिन्होंने एक इंसान की मौत को महज एक कूड़े की तरह देखा, उन सब पर कार्रवाई की जाए, ताकि आगे से एक इंसान की मौत के बाद कोई उसे कूड़े की तरह न समझे.